सुविचार

फूल चुन कर एकत्र करने के लिए मत ठहरो। आगे बढ़े चलो, तुम्हारे पथ में फूल निरंतर खिलते रहेंगे।

रवीन्द्र नाथ टैगोर

दैनिक रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष - 09 ■ अंक - 215 ■ मंडला, शनिवार 8 नवम्बर 2025 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-1 रूपये ■ विक्रम संवत् 2082 शक 1935 ■ www.revanchaltimes.com RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877

पीएम मोदी बोले- 1937 में वंदे मातरम के टुकड़े हुए

इस गीत का एक हिस्सा हटा दिया गया, इसी विभाजन ने बंटवारे का बीज बोया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- वंदे मातरम भारत की आजादी का उद्घोष था। यह हर दौर में प्रासंगिक है। 1937 में वंदे मातरम् का एक हिस्सा हटा दिया गया था। उसके टुकड़े कर दिए थे। वंदे मातरम् के इस विभाजन ने देश के विभाजन के बीज बोए थे। राष्ट्र निर्माण के इस महामंत्र के साथ ये अन्याय क्यों हुआ? वही विभाजनकारी सोच आज भी देश के लिए चुनौती बनी हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने के मौके पर नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- वंदे मातरम के मूल रूप में लिखा है कि भारत माता सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा हैं। जब दुश्मन ने आतंक के लिए जरिए भारत की सुरक्षा और सम्मान पर हमला करने का दुस्साहस किया, तो पूरी दुनिया ने देखा, नया भारत आतंक के विनाश के लिए दुर्गा भी बनना जानता है।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र गीत के 150 साल पूरे होने के मौके पर एक डाक टिकट और सिक्का जारी किया। उन्होंने साल भर चलने वाले स्मरण समारोह का उद्घाटन किया और एक वेबसाइट भी लॉन्च की। ढट ने वंदे मातरम् के सामूहिक गायन कार्यक्रम में भी भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा- रवींद्रनाथ टैगोर ने एक बार कहा था कि बंकिमचंद्र का 'आनंदमठ' सिर्फ एक उपन्यास नहीं है। यह स्वतंत्र भारत का एक सपना है। बंकिम बाबू के लिखे हर शब्द का गहरा मतलब है। इस गीत की रचना गुलामी के दौर में हुई थी, लेकिन यह सिर्फ उसी समय तक सीमित नहीं है। वंदे मातरम् हर युग में प्रासंगिक है।

ढट ने कहा- जब 1875 में बंकिम चंद्र ने बंगदर्शन में वंदे मातरम् प्रकाशित किया, तो कुछ लोगों ने सोचा कि यह सिर्फ एक गीत है। हालांकि, धीरे-धीरे, वंदे मातरम भारत के स्वतंत्रता संग्राम के लाखों लोगों की आवाज बना। एक ऐसी आवाज, जिसने हर भारतीय की भावनाओं की प्रतिध्वनि की।

मोदी ने कहा- आज जब हम अपने राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, यह हमारे देश के महान नायकों के प्रति श्रद्धांजलि है। उन लाखों शहीदों को नमन है, जिन्होंने फांसी पर चढ़ते हुए वंदे मातरम् का नारा लगाया, जिन्होंने वंदे मातरम् जपते हुए कोड़ों की मार झेली।

मोदी ने कहा- वंदे मातरम् एक शब्द, एक मंत्र, एक ऊर्जा, एक संकल्प है। वंदे मातरम् हमें इतिहास में ले जाता है। ये हमारे भविष्य को नया हौसला देता है कि ऐसा कोई संकल्प नहीं जिसकी सिद्धि न हो सके, ऐसा कोई लक्ष्य नहीं जो हम भारतवासी पा न सकें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कार्यक्रम के दौरान स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कार्यक्रम के दौरान स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी किया। पीएम ने 'वंदे मातरम, नाद एकम, रूपम अनेक' कार्यक्रम देखा, जहां देश के प्रसिद्ध कलाकारों ने हिंदुस्तानी और कर्नाटक गायन शैलियों में वंदे मातरम की प्रस्तुति दी। पीएम ने 'वंदे मातरम, नाद एकम, रूपम अनेक' कार्यक्रम देखा, जहां देश के प्रसिद्ध कलाकारों ने हिंदुस्तानी और कर्नाटक गायन शैलियों में वंदे मातरम की प्रस्तुति दी।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश-

स्कूल, अस्पताल से आवारा कुत्ते हटाएं

जहां से पकड़ें, नसबंदी के बाद वहीं न छोड़ें; हाईवे से आवारा जानवर भी हटाएं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और बस स्टैंड से दूर रखने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि स्कूल-कॉलेज और अस्पतालों में बाड़ लगाई जाए, ताकि कुत्ते वहां न पहुंच सकें। कोर्ट ने कहा कि पकड़े गए आवारा कुत्तों को उसी जगह पर वापस नहीं छोड़ा जाएगा, जहां से उन्हें उठाया गया था। उन्हें शेल्टर होम में रखा जाएगा। कोर्ट ने सभी नेशनल और स्टेट हाईवे से आवारा पशु हटाने का आदेश भी दिया। सभी राज्यों के मुख्य सचिव इन आदेशों का सख्ती से पालन कराने को कहा है। इस मामले में 3 हफ्ते में स्टेटस रिपोर्ट और हलफनामा मांगी गई है। अगली सुनवाई 13 जनवरी को होगी। राजस्थान हाईकोर्ट ने 3 महीने पहले सरकारी एजेंसियों को सड़कों से आवारा जानवरों को हटाने का आदेश दिया था। कार्रवाई को प्रभावित करने वालों के खिलाफ FIR के आदेश भी दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि राजस्थान हाईकोर्ट का फैसला पूरे देश में लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट ने 3 नवंबर को कहा था कि वह सरकारी बिल्डिंग्स के कैम्पस में कुत्तों को खाना खिलाने के नियम के लिए निर्देश जारी करेगा। कोर्ट ने सभी राज्यों के मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने से भी राहत दी थी।

कोर्ट के आदेश की बड़ी बातें

सभी नेशनल हाईवे पर आवारा पशुओं की मौजूदगी की सूचना देने के लिए हेल्पलाइन नंबर लगाने होंगे।

सभी राज्यों के मुख्य सचिव निर्देशों का सख्ती से पालन कराएंगे। स्टेटस रिपोर्ट और हलफनामा 3 हफ्ते में दायर किया जाए।

राज्य सरकारें और UT 2 हफ्ते में ऐसे सरकारी और निजी स्कूल-कॉलेज, अस्पतालों की पहचान करेंगी, जहां आवारा जानवर और कुत्ते घूमते हैं। उनकी एंट्री रोकने के लिए बाड़ लगाई जाएगी।

कैंपस और बाड़ के रखरखाव के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त होगा। नगर निगम, नगर पालिका और पंचायत 3 महीने में कम से कम एक बार इन कैंपस की जांच करें।

पकड़े गए आवारा कुत्तों को उसी जगह वापस नहीं छोड़ा जाएगा, जहां से उन्हें उठाया गया था।

याचिका लगाने वालों ने कहा- आदेश बेहद कठोर

SC के आदेश पर मेनका गांधी का सवाल: 8 लाख आवारा कुत्ते कहाँ रखेंगे, आश्रयस्थल कहाँ हैं?

सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों और बस स्टॉप सहित सभी सार्वजनिक संस्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने के आदेश के बाद, पशु अधिकार कार्यकर्ता और भाजपा नेता मेनका गांधी ने शुक्रवार को गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि आवारा कुत्तों को रखने के लिए पर्याप्त पशु आश्रय स्थल नहीं हैं। एएनआई से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि यह न्यायमूर्ति पारदीवाला के फैसले जितना ही बुरा है, या उससे भी बदतर है। इसे अमल में नहीं लाया जा सकता... अगर 5000 कुत्तों को हटा दिया जाता है, तो आप उन्हें कहाँ रखेंगे? आपको 50 आश्रय स्थलों की आवश्यकता है... लेकिन आपके पास वह भी नहीं है। मेनका गांधी ने आगे कहा कि आपको उन्हें उठाने के लिए लोगों की आवश्यकता है। 5000 कुत्तों को हटाने से क्या फर्क पड़ेगा? अगर यहाँ 8 लाख कुत्ते हैं, तो 5000 कुत्तों को हटाने से क्या बदलाव आएगा?... सवाल यह है कि अगर यह संभव होता, तो यह किया जाता। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट की वकील और याचिकाकर्ता ननिता शर्मा ने कहा कि आज का आदेश 11 अगस्त के पिछले आदेश जैसा ही है। सरकारी संस्थानों, शैक्षणिक संस्थानों, रेलवे स्टेशनों और बस स्टॉप से ??कुत्तों को हटाकर उनका पुनर्वास किया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा कि वे इन संस्थानों में वापस न आएँ। मुझे अभी भी उम्मीद है, और मैं ईश्वरीय न्याय में विश्वास करती हूँ। ऐसे बेजुबान जानवरों के साथ ऐसा अन्याय नहीं होना चाहिए...।"

सांसद कल्याण बनर्जी के साथ बड़ा साइबर फ्रॉड

KYC अपडेट के बहाने 56 लाख की ठगी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के सेरामपुर लोकसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के नेता और सांसद कल्याण बनर्जी के बैंक खाते में सेंधमारी करके 56 लाख रुपये उड़ा दिए गए। सूत्रों ने बताया कि यह रकम कोलकाता स्थित उच्च न्यायालय शाखा स्थित उनके भारतीय स्टेट बैंक खाते से निकाली गई। यह घटना तब सामने आई जब बैंक ने कोलकाता पुलिस के साइबर अपराध प्रकोष्ठ में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। शिकायत के अनुसार, जालसाज ने बनर्जी के खाते की केवाईसी जानकारी अपडेट करने के लिए जाली पैन और आधार कार्ड का इस्तेमाल किया, जिसमें असली दिखने वाले दस्तावेजों पर एक अलग तस्वीर लगाई गई थी। लजालसाज ने 28 अक्टूबर, 2025 को खाते से जुड़ा पंजीकृत मोबाइल नंबर भी बदल दिया, जिससे उसे पूरी पहुँच मिल गई। जानकारी बदलने के बाद, जालसाज ने कथित तौर पर कई अनधिकृत इंटरनेट बैंकिंग लेनदेन किए और 56,39,767 रुपये निकाल लिए। कथित तौर पर धनराशि को कई लाभार्थियों के खातों में स्थानांतरित किया गया, आभूषणों की खरीदारी पर खर्च किया गया और एटीएम के माध्यम से भी निकाला गया। विवरण के अनुसार, संबंधित खाता वर्षों से निष्क्रिय पड़ा था, क्योंकि यह तब खोला गया था जब बनर्जी 2001 से 2006 के बीच आसनसोल (दक्षिण) से तृणमूल कांग्रेस के विधायक थे, और उस दौरान पश्चिम बंगाल के विधायक के रूप में उनका वेतन भी इसमें जमा होता था।

बिहार में रिकॉर्ड मतदान! नित्यानंद राय बोले -

मोदी-नीतीश के विकास पर जनता की मुहर

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने शुक्रवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 64.66 प्रतिशत मतदान एनडीए के समर्थन का संकेत है। राय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जनता के विश्वास की सराहना करते हुए इसे विकास का समर्थन और कांग्रेस व राजद की अस्वीकृति बताया। हाजीपुर में एएनआई से बात करते हुए, नित्यानंद राय ने कहा कि एनडीए प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगा। बंपर वोटिंग बिहार की जनता के प्रधानमंत्री मोदी के प्रति स्नेह, प्रेम और विश्वास का प्रतीक है। यह प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत' और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 'विकसित बिहार' के संकल्प पर मुहर है। बंपर वोटिंग एनडीए की जीत का संकेत है। यह गुंडा राज, जंगल राज और भ्रष्टाचार के संरक्षक - कांग्रेस और राजद के लोगों के मुँह पर करारा तमाचा है। लोगों ने विकसित भारत और विकसित बिहार के लिए वोट दिया है। बिहार में विधानसभा चुनाव का पहला चरण गुरुवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, जिसमें रिकॉर्ड 64.66 प्रतिशत मतदान हुआ, जो राज्य के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक मतदान है। 18 जिलों की 121 सीटों पर मतदान हुआ और पहले चरण के मतदान में कुल 3.75 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र थे। विधानसभा चुनाव का दूसरा चरण 11 नवंबर को होगा और मतों की गिनती 14 नवंबर को होगी। पहले चरण में राजद के तेजस्वी प्रसाद यादव, भाजपा नेता सम्राट चौधरी और मंगल पांडे और जदयू के श्रवण कुमार और विजय कुमार चौधरी सहित कई वरिष्ठ नेताओं के भाग्य का फैसला हुआ।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान के बीच फिर गोलाबारी

काबुल, इस्लामाबाद। अफगानिस्तान के कंधार प्रांत के एक सीमावर्ती जिले में पाकिस्तानी सेना ने भारी हथियारों का भी जमकर इस्तेमाल किया है। अफगानिस्तान के स्थानीय मीडिया के अनुसार स्पिन बोल्डक जिला के एक व्यावसायिक बाजार पर मोर्टार के गोले दागे गए, जिससे निवासियों और व्यापारियों को इलाके से भागने पर मजबूर होना पड़ा। उधर, पाकिस्तान ने कहा है कि अफगान तालिबान के नियंत्रण वाले इलाके से कुछ तत्वों द्वारा पाकिस्तानी चौकियों पर बिना उकसावे के गोलीबारी शुरू करने के बाद पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर गोलीबारी हुई।

अमित शाह का आरजेडी पर वार

लालू के बेटे जीतें तो खुलेगा 'अपहरण विभाग', बिहार में होगा जंगल राज!

पटना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत पर विश्वास जताया और लोगों को आगाह किया कि अगर लोग 11 नवंबर को होने वाले बिहार चुनाव के दूसरे चरण में कमल (भाजपा पार्टी का चुनाव चिन्ह) या तीर (जदयू पार्टी का चुनाव चिन्ह) दबाने से भटके तो कुख्यात जंगल राज की वापसी हो सकती है। बिहार के जमुई में शाह ने लोगों से कहा कि अगर आप जरा सी भी चूक करते हैं और कमल या तीर के निशान से थोड़ा भी भटकते हैं, तो जंगल राज एक बार फिर लौट आएगा। क्या जमुई जंगल राज चाहता है? केंद्रीय मंत्री शाह ने जमुई ज़िले में एक जनसभा को संबोधित किया, जहाँ 11 नवंबर को दूसरे चरण के मतदान होने हैं। जमुई ज़िले में चार विधानसभा क्षेत्र हैं और शाह ने लोगों से "चारों सीटें एनडीए के खाते में डालने" का आग्रह किया। बिहार में एनडीए के नेतृत्व वाली सरकार की पहल की सराहना करते हुए, शाह ने "भारत को नक्सल मुक्त" बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे जमुई सहित विभिन्न ज़िलों में शांतिपूर्वक मतदान हो सकता है, जो पहले एक नक्सल-प्रधान क्षेत्र था। अमित शाह ने कहा, "इस नक्सली इलाके में लगभग 150 नक्सलियों ने धनबाद पटना एक्सप्रेस का अपहरण कर लिया था, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई थी। यह इलाका पूरी तरह से नक्सलियों के कब्जे में था, लेकिन इस इलाके को नक्सल मुक्त बनाना प्रधानमंत्री मोदी का काम है। पहले लोग दोपहर 3 बजे तक ही वोट कर सकते थे, लेकिन अब हम लोग शाम 5 बजे तक वोट कर सकते हैं।" लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि अगर महागठबंधन सत्ता में आया तो वह एक नया विभाग अपहरण खोलेगा।

पाकिस्तान का दोहरा चेहरा फिर हुआ बेनकाब, आतंकी हाफिज शहीद के संगठन के दरवाजे पर पहुंचा शहबाज शरीफ का मंत्री

पेशावर। पाकिस्तान की सत्ता एक बार फिर अपने पुराने चरित्र पर लौट आई है। जहां एक ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के खिलाफ सहयोग का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर उसके मंत्री आतंकी संगठनों के राजनीतिक मुखौटों से मेल-मिलाप करते दिखाई दे रहे हैं। यह दोहरा आचरण न केवल दक्षिण एशिया की स्थिरता के लिए चुनौती है बल्कि यह भी प्रमाणित करता है कि पाकिस्तान की तथाकथित लोकतांत्रिक व्यवस्था आतंकवाद के साये से मुक्त नहीं हो सकी है। फैसलाबाद से आई हालिया रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान के गृह राज्य मंत्री और प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के करीबी सहयोगी तलाल चौधरी ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जमात-उद-दावा के राजनीतिक विंग पाकिस्तान मार्कजी मुस्लिम लीग के नेताओं से भेंट की। यह वही जमात है जिसका सरगना हाफि ज सईद 26/11 के मुंबई हमलों का मास्टरमाइंड रहा है। सूत्रों के अनुसार, तलाल चौधरी ने फैसलाबाद स्थित PMML कार्यालय में पार्टी नेताओं के साथ राजनीतिक स्थिरता और लोकतांत्रिक निरंतरता जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की। PMML की ओर से जारी बयान में कहा गया कि सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होकर सामंजस्य और सहयोग की दिशा में काम करना चाहिए। सतही तौर पर यह लोकतंत्र की भाषा लग सकती है, किंतु वस्तुतः यह उस संगठन को राजनीतिक वैधता देने का प्रयास है, जिसकी जड़ें आतंकवाद में गहराई तक धंसी हुई हैं।

देखा जाये तो पाकिस्तान की राजनीति में आतंकवादी संगठनों का प्रवेश कोई नया प्रसंग नहीं है। परवेज मुशर्रफ के दौर से लेकर इमरान खान तक, चरमपंथी समूहों का इस्तेमाल सियासी लाभ के लिए किया गया। लेकिन अब जब शाहबाज शरीफ की सरकार के मंत्री खुद ऐसे संगठनों के दरवाजे पर जाकर लोकतांत्रिक सहयोग की बात करते हैं, तो यह दिखाता है कि इस्लामाबाद में सत्ता का चरित्र कितना खोखला है।

यह वही पाकिस्तान है जो फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की ग्रे लिस्ट से निकलने के लिए दुनिया के सामने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का नाटक करता रहा। लेकिन जैसे ही अंतरराष्ट्रीय दबाव थोड़ा कम हुआ, आतंकी नेटवर्कों के साथ राजनीतिक समीकरण फिर खुलकर सामने आने लगे। दूसरी ओर, भारत के लिए यह घटना एक बार फिर इस बात की पुष्टि करती है कि पाकिस्तान की सरकार और आतंकी संगठन एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जिस तरह ढटटछ की गतिविधियाँ सरकार के

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें 7415685293 9589490996 9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

15 दिनों से भय के माहौल में ग्रामीण, वन विभाग कर रहा सर्चिंग

तेंदुए की मूवमेंट से आधा दर्जन गांव दहशत में

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। वन मंडल जबलपुर के अंतर्गत आने वाले जनपद मझौली के ग्राम डुंगरिया सहित अन्य आधा दर्जन गांवों में तेंदुए की मूवमेंट से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। एक ही समय पर तेंदुए की मूवमेंट अलग-अलग स्थानों पर देखी जा रही है, जिसके चलते यह अनुमान लगाया जा रहा है कि, तेंदुओं की संख्या एक से ज्यादा हो सकती है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि, वन क्षेत्र से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में तेंदुए की मूवमेंट बनी हुई है। जिसको ध्यान में रखते हुए गश्ती दल को एक्टिव किया गया है। वहीं गांवों में पिंजरे भी रखवाए गए हैं, इसके साथ ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी करके लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि विगत 15 दिनों तेंदुए की मुवमेंट मझौली वन परिक्षेत्र के ग्राम रोसरा, जोली, खंदिया, डुंगरिया सहित गौरहा, मौसाम में देखी जा रही है। आज सुबह तो देवरी के ग्रामीणों ने तेंदुए को अपने मोबाइलों में भी कैद किया।

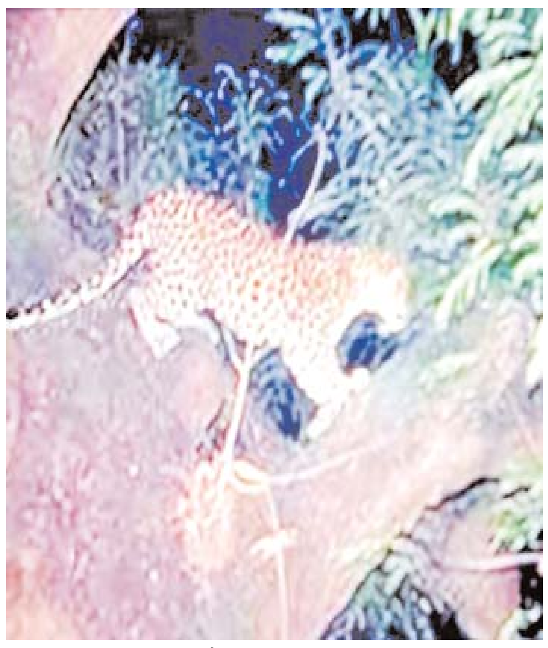

मवेशी बने आसान शिकार

तेंदुए के लिए सबसे आसान शिकार आवारा मवेशी बन रहे हैं। दरअसल, ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों मवेशियों को खुला छोड़े जाने का चलन है। जिसके चलते वन्य प्राणी शिकार की तलाश में गांवों की तरफ आ जाते हैं। ग्राम डुंगरिया निवासी चेतराम काछी की लाल रंग की गाय का शिकार तीन दिन पहले तेंदुआ ने किया था। दो दिन पहले ही एक छोटी बछिया का शिकार कर जंगल की ओर भाग गया। वहीं अभी खेतों में धान की फसल लगीं हुई हैं और उसकी कटाई का समय नजदीक है। लेकिन तेंदुए की दहशत के चलते किसान खेतों में आने -जाने से डर रहे हैं।

प्रशासन से लगाई गुहार

इस भय वातावरण को दूर करने के लिए ग्राम वासियों ने जिला प्रशासन से गुहार लगाई है। ग्रामीणों का आरोप है कि, तेंदुआ सबको नजर आ रहा है, लेकिन वन विभाग की टीम को उसकी लोकेशन नहीं मिलती है। गांव के कुछ लोगों ने सीधे वन विभाग को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई बड़ी दुर्घटना हुई तो जिला प्रशासन और वन विभाग पूरी तरह जिम्मेदार होगा।

मझौली के गांवों में तेंदुए की मूवमेंट देखी गई है, चूंकि उक्त गांव जंगल से लगे हुए हैं, लिहाजा लोगों को सतर्क किया जा रहा है। वहीं गश्ती दलों को लगाया गया है। गांवों में पिंजरे भी रखे जा रहे हैं।

.. ऋषि मिश्रा, वन मंडल अधिकारी जबलपुर

जमीन के टुकड़े पर बिखरता गांव ..... झिंगरई में सरपंच पति की राजनीति, लाठी-डंडों और डर का खेल

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर जिले का एक छोटा-सा गांव ..... झिंगरई। यहां जमीन का टुकड़ा सिर्फ मिट्टी नहीं होता, इज्जत होती है, दबदबा होता है, और सत्ता का प्रतीक भी। बुधवार की शाम यही जमीन अचानक खून और अफरातफरी में बदल गई। खितौला थाना क्षेत्र के इस गांव में दो परिवारों के बीच पुराना जमीन विवाद उस वक्त हिंसा में बदल गया जब सरपंच पति जितेंद्र पटेल अपने 20-30 साथियों के साथ गांव में घुस आया। हथियार थे, गुस्सा था, और एक विश्वास ..... कि सत्ता में हैं तो कुछ भी कर सकते हैं। गांव के लोग कहते हैं ..... हमने देखा, लाठी-डंडे चले, घरों के शीशे टूटे, और औरतों तक को नहीं बख्शा गया। एक महिला बुरी तरह घायल हुई, उसकी हालत अब भी नाजुक है। घर से करीब पचास हजार रुपए की नकदी लूटे जाने का आरोप है। सोशल मीडिया पर वीडियो आया ..... जिसमें लोग भागते दिखे, चीखें सुनाई दीं, और फिर वही पुलिस आई, जो हमेशा बाद में आती है। अब पुलिस ने दोनों पक्षों पर बलवा का मामला दर्ज कर लिया है, और बयान वही पुराना ..... जांच जारी है। गांव में लोग कहते हैं, झगड़ा सिर्फ जमीन का नहीं है। यह झगड़ा उस सत्ता के दखल का है जो सर्पंच की कुर्सी के पीछे बैठे पति की राजनीति से उपजा है। सरपंच प्रगति पटेल के निर्वाचित होने के बाद से गांव में असली फैसले कौन लेता था ..... यह सबको पता है, पर कोई कह नहीं पाता। गांव अब दहशत में है। लोग अपने दरवाजे जल्दी बंद कर लेते हैं। कहते हैं, सरपंच पति के लोग कुछ भी कर सकते हैं। और इस बीच, कैमरे में कैद हो चुके वीडियो पर सन्नाटा है। पुलिस की फाइलें मोटी हो रही हैं, लेकिन गांव का डर और भी गहराता जा रहा है। यह कहानी सिर्फ झिंगरई की नहीं ..... यह उस छोटी राजनीति की बड़ी तस्वीर है जिसमें गांव की गलियों से लेकर पंचायत तक, हर जगह सत्ता के नाम पर हिंसा का लाइसेंस बांटा जा रहा है। जहां सवाल पूछना मुश्किल है, और सत्ता के आदमी से टकराना जानलेवा। वो गांव आज भी वहीं है ..... बस डर थोड़ा और बढ़ गया है। यही है जबलपुर की कानून-व्यवस्था का हाल ..... गांव जलता रहा, लोग लहूलुहान होते रहे, और पुलिस वही पुराना बयान देती रही ..... दोनों पक्षों पर मामला दर्ज कर लिया गया है, जांच जारी है। एक ओर सरपंच पति अपने साथियों के साथ हथियार लेकर गांव में घुसता है, तोड़फोड़ करता है, महिलाओं तक पर हमला होता है ..... और दूसरी ओर प्रशासन की चुप्पी सब कुछ बयान कर देती है। यह वही जबलपुर है, जहाँ कानून का राज किताबों में लिखा है, लेकिन जमीन पर डर और दबंगई का राज चलता है। जब सत्ता के करीब वाले अपराध करें, तो कानून फाइलों में सो जाता है। जब आम आदमी सवाल करे, तो वही कानून डंडा बनकर सिर पर बरसता है। झिंगरई का यह मामला सिर्फ एक गांव का झगड़ा नहीं, यह जबलपुर की गिरती कानून-व्यवस्था का आईना है ..... जहाँ न्याय देर से नहीं, डर के साथ आता है।

मुहम्मद अनवार बाबू

हड्डी गोदाम बना वाहन चोरों का अड्डा.....पुलिस की गश्त गायब, जनता बेखौफ नहीं बल्कि बेहाल

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। हड्डी गोदाम का इलाका ..... जहां लोग दिन भर मेहनत करते हैं, शाम को अपनी रोजी-रोटी के साधन को घर के बाहर खड़ा कर चैन की नींद सोते हैं। लेकिन जब सुबह होती है तो न चैन बचता है, न साधन। ई-रिक्शा, छोटा हाथी, गाड़ियों की बैटरी और टायर ..... सब गायब। और जो बच जाता है, वो है पुलिस की खामोशी। मोहम्मद हारून, हड्डी गोदाम के रहने वाले। एक आम मेहनतकश इंसान। रात को उन्होंने अपनी ई-रिक्शा MP20ZE3282 घर के बाहर खड़ी की ..... सुबह देखा तो बैटरी और टायर दोनों चोरी। शिकायत दर्ज हुई हनुमानताल थाने में। मगर शिकायत अब बस एक कागज का टुकड़ा बनकर रह गई है। इलाके के लोग कहते हैं ..... यह कोई पहली घटना नहीं है।

हफ्तों से यही चल रहा है। और पुलिस? पुलिस का जवाब वही पुराना ..... जांच जारी है। रात की गश्त जैसे इस इलाके से रिटायर हो चुकी हो। चोर घूम रहे हैं, पुलिस सो रही है। लोग कह रहे हैं ..... कभी पुलिस को देख लो रात में तो लगता है जैसे त्योहार आ गया हो। हारून कहते हैं ..... हम रिक्शा चलाकर पेट पालते हैं। जो चोरी हो गया, वो सिर्फ बैटरी नहीं, हमारी रोजी है। अब सवाल सिर्फ एक है ..... जब शहर के बीचोंबीच, पुलिस स्टेशन से कुछ किलोमीटर की दूरी पर, चोरी का सिलसिला महीनों तक चलता रहे, तो क्या हम इसे कानून व्यवस्था कहें या उसकी नाकामी? पुलिस कहती है ..... टीम गठित कर दी गई है। लोग कहते हैं ..... टीम गठित मत करो, निगरानी बढ़ाओ। हड्डी गोदाम के लोग डरे हुए हैं, नाराज हैं, और अब सवाल पूछ रहे हैं ..... क्या पुलिस का गश्त केवल वीआईपी इलाकों तक सीमित है? क्या आम नागरिक की सुरक्षा अब उसकी अपनी जिम्मेदारी बन गई है? अगर प्रशासन ने अब भी नींद नहीं खोली, तो हड्डी गोदाम इलाका वाहन चोरों का गोदाम बन जाएगा ..... और तब पुलिस सिर्फ प्रेस नोट लिखेगी, जनता खुद खबर बनेगी। यह जबलपुर है। जहां चोरी बढ़ रही है, और पुलिस बयान दे रही है ..... जांच जारी है

अतुल कुमार बन्देवार

अमीर पहलवानः राजनीति के अखाड़े में ईमानदारी की कुश्ती

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कभी-कभी सियासत की भीड़ से कोई ऐसा नाम निकलता है जो बताता है कि नेता होने के लिए डिग्री नहीं, दर्द चाहिए ..... जनता का। ऐसा ही एक नाम है ..... अमीर पहलवान। नाम में पहलवान, काम में जनसेवक, और बातों में सादगी की मिसाल। राजनीति की शुरूआतः जब नारा बना मैं खुद करूंगा 1997 में जन्मे इस नौजवान की उम्र भले अभी तीस के पार भी नहीं पहुंची, लेकिन राजनीति में उसकी दास्तान 16 साल पहले शुरू हो चुकी थी। जब मोहल्ले की गलियों में उसने देखा कि लोगों की आवाज कोई नहीं सुनता ..... तो उसने कहा, अब खुद ही बोलूंगा। कांग्रेस का झंडा उठाया, साथियों की टोली बनाई, आंदोलन किए, नगर निगम से लेकर कलेक्टर ऑफिस तक घेराव किया।

कुश्ती नहीं, मेहनत की लड़ाई

किशोर उम्र में जिसने लंगोट बाँधी थी, उसने आगे चलकर राजनीति के अखाड़े में भी मैदान पकड़ा। अमीर कहते हैं ..... कुर्सी से पहले करनी चाहिए मेहनत की कुश्ती। मैंने वही की। विनय सक्सेना और विधायक लखन घनघोरिया जैसे नेताओं के साथ काम करते हुए उन्होंने विधानसभा क्षेत्रों में जनसंपर्क का ऐसा नेटवर्क बनाया जो आज भी उन्हें जनता के बीच पहचान दिलाता है। हम सबके करीब हैं ..... जवाब जो नेता कम, कार्यकर्ता ज्यादा दिखा गया जब पूछा गया कि वे खुद को किस नेता के ज्यादा करीब मानते हैं ..... विनय सक्सेना या लखन घनघोरिया?

अमीर का जवाब बिना बनावट का था ...

हम सबके करीब हैं, क्योंकि हम कांग्रेस के आदमी हैं। सभी विधायक हमारे नेता हैं। सब हमें कंधे से कंधा मिलाकर सपोर्ट करते हैं। आठवीं तक पढ़े, पर ईमानदारी में पास शिक्षा पर सवाल आया तो बिना झिझके बोले ..... बस आठवीं तक पढ़ा हूँढ्ढ लेकिन अल्लाह का एहसान है, हम राजनीति ईमानदारी से करते हैं। यही वो लम्हा था जहाँ डिग्री नहीं, ईमानदारी की ताकत बोल उठी।

राजनीतिक गुरु और प्रेरणा

अमीर पहलवान अपने राजनीतिक गुरु सुरेश यादव को मानते हैं ..... वही जिन्होंने उन्हें राजनीति में खड़ा किया। लेकिन प्रेरणा उन्हें लखन घनघोरिया, विनय सक्सेना, और सुरेश यादव ..... तीनों से मिलती है।

संघर्ष का सफर

अमीर पहले जिला सचिव रहे, फिर युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव पद के लिए चुनाव लड़ा ..... और पहले नंबर पर रहे। उनके सामने अदनान अंसारी और यावर चौधरी जैसे दावेदार थे, लेकिन जनसमर्थन ने अमीर को आगे खड़ा कर दिया।

राजनीति के साथ पहलवानी की पहचान

वे केवल राजनीतिक पहलवान नहीं हैं ..... वो असली अखाड़े के भी खिलाड़ी हैं। बहादुर उस्ताद अखाड़ा से ताल्लुक रखने वाले अमीर बताते हैं ..... हमारे पहले खलीफा रहमतुल्लाह थे, अब कदीर खलीफा हैं। हमने महाराष्ट्र, यूपी, भिलाई तक कुश्तियाँ लड़ीं। एक बार उनकी कुश्ती एक आर्मी वाले से हुई थी ..... और बराबरी की टक्कर ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया था। हारा नहीं था, बस सम्मान बरकरार रखा था, ... वे मुस्कराकर जोड़ते हैं।

आगे की राह

आज जब राजनीति सेल्फी और स्लोगन तक सीमित होती जा रही है, अमीर पहलवान जैसे युवा कहते हैं ..... हमारा मकसद बस इतना है कि जो परेशान है, उसकी मदद करें। यही असली राजनीति है। अमीर पहलवान ..... एक ऐसा नाम जो राजनीति की भीड़ में भी भीड़ का हिस्सा नहीं, बल्कि जनता की आवाज बनने की कोशिश कर रहा है। वर्तमान में वे प्रदेश सचिव, युवा कांग्रेस हैं ..... और मध्य प्रदेश में अपने टॉप प्रदर्शन से युवाओं के बीच नई पहचान बना चुके हैं।

जब सियासत मैदान बन जाए, तो असली पहलवान वही होता है जो जनता की तरफ से लड़ता है ..... नारे के लिए नहीं, न्याय के लिए।

रिपोर्ट आरती लोधी

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स, वार्ड वॉय, आया बाई, फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटैल
CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556, 9753518166
पता - केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर (म.प्र.)

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी
प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)
म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

डॉ. जाकिर हुसैन ब्लॉक में नई शुरूआत .... जब भाई मोहसिन बने युवाओं की आवाज

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर की सियासी गलियों में इस बार जश्न का शोर कुछ अलग था .... न ड्रम बज रहे थे, न नारों की गूंज थी, लेकिन हवा में एक संदेश साफ थाः कांग्रेस के युवा जाग चुके हैं। डॉ. जाकिर हुसैन युवा कांग्रेस ब्लॉक के अध्यक्ष पद पर भाई मोहसिन की जीत ने संगठन के भीतर एक नई लहर पैदा कर दी है .... वो लहर जो बताती है कि राजनीति अब उम्र नहीं, ईमानदारी और लगन मांगती है। भाई मोहसिन की जीतः जमीनी कार्यकताओं की आवाज यह जीत सिर्फ एक पद की नहीं, बल्कि उस विचार की जीत है जो कांग्रेस के हर कार्यकर्ता के दिल में धड़कती है। पार्षद मोहम्मद कलीम (संजय गांधी वार्ड) ने बधाई देते हुए कहा .... यह जीत केवल मोहसिन भाई की नहीं, बल्कि हर उस युवा कार्यकर्ता की है जो कांग्रेस की विचारधारा को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में लगा है। उनका यह बयान महज एक औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं थी, बल्कि उस पीढ़ी की आवाज थी जो राजनीति को फिर से सेवा बनाना चाहती है।

समर्पण और सादगी का संगम

मोहसिन भाई की पहचान नारेबाजी से नहीं, निष्ठा से बनी है। वो उन कार्यकताओं में से हैं जो कैमरे से पहले जनता को प्राथमिकता देते हैं।

कलीम खान कहते हैं ....

मोहसिन भाई ने हमेशा संगठन, ईमानदारी और कार्यकताओं से जुड़ाव को प्राथमिकता दी। यही वजह है कि जनता और युवा, दोनों उनके साथ खड़े हैं।

मिठाई और संदेश, दोनों बंटे

जीत के बाद मोहसिन समर्थकों ने मिठाइयाँ बाँटकर खुशी का इजहार किया। लेकिन असली मिठास उस भावना में थी जो कार्यकताओं के चेहरों पर झलक रही थी .... एकता, मेहनत और भरोसे की मिठास। कांग्रेस कार्यकताओं का कहना है कि यह सिर्फ चुनावी जीत नहीं, बल्कि संगठन की आत्मा की जीत है .... एक ऐसी जीत जो यह बताती है कि जब नीयत साफ हो और मकसद जनता की सेवा का हो, तो सत्ता नहीं, सम्मान अपने आप साथ आता है।

रिपोर्ट मोहम्मद अकरम अंसारी

Mob.: 9770559042 Reg No. 48783
THE BEST ORTHO PHYSIOTHERAPY AND WELLNESS CENTRE
Dr. Riya Sonkar (PT) B.P.T., M.P.T. (Ortho) DNHE
Physiotherapist at GOVT RANIDURGAWATI (ELGIN) HOSPITAL JABALPUR
* Cupping & Manual Therapy
* Certified IASTM Therapist
* Certified Dry Needling Therapist
YOGA FITNESS CLASS ZUMBA
HOME VISIT AVAILABLE
64, Saket Nagar, Badi ukhri, Jabalpur (M.P.)
विशेष उपचार :-
Paralysis (लकवा)
Neck Pain (गर्दन दर्द)
Sciatica (सायटिका)
Frozen Shoulder (कंधे का दर्द)
Joint Pain (जोंड़ो का दर्द)
Osteoarthritis (बात)
Disc Prolapse/Slip disc (रीढ़ की हड्डी का खिसक जाना)
Facial Palsy etc (चेहरे का लकवा)
WEIGHT LOSS DIET
आधुनिक मशीनों एवं कसरत व व्यायम द्वारा उपचार किए जाते है

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

24 घंटे के भीतर डबल मर्डर का हुआ खुलासा

भतीजे और नाती ने मिलकर की हत्या

दैनिक रेवांचल टाइम्स कटंगी। बालाघाट जिले के कटंगी शहर के अर्जुननाला में नट्टी टोला रोड़ में बुधवार-गुरूवार की दरमियानी रात्रि में हुए डबल मर्डर का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। हांके दंपत्ति की गला रेतकर निर्मम हत्या को किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं बल्कि घर-परिवार से जुड़े दो सदस्यों ने मिलकर की। शुक्रवार की शाम साड़े 04 बजे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय, एसडीओपी विवेक शर्मा, सीएसपी वैशाली कराहलिया ने कटंगी थाने में प्रेसवार्ता कर पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया।

पुलिस ने बताया कि रमेश हांके और उनकी धर्मपत्नी पुस्पकला हांके का मर्डर भतीजे दुलीचंद हांके और नाती सचिन हांके दोनों निवासी सुकली थाना तिरोड़ी ने मिलकर किया। पुलिस ने आरोपियों के पास चुराए गए सोने-चांदी के जेवरात जब्त किए है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 103 (1), 332 (बी) की कार्रवाई कर न्यायालय के समक्ष पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया है।

कर्ज चुकाने की हत्या..

पुलिस ने बताया कि दोनों ही आरोपियों पर करीब 04 लाख रुपए का कर्ज था और कर्ज की राशि चुकाने के लिए हत्या और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार आरोपियों को पूर्व से ही पता था कि मृतक के पास काफी मात्रा में नकदी रकम और सोने-चांदी के जेवरात है। आरोपी यह भी जानते थे कि रमेश हांके शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद ब्याज में पैसे देने का व्यापार करते है। इसके अलावा सुकली में पोल्ट्री फार्म भी है। जिसकी देखरेख आरोपी सचिन हांके के द्वारा ही की जाती थी। पुलिस ने यह भी बताया कि सचिन हांके मृतक के घर में करीब 04 वर्षों तक रहकर पड़ाई कर चुका था इसलिए घर परिवार की वास्तविकता से वह पूरी तरह से अवगत था। आरोपी इस बात से भी वाकिफ थे कि घर में केवल हांके दंपत्ति ही निवास करते है उनके दोनों बेटे नागपुर में जॉब करते है।

ऐसे में दोनों आरोपियों ने चोरी और हत्या की प्लानिंग की फिर बेहद आसानी से घर में प्रवेश किया और हत्या करने के बाद आलमारी से सोने-चांदी के जेवर 15 हजार रुपए नकदी सहित 10 लाख रुपए का मशरूका चोरी कर फरार हो गए। पुलिस ने तकनीकि साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को जल्द ही पकड़ लिया। पुलिस ने इस पूरी वारदात के बाद करीब 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले, एफएसएल और डॉग स्क्वायड की मदद ली। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदेह होने पर आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उन्होंने जुर्म करना कबूल कर लिया है।

गाड़ी पंचर होने का बनाया बहाना..

पुलिस ने बताया कि आरोपी सचिन ने 05 नवंबर की रात्रि साड़े 11 बजे रमेश हांके को फोन लगाया और गाड़ी पंचर होने की बात कहीं। रमेश जब घर से बाहर निकले तब दोनों ही आरोपी सुनियोजित तरीके से घर में घुसे जहां उन्होंने सबसे पहले पुष्पकला हांके का चाकू से गला काट दिया और इसके बाद जब रमेश घर लौटे तो उनकी भी गला काटकर हत्या कर दी। दरअसल, पुलिस जांच में यह सामने आया था कि आरोपियों ने घर में प्रवेश करने के लिए किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ नहीं थी। यहीं से पुलिस को संदेह हुआ कि वारदात को किसी करीबी ने ही अंजाम दिया है और पुलिस इसी आधार पर जांच कर रही थी। 24 घंटों के भीतर पुलिस को इसमें सफलता भी मिल गई।

इनका रहा योगदान..

इस हत्याकांड का खुलासा करने के लिए 12 टीमें बनाई गई थी जिसमें एफएसएल अधिकारी गौतमा मेश्राम, थाना प्रभारी कटंगी धमेन्द्र कुशराम, उपनिरीक्षक कमलेश यादव, छत्रपाल सिंह, दीपक गौतम, तरुण चौहान, पवन यादव, सहायक उप निरीक्षक सतीश गेडाम, दादूराम पटले, प्रधान आरक्षक प्रशांत चौधरी, आरक्षक आलोक बिसेन, नीरज सनोड़िढ्या, विमलेश सिसोदिया, सुमित यादव, हेमंत बघेल, लक्ष्मी प्रसाद बघेल, विकास तोमर, गौतम बघेल, थानसिंह पटले का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नक्सल मोर्चे में जवानो को दोहरी चुनौती

मधुमक्खी के बाद मच्छर के काटने से जवान हुए बीमार, आधा दर्जन जवानों का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जिले में नक्सली क्षेत्र में तैनात आधा दर्जन से ज्यादा जवानों को मलेरिया होने से जिला अस्पताल के वार्ड में भर्ती कराया गया है। जिसमें सीआरपीएफ और हॉकफोर्स के जवान शामिल है। डॉक्टर डॉ. जैन बताते है कि अभी जवानो की हालत में सुधार है। जिले में नक्सल मोर्चे पर जवानों को दोहरी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जंगल में जहां नक्सलियों से निपटने की चुनौती है, तो वहीं कभी मधुमक्खी तो कभी मच्छर काटने से जवान बीमार पड़ रहे है। दरअसल, जिले के दक्षिण बैहर क्षेत्र में पुलिस चौकी के साथ ही हॉक फोर्स, सीआरपीएफ और कोबरा जवानों का कैंप है। यह क्षेत्र घने जंगलों के साथ पहाड़ों से घिरा है। यहां तैनात जवान, नक्सलियों के मौजूदगी की सूचना पर सर्चिंग के लिए जाना होता है, जहां उन्हें, लंबी दूरी के साथ ही, भुख और प्यास से भी सफर करना पड़ता है। ऐसे में जंगल में वे, मच्छरों के हमले का शिकार हो रहे है।

गत दिवस सर्चिंग में गए जवानों को मधुमक्खी के काटने के बाद जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया था। वहीं आज शुक्रवार को आधा दर्जन से ज्यादा जवानों को मलेरिया होने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉ. निलय जैन बताते है कि दक्षिण बैहर क्षेत्र के कई ग्रामों में भी मलेरिया का प्रकोप है। जिससे ग्रामीण बीमार है और उपचार ले रहे हैं। जिसकी चपेट में जवान भी है। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों के जवानों की स्थिति अभी ठीक है और वह स्वास्थ लाभ ले रहे हैं। जवानों का इस तरह से बीमारी की चपेट में आने से बीमार होना, कही ना कहीं जवानो के नक्सल मोर्चा पर सर्चिंग अभियान को भी प्रभावित कर रहा है।

अस्पताल में मलेरिया बीमारी से बीमार जवान शिवशंकर यादव, अनेश उईके, गजानंद गोवारे, उमरकर धनंजय, शुभम, रवि कुमार सचिन सिरसाठे और अन्य जवानों का उपचार चल रहा है।

पीएमएफएमई के तहत जिला रिसोर्स पर्सन के लिए आवेदन आमंत्रित, आवेदन करने की अंतिम तारीख 20 नवंबर 2025

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। मध्य प्रदेश शासन के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्याम योजना (पीएमएफएमई) के तहत जिला परामर्शदाता (रिसोर्स पर्सन) के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 नवंबर 2025 है। सहायक संचालक उद्यान छितिज करहाडे ने बताया कि जिला परामर्शदाता (रिसोर्स पर्सन) के लिए आवेदक के पास ख्याति प्राप्त राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय या संस्थान से खाद्य प्रौद्योगिकी या खाद्य इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या डिग्री होना चाहिए। इसके साथ ही खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों में प्रौद्योगिकी उन्नयन, नए उत्पादों के विकास, गुणवत्ता आश्वासन और खाद्य सुरक्षा प्रबंधन के संबंध में परामर्श सेवाएं प्रदान करने का 3 से 5 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। यदि आवेदक खाद्य प्रौद्योगिकी में योग्य नहीं है लेकिन खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों में अनुभव और डीपीआर बनाने का अनुभव है तो भी आवेदन कर सकते हैं।

रिसोर्स पर्सन कों कार्य के रूप में एकल उद्योगों और समूहों को डीपीआर तैयार करने, बैंक से ऋण लेने, एफएसएसएआई के खाद्य मानकों, उद्योग आधार, जीएसटी आदि सहित आवश्यक पंजीकरण और लाइसेंस प्राप्त करने में सहायता प्रदान करना होगा। इसके साथ ही प्रत्येक लाभार्थी को उपलब्ध कराई गई सहायता के आधार पर रिसोर्स पर्सन को भुगतान बैंक से ऋण स्वीकृति के 20 हजार रूपये की दर से भुगतान किया जाएगा। भुगतान के रूप में बैंक ऋण स्वीकृति के बाद 50 प्रतिशत भुगतान देय होगा।

निकेतन में गूंजा 150 वर्ष पुराना वंदेमातरम स्कूली छात्राओं और पुलिस बैंड ने दी प्रस्तुति

राष्ट्रीय विचार मंच के आयोजन में वक्ताओं ने बताया राष्ट्रगीत का इतिहास

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। 150 वर्ष पुराने वंदेमातरम, राष्ट्रीय गीत के पुरे होने पर पूरे देश में शुक्रवार को सामूहिक वंदेमातरम का गायन किया गया। यहां पुलिस बैंड और स्कूली छात्राओं ने वंदेमातरम गीत की प्रस्तुति दी। जिस पर निकेतन परिसर में खड़े लोग साथ में गान कर रहे थे।

राष्ट्रीय विचार मंच के इस आयोजन में प्रमुख वक्ता रवीन्द्र श्रीवास्तव और डॉ. भारती शरणागत ने वंदेमातरम के इतिहास की जानकार दी। कार्यक्रम में शहर के स्कूलों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों की अनुपम प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, कलेक्टर मृणाल मीणा, एसपी आदित्य मिश्रा, संरक्षक रमेश रंगलानी और संयोजक लता एलकर ने दीप प्रज्जवलन कर, कार्यक्रम की शुरूआत की गई। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लाईव टेलीकिस्ट किया गया है। मंच संयोजिका ने बताया कि आखिर क्यों, इस गीत को लिखा गया था। कार्यक्रम में राष्ट्रीय विचार मंच के सचिव राजेन्द्र शुक्ल सहज सहित जिले के जनप्रतिनिधि, गणमान्य लोग और स्कूली, छात्र, छात्राएं मौजूद थे।

पूरे एक साल चलेगा होंगे वर्षगांठ पर कार्यक्रम

शासन स्तर पर 7 नवंबर 2025 से 7 नवंबर 2026 तक भारत सरकार ने राष्टगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सम्पूर्ण देश में समारोहपूर्वक विविध कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए है। जिसके तहत कार्यक्रमो का आयोजन चार चरणो में किया जाएगा। चार चरण में 7 से 14 नवंबर तक शुभारंभ समारोह होगा। द्वितीय चरण में 19 जनवरी से 26 जनवरी तक गणतंत्र दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन किए जाएंगे। तृतीय चरण में 07 अगस्त से 15 अगस्त को हर घर तिरंगा अभियान तथा चौथे चरण में 7 नवंबर कों समापन का आयोजन समारोह पूर्वक होगा।

हॉकी इंडिया के सौ वर्ष पूरे होने पर वरिष्ठ हॉकी खिलाडियों का किया गया सम्मान

स्व. श्री रमणीकलाल त्रिवेदी दर्शक दीर्घा का हुआ लोकार्पण

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। नेहरू स्पोंटिंग क्लब बालाघाट द्वारा हॉकी इंडिया के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शहीद चंद्रशेखर एस्ट्रोटर्फ हॉकी ग्राउण्ड में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर करीब 30 लाख की लागत से निर्मित स्व. श्री रमणीकलाल त्रिवेदी दर्शक दीर्घा का लोकार्पण भी कलेक्टर मृणाल मीणा व पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, उद्योगपति सुधीर भाई त्रिवेदी के प्रमुख आतिथ्य में किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान अतिथियों के हस्ते वरिष्ठ हॉकी खिलाडियों का शॉल व पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। वहीं महिला व पुरूष खिलाडिड़ों के बीच हॉकी का शो मैच भी खेला गया। इस अवसर पर नेहरू स्पोंटिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, सचिव विजय वर्मा, ऋषभदास वैद्य, विशाल बिसेन, हीरासिंग भाटिया, प्रमोद नेमा, राधेलाल दौने, राजेश सेवईवार, रमेश उके, सुशील वर्मा, संदीप नेमा, ब्रजेश मिश्रा, गोपाल वर्मा, केदार ठाकरे, इन्दू कावरे संजय शुक्ला, सत्यम वर्मा, दिलीप राजपूत सहित अन्य पदाधिकारी व हॉकी खिलाड़ी मौजूद रहे। मंच का संचालन सुशील वर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान नेहरू स्पोंटिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी ने बताया कि आज 7 नवम्बर हॉकी के लिये ऐतिहासिक दिन है। आज हॉकी इंडिया को सौ वर्ष पूरे हो गये है। इस अवसर पर जिले के वरिष्ठ हॉकी खिलाडिड़ों का सम्मान किया गया। जिन्होंने हॉकी खेल में जिले का नाम प्रदेश व देश में रोशन किया है। सुधीर भाई त्रिवेदी व मेरे द्वारा अपने पिता स्व. रमणीक लाल त्रिवेदी की स्मृति में रमणीक लाल त्रिवेदी दर्शक दीर्घा का निर्माण कराया गया है। जिसका लोकार्पण आज किया गया है। हमारे द्वारा इसे युवा कल्याल खेल विभाग को सौंप दिया है।

कार्यक्रम में कलेक्टर मृणाल मीणा ने हॉकी इंडिया के 100 वर्ष पूरे होने पर सभी को शुभकामना देते हुये कहा कि बालाघाट छोटा जिला होने के बाद भी यहां खेल गतिविधियां काफी अधिक होती है। टर्फ का ग्राउण्ड भी नेशनल लेवल का बना है। बड़े शहरों में काफी डिमांड रहती है। जिले में बहुत अच्छा हॉकी का ग्राउण्ड बना है। इसकी देख रेख व संरक्षण सभी खिलाडियों को अपना मैदान समझकर अच्छे से करना है। दिसम्बर के महीने में एक अच्छा टूर्नामेंट का आयोजन करेंगे।

जिले में खेल गतिविधियों को आगे बढ़ाने शासन-प्रशासन द्वारा प्रयास किया जा रहा है

इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री मिश्रा ने कहा कि जिले में हॉकी मैदान की काफी अच्छी सुविधा है। यहां के खिलाड़ी भाग्यशाली है जहां नेशनल लेवल का टर्फ मैदान है। उन्होंने देश की महिला टीम के विश्व कप जीतने पर भी सभी को बधाई देते हुये कहा कि महिला खिलाड़ी भी विश्व कप में देश का नाम रोशन करेगी, ये सोचा नहीं था। लेकिन आज के समय महिलाएं भी हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी काम को जूनून के साथ करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। खेल के मैदान को अपनी कर्म भूमि माने और इसे अच्छा रखने का प्रयास करें। उन्होंने जूनियर खिलाडियों से कहा कि जब तक कोई कोच नहीं मिलता तब तक अपने सीनियर खिलाडियों से सीखने का प्रयास करें।

इन खिलाडियों का किया सम्मान

नेहरू स्पोंटिंग क्लब द्वारा हॉकी इंडिया के सौ वर्ष होने पर हॉकी के वरिष्ठ खिलाडियों का सम्मान किया गया। इनमें ऋषभदास वैद्य, टीकाराम सौलखे, प्रमोद तिवारी, मोती कोचर, रमेश दीक्षित, डेनियल जी, विजय वर्मा, पूरनसिंह भाटिया, प्रतिपाल सिंह सौंधी, अजय वर्मा, राजकुमार शांडिल्य, अशोक डाहके, अंसार खान, राजेश सेवईवार, रमेश उके, फिरोज खान, गोपाल धुर्वे सहित अन्य शामिल हुए।

संपादकीय

सरकार चोरी के संगीन आरोप

नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी ने वोट चोरी के जो खुलासे किए हैं, उन्हें हाइड्रोजन बम कहें अथवा सरकार चोरी के संगीन आरोप कहें, लेकिन उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राहुल के आरोप चुनाव आयोग की वेबसाइट के तथ्यों पर आधारित हैं। यदि उनमें एक भी आरोप अकाट्य है, अर्द्धसत्य भी है, तो चुनाव आयोग का पूर्ण सत्य ध्वस्त हो सकता है। ऐसे खुलासे सामने आए हैं, जो भारत के चुनाव आयोग की विश्व-विख्यात, तटस्थ, निष्पक्ष, ईमानदार छवि को कलंकित कर सकते हैं। यदि चुनाव आयोग और प्रक्रिया ही दागदार और सवालिया हैं, तो लोकतंत्र की आत्मा ही मर जाएगी, लिहाजा हलफनामे की औपचारिकताओं के बिना ही क्रमोबेश मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इन आरोपों के जवाब देने चाहिए। चूंकि चुनाव आयोग के हरेक महत्वपूर्ण आयोजन पर मुख्य चुनाव आयुक्त ही देश को संबोधित करते रहे हैं, लिहाजा अब उनकी खामोशी अक्षम्य है। यदि चुनाव आयोग और उसके तीन सूत्रधार आयुक्तों को राहुल गांधी के आरोप बेबुनियाद और खोखले लगते हैं, तो वे कानूनी कार्रवाई करें। प्राथमिकी दर्ज कराएं और राहुल को आरोपित बना कर सर्वोच्च अदालत में केस चलाएं। खामोशी या हलफनामे की शर्त अथवा कांग्रेस के चुनाव एजेंटों पर सवाल दागना कोई स्पष्टीकरण नहीं है। यह देश की सुरक्षा के साथ भ्रष्ट समझौता है कि हरियाणा की मतदाता सूची में ब्राजील की एक मॉडल का फोटो 22 जगह है। एक ही फोटो के साथ सीमा, सरस्वती, स्वीटी, रश्मि, विमला आदि नाम हैं। आखिर यह कैसे हुआ? क्या चुनाव आयोग इतनी लापरवाही से मतदाता पहचान पत्र बनाता है? आयोग का अपना आधुनिक सॉफ्टवेयर है। वह क्लिक करते ही किसी भी फ्रॉड, फर्जी और नकलीपन को पकड़ सकता है और उसे खारिज कर सकता है। राहुल गांधी के खुलासे के मुताबिक, हरियाणा की मतदाता सूची में 5,21,619 डुप्लीकेट मतदाता हैं। चुनाव में 25.41 लाख से अधिक वोटों की चोरी की गई। फर्जी फोटो के साथ मतदाताओं की संख्या 1,24,177 है। हरियाणा में प्रत्येक 8 में से 1 मतदाता नकली है। एक ही पते पर कई वोटर बनाए जाने को बल्क वोटर कहते हैं। यदि एक ही पते पर 10 से अधिक मतदाता हैं, तो चुनाव आयोग को उसकी जांच करना अनिवार्य है, लेकिन हरियाणा में एक ही पते पर 66 या 501 मतदाता बनाए गए। हरियाणा में बल्क वोटर की संख्या 19 लाख 26 हजार 351 है। राज्य की मतदाता सूची में 93,174 मतदाता ऐसे हैं, जिनके पते अमान्य हैं। मतदाताओं के मकान नंबर 0 दिए गए हैं या कुछ और हैं। यानी छोटे से राज्य हरियाणा की मतदाता सूची में इतनी स्पष्ट गड़बड़ियां अथवा विसंगतियां हैं! आखिर संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग कैसे मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण का दावा कर सकता है? हालांकि हम राहुल गांधी के संगीन आरोपों की पुष्टि नहीं कर सकते, क्योंकि हरियाणा की मतदाता सूची हमारे सामने नहीं है और न ही हमने उसका अध्ययन किया है। नेता प्रतिपक्ष ने वोट चोरी के ऐसे ही आरोप महाराष्ट्र, बिहार, कर्नाटक, दिल्ली आदि राज्यों में भी लगाए हैं। इन अभियानों को विदेशी षड्यंत्र का हिस्सा करार देकर अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला नहीं झाड़ा जा सकता। चुनाव आयोग राष्ट्र से ऊपर नहीं है, लिहाजा वह देश के प्रति पूरा जवाबदेह है। हालांकि हरियाणा से संबंधित 22 चुनाव याचिकाएं उच्च न्यायालय के विचाराधीन हैं, लेकिन यह मामला सर्वोच्च अदालत के स्तर का है। बल्कि संविधान पीठ को इस मामले की सुनवाई करनी चाहिए। यदि राहुल गांधी इस संदर्भ में गोलमोल जवाब दे रहे हैं, तो सर्वोच्च अदालत को खुद संज्ञान लेते हुए चुनाव आयोग को तलब करना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष के आरोपों की संगीनता इसलिए भी बेहद गंभीर है, क्योंकि उन्होंने ऐसी चोरी को बूथ स्तरीय न मान कर केंद्रीकृत ऑपरेशन करार दिया है।

राहुल की प्रेस कांफ्रेंस यानी बिहार में हार की पेशबंदी

राहुल गांधी के वोट चोरी पर बीजेपी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चुनाव आयोग ने भी कहा है कि कांग्रेस को डुप्लीकेट मतदाताओं को हटाने के लिए शिकायत दर्ज करवानी चाहिए थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा राज्य की मतदाता सूची के खिलाफ कोई अपील दायर नहीं की गई थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मतदाता सूची के खिलाफ कोई अपील नहीं दायर की गईं। कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में पहले चरण की 121 सीटों पर मतदान से एक दिन पहले दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग और बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक हैंडल से ट्वीट कर हरियाणा में डुप्लिकेट वोटर्स से लेकर बल्क वोटर्स तक, कैटेगरी वाइज आंकड़े भी बताए हैं। इससे पहले भी राहुल गांधी वोट चोरी का मुद्दा उठा चुके हैं। लेकिन वो चुनाव आयोग में शपथ पत्र देकर शिकायत और अदालत का दरवाजा नहीं उठाते हैं। बस प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से बेबुनियाद आरोप और दावे करते रहते हैं। असल में पटना से करीब 1100 किलोमीटर दूर जब राहुल गांधी हरियाणा विधानसभा चुनाव में फर्जी वोटिंग के किस्से सुना रहे थे तब ऐसा लग रहा था मानो वो बिहार में महागठबंधन की होने वाली हार के लिए पेशबंदी कर रहे हैं। राहुल गांधी के वोट चोरी पर बीजेपी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चुनाव आयोग ने भी कहा है कि कांग्रेस को डुप्लीकेट मतदाताओं को हटाने के लिए शिकायत दर्ज करवानी चाहिए थी।

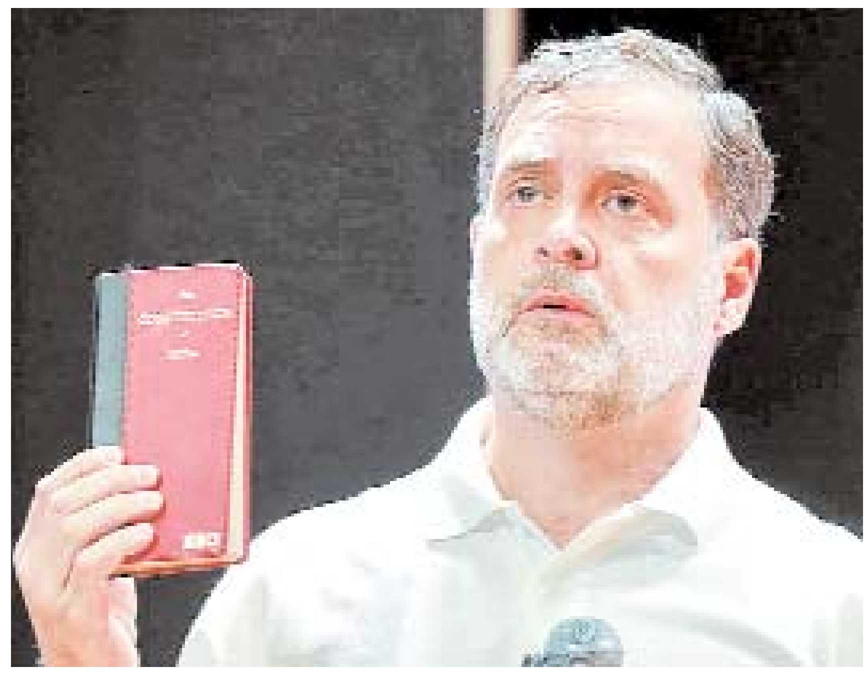

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा राज्य की मतदाता सूची के खिलाफ कोई अपील दायर नहीं की गई थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मतदाता सूची के खिलाफ कोई अपील नहीं दायर की गई। राहुल गांधी के इस दावे को लेकर काफी विवाद हो रहा है। इनमें भी सबसे बड़ा विवाद तो ये है कि राहुल गांधी को ये कैसे पता चला कि जिन 22 वोटर कार्ड पर एक ही मॉडल की तस्वीर है, उन वोटर कार्ड से चुनावों में वोट डाले गए हैं। ये सवाल इसलिए भी उठ रहा है क्योंकि राहुल गांधी जिस वोटर लिस्ट को दिखाकर ये पूरा दावा कर रहे हैं, वो वोटर लिस्ट मतदान के बाद की नहीं बल्कि मतदान से पहले की है। सोचिए मतदान से पहले की वोटर लिस्ट से राहुल गांधी को ये कैसे पता चला कि इन वोटर कार्ड से चुनावों में वोटिंग भी हुई। मीडिया की पड़ताल में राहुल गांधी के दावे झूठे साबित हुए। सवाल यह भी है कि अगर कोई गड़बड़ी थी तो कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंट्स ने संशोधन के दौरान एक ही नाम की एक से अधिक प्रविष्टियों को रोकने के लिए कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं दर्ज की? वहीं अगर कई नामों के दोहराव से बचना था, तो संशोधन के दौरान कांग्रेस के बूथ-स्तरीय एजेंटों (बीएलए) ने कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं उठाई?

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बिहार और हरियाणा दोनों में कांग्रेस के बूथ एजेंटों ने संशोधन के दौरान दोहराए गए नामों को लेकर कोई दावा या आपत्ति नहीं दर्ज की। वही सवाल यह भी है कि वोटर लिस्ट चुनाव से पहले उपलब्ध होती है। अगर कोई नाम छूट गया है, तो उसे जुड़वाने की व्यवस्था होती है। वास्तव में, कांग्रेस और कई विपक्षी दल सत्ता हासिल करने के लिए किसी ने किसी बहाने देश की जनता को संवैधानिक संस्थाओं के प्रति उकसाते रहते हैं। चुनाव आयोग, ईडी, सीबीआई से लेकर तमाम दूसरी संवैधानिक संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करते रहते हैं। राहुल गांधी तो चुनाव आयोग के अधिकारियों को खुली धमकी दे चुके हैं कि उनकी सरकार आएगी तो वो जांच करवाएगी। वैसे अब तक चुनाव आयोग और चुनाव प्रणाली को लेकर विपक्ष के आरोप फर्जी और बेबुनियाद ही साबित हुए हैं।

प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने मीडिया का परिचय बिहार के कुछ ऐसे लोगों से भी कराया है, जिनके नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं और इन लोगों का कहना है कि चुनाव आयोग की तरफ से उनके पास कभी कोई आया ही नहीं और बिना बताए, उनका नाम वोटर लिस्ट से डिलीट कर दिया गया। अब यहां पता है समस्या क्या आ रही है। समस्या ये है कि राहुल गांधी देश को ये बता रहे हैं कि वोटर लिस्ट में क्या त्रुटियां हैं लेकिन चुनाव आयोग जब इन त्रुटियों को सुधारने के लिए वोटर लिस्ट का रिवीजन करना चाहता है तो वो इसका भी विरोध करते हैं। ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या राहुल गांधी एसआईआर का समर्थन कर रहे हैं या इसका विरोध? सवाल यह है कि जिन लाखों वोटरों का वोट कटा है, वो चुपचाप अपने घरों में बैठकर राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस का इंतजार क्यों कर रहे थे, उन्हें तो सड़कों पर उतर आना चाहिए था। वास्तव में, राहुल गांधी एक अगंभीर राजनीतिज्ञ हैं। उनकी राजनीति का मकसद सेवा की बजाय मेवा खाना और कमाना है। देश की जनता से जुड़ाव दिखाने के लिए वो किसान, ड्राइवर, कारपेंटर, हलवाई, कुली या पुताई वाले का अभिनय करते दिखते तो जरूर हैं, लेकिन राजनीति और देश को लेकर उनकी समझ अल्प है। वहीं उनकी एक समस्या यह भी है कि मोदी सरकार के खिलाफ वो जो आरोप लगाते हैं, उनका कोई ठोस आधार या प्रमाण उनके पास नहीं है। चौकीदार चोर है, हिंडनबर्ग रिपोर्ट से लेकर वोट चोरी तक उनके सारे दावे और आरोप हवा हवाई ही साबित हुए हैं। वहीं वो किसी एक मुद्दे पर टिकते नहीं हैं। मोदी सरकार के खिलाफ वो पिछले एक दशक में कई आरोप लगा चुके हैं। लेकिन चंद दिनों के शोर शराबे के बाद वो कोई नया आरोप लगाने लगते हैं।

देश की जनता मोदी और राहुल गांधी के बीच का फर्क सही से समझ रही है। इसलिए, कांग्रेस सत्ता से दूर है। राहुल गांधी के पास पक्के सुबूत हों तो उन्हें छाती ठोककर चुनाव आयोग में शपथ पत्र दाखिल कर शिकायत दर्ज करनी चाहिए, अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए। लेकिन वो ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि उनके आरोप केवल जनता को उकसाने के लिए हैं, संवैधानिक संस्थाओं और व्यवस्थाओं के प्रति नाराजगी का माहौल बनाने का है। कांग्रेस और विपक्ष के कई दलों का इको सिस्टम देश में अस्थिरता, अशांति और अराजकता का माहौल बनाने की फिराक में है। देशी राजनीतिक दलों के इन षड्यंत्रों में विदेशी ताकतें खद पानी मुहैया करवा रही हैं। आजकल राहुल गांधी जेन जी को बहला फुसलाकर सड़कों पर उतारना चाहते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरूआत में राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी को रोकने के लिए भारत के जेन-जी युवाओं को आगे आना होगा। राहुल गांधी बार-बार जेन-जी युवाओं का जिक्र कर रहे हैं, जिससे ये सवाल खड़ा होता है कि क्या वो भारत के युवाओं को सरकार के खिलाफ आंदोलन करने के उकसा रहे हैं? ये आरोप बीजेपी लगा रही है। पिछले कुछ महीनों में जेन-जी युवाओं ने सिर्फ नेपाल में सरकार के खिलाफ हिंसक आंदोलन नहीं किया है, बल्कि मोरक्को, मेडागास्कर, पेरू, फिलीपींस, केन्या और यहां तक कि इंडोनेशिया में भी चुनी हुई सरकारों के खिलाफ जेन-जी युवा हिंसक आंदोलन कर चुके हैं और इनमें कुछ देशों में उन्होंने तख्तापलट भी कर दिया है। पिछले साल बांग्लादेश में भी जो तख्तापलट हुआ था, उसके पीछे भी जेन-जी छात्रों का हिंसक आंदोलन था, जिससे अब बीजेपी राहुल गांधी की मंशा पर सवाल उठा रही है। जिस तरह से विदेशी ताकतें भारत के बढ़ते कदमों को रोकना चाहती हैं। ऐसे में विपक्ष खासकर कांग्रेस नेताओं की बयानबाजी और व्यवहार इस ओर इशारा करता है कि वो सत्ता हासिल करने के लिए वोट की बजाय तख्तापलट पर ज्यादा यकीन करते हैं। कुल मिलाकर जमीन और जनता से कटे नेता और राजनीतिक दल बिहार चुनाव में अपनी हार को देखकर वोट चोरी का पुराना राग अभी से गाने लगे हैं। राहुल गांधी वोट चोरी का राग सबसे ऊंची आवाज में गा रहे हैं।

राशिफल

मेष :- कार्यकुशलता एवं समृद्धि के योग, फलप्रद हो तथा उत्साह से कार्य बनेंगे, धैर्य से कार्य करें।

वृष :- कार्य तत्परता से लाभ होगा एवं इष्ट मित्र सुख वर्धक होंगे रुके कार्य तत्काल बना लेवें।

मिथुन :- व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि, कार्य कुशलता से संतोष, बिगड़े कार्य शनैः शनैः बन जायेंगे।

कर्क :- धन सोचसमझा कर खर्च करें अन्यथा हानि की संभावना होगी, मानसिक विभ्रम-भय क्लेश होगा।

सिंह :- समय अनुकूल नहीं, विशेष कार्य स्थिगित रखें, लेनदेन के मामले में हानि हो सकती है।

कन्या :- मानसिक विभ्रम के कारण किसी आरोप में फंस सकते हैं, सतर्कता से कार्य अवश्य करेंगे।

तुला :- भाग्य का सितारा प्रबल हो, कार्य अवश्य बनेंगे, कार्य कुशलता से संतोष होगा।

वृश्चिक :- कार्य कुशलता से संतोष, कार्य योजना फलीभूत होगी, सफलता के साधन अवश्य जुटायें।

धनु :- धन लाभ, सफलता के साधन जुटायें, आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा, ध्यान अवश्य रखें।

मकर :- आरोप प्रत्यारोप व क्लेश संभव, धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा।

कुम्भ :- इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, स्त्री शरीर कष्ट, चिन्ता व असमंजस से बचकर चलें।

मीन :- इष्ट मित्र सहायक रहें, दैनिक कार्य में अनुकूलता बनेगी, ध्यान रखकर कार्य करें, कार्य उत्तम होगा।

पंडित श्री देव प्रभाकर शास्त्री दद्दाजी मंदिर का भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कटनी में 11 नवंबर को

जबलपुर। कटनी नगरी सनातन धर्म की ऐतिहासिक और परम आध्यात्मिक चेतना से ओत-प्रोत एक भव्य उत्सव की साक्षी बनने जा रही है, जो सनातन धर्म की भक्ति, सेवा और एकता की दिव्य भावना को मूर्त रूप देगा।परम पूज्य गृहस्थ संत गुरुदेव पंडित श्री देव प्रभाकर शास्त्री (दद्दाजी) के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का महामहोत्सव दद्दाजी धाम परिसर में 9 से 13 नवंबर, 2025 तक बड़े श्रद्धा और वैभव के साथ आयोजित होगा।यह पाँच दिवसीय महोत्सव देशभर से आने वाले हजारों श्रद्धालुओं, संतों, आध्यात्मिक आचार्यों और विशिष्ट अतिथियों को एक सूत्र में बाँध देगा। इस दौरान पूरी कटनी नगरी आस्था, भक्ति और भारतीय सांस्कृतिक विरासत के केंद्र के रूप में आलोकित होगी। यह महोत्सव परम पूज्य दद्दाजी के विश्वभर में फैले लाखों अनुयायियों के लिए ऐतिहासिक क्षण लेकर आ रहा है। इस एक ऐसा अवसर जो अपने गुरु के प्रति उनकी गहन श्रद्धा, निष्ठा और अटूट भक्ति का प्रतीक है। गुरुदेव दद्दाजी का सेवा, करुणा और मानवता से परिपूर्ण जीवन आज भी उनके हर अनुयायी के लिए मार्गदर्शन और प्रेरणा का अमृत स्रोत बना हुआ है। यह पावन महोत्सव 9 नवंबर, 2025 से शुभारंभ होगा, जिसकी शुरुआत असंख्य पार्थिव शिवलिंगों के निर्माण और रुद्राभिषेक जैसे दिव्य अनुष्ठानों से होगी। वातावरण में हर ओर वैदिक मंत्रों की गूंज और भक्ति का आलोक व्याप्त रहेगा।मुख्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह मंगलवार, 11 नवंबर, 2025 को प्रातः 10 बजे से दद्दाजी धाम, कटनी में विधिवत होगा। इसके साथ कलश यात्रा, हवन, अभिषेक, आरती और पूर्णाहुति जैसे धार्मिक अनुष्ठानों के साथ यह महोत्सव आगे बढ़ेगा। इस एक ऐसी श्रृंखला, जिसमें हर क्षण श्रद्धा, साधना और आध्यात्मिक आनंद का अनुभव होगा।11 से 13 नवंबर, 2025 वृंदावन के प्रतिष्ठित कथावाचक पंडित इन्द्रेश उपाध्याय महाराज अपने दिव्य वचनों से श्रद्धालुओं को आशीषित करेंगे। उनका श्रीमद्भागवत कथा प्रवचन, भजन और कीर्तन से अलंकृत, प्रतिदिन दद्दाजी धाम परिसर में गुंजेगा और समूचे वातावरण को भक्ति और आनंद की माधुर्यता से भर देगा।इस पावन अवसर पर पंडित मोहित मराल गोस्वामीजी, पंडित अनिरुद्धाचार्यजी, पंडित पुंडलिक गोस्वामीजी और रेणुकाजी जैसे पूज्य संतों की गरिमामयी उपस्थिति भी

महोत्सव को और अधिक आध्यात्मिक ऊँचाई प्रदान करेगी।महोत्सव की तैयारियों पर बोलते हुए श्री संजय सत्येन्द्र पाठक, जो परम पूज्य दद्दाजी के अनन्य भक्त, दद्दाजी मंदिर निर्माण समिति के संरक्षक और महोत्सव के मुख्य संयोजक हैं, ने कहा इस द्वापरम पूज्य दद्दाजी के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा, उन सभी भक्तों के लिए आध्यात्मिक पुनर्मिलन का अवसर है, जिन्हें दद्दाजी के श्रद्धा, सेवा और समर्पण के संदेश ने छुआ है। यह मंदिर शांति, भक्ति और सामाजिक सौहार्द का दीपस्तंभ बनकर, आने वाली पीढ़ियों को दद्दाजी के निष्काम सेवा और अटूट आस्था के संदेश से निरंतर प्रेरित करता रहेगा। सरलता, सेवा और लोककल्याण के प्रतीक गृहस्थ संत के रूप में परम पूज्य दद्दाजी ने अपना संपूर्ण जीवन आस्था, करुणा और समाज में सद्भाव के प्रसार के लिए समर्पित कर दिया।एक ऐसे युग में जब हिंदू समाज में शैव और वैष्णव परंपराएँ अलग-अलग मार्गों पर चल रही थीं, दद्दाजी ने अपनी अद्भुत दृष्टि से दोनों को एक सूत्र में पिरोकर सनातन धर्म की एकता और शक्ति को और सुदृढ़ किया। उनकी वाणी में विनम्रता, ईश्वर-भक्ति और निष्काम समाजसेवा का ऐसा गूढ़ संदेश निहित था, जो आज भी देश-विदेश में करोड़ों अनुयायियों के जीवन का आधार बने हुए हैं। दद्दाजी शिष्य मंडल, जो मंदिर निर्माण और महोत्सव के आयोजन का दायित्व संभाले हुए है, ने श्रद्धालुओं के लिए व्यापक और सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं की हैं। भक्तों के लिए आवास की सुविधाएँ, विशाल भंडारे, सेवा समितियों की व्यवस्था और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला इस हर पहलू को इस प्रकार योजनाबद्ध किया गया है कि प्रत्येक श्रद्धालु इस अद्वितीय और जीवन में एक बार मिलने वाले आध्यात्मिक अनुभव में पूर्ण रूप से सहभागी हो सके। दद्दाजी मंदिर निर्माण समिति, जिसने इस भव्य मंदिर के निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के आयोजन का नेतृत्व किया है, निरंतर सेवा के माध्यम से आस्था को जीवन में उतारने और दद्दाजी के करुणा, एकता और मानवता के संदेश को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है।यह प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव उसी अमर भावना का सजीव प्रतीक है, जहाँ भक्ति का संगम सेवा से होता है, और हर हृदय में दद्दाजी के आदर्शों की ज्योति नई चेतना के साथ प्रज्वलित होती है।

मनीष मल्होत्रा की फिल्म गुस्ताख इश्क की रिलीज डेट फाइनल

मुंबई। जाने-माने फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा निर्मित पहली फिल्म गुस्ताख इश्क 28 नवंबर को रिलीज होगी। मनीष मल्होत्रा की फिल्म गुस्ताख इश्क कुछ पहले जैसा ने पुराने जमाने के प्यार और उसकी खूबसूरती को फिर से ज़िंदा करने के लिए खूब चर्चा बटोरी है। अब दर्शकों को थोड़ा और इंतजार करना होगा, क्योंकि यह फिल्म 28 नवंबर को रिलीज होगी। गुस्ताख इश्क मनीष मल्होत्रा के लिए बहुत खास है यह

उनके प्रोडक्शन हाउस स्टेज 5 प्रोडक्शन के तहत उनकी पहली फिल्म है। यह फिल्म उनके लिए फैशन और कहानी से आगे बढ़कर एक जुनूनी प्रेमकहानी है, जो क्लासिक रोमांस के दौर को फिर से लौटाने जा रही है।फिल्म के मेकर्स ने एक मोशन पोस्टर के जरिए नई रिलीज डेट का ऐलान किया है। अब तक गुस्ताख इश्क अपने दिल छू लेने वाले म्यूज़िक एल्बम से दर्शकों का दिल जीत चुकी है इसके तीन गाने उल जलूल इश्क, आप इस धूप और शहर तेरे लोगों की प्लेलिस्ट में लगातार छाए हुए हैं। ये तीनों गाने भले ही अलग हों, लेकिन इनका एहसास एक ही धागे से जुड़ा है प्यार और जुनून का। गुस्ताख इश्क मनीष मल्होत्रा के करियर का एक नया और रोमांचक अध्याय है एक ऐसी फिल्म जो पुराने जमाने की कहानियों की आत्मा को संजोए हुए है, लेकिन नज़र भविष्य की ओर रखती है।दिनेश मल्होत्रा के साथ मिलकर बनाई गई यह फिल्म विभु पुरी के निर्देशन में बनी है। फिल्म 28 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एक लाख से अधिक नागरिकों ने जोड़ा कदम

पूरे भारत में आरसीएम की रूपांतरण यात्रा बनी जनआंदोलन; अब पहुँच रही है जबलपुर

जबलपुर। आरसीएम की रूपांतरण यात्रा, जिसमें अब तक देश के 20 शहरों में एक लाख से अधिक नागरिक जुड़ चुके हैं, 9 नवम्बर को जबलपुर पहुँचेगी। 16 सितंबर 2025 को राजस्थान के भीलवाड़ा से आरसीएम के 25वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में शुरू हुई यह यात्रा सभी अपेक्षाओं से आगे निकल चुकी है और अब एक जन-आंदोलन का रूप ले चुकी है।

अब तक की यात्रा के उत्साह को देखते हुए उम्मीद है कि जबलपुर में इस यात्रा को और भी ज्यादा जनसमर्थन मिलेगा, जहाँ हर उम्र और वर्ग के नागरिक सक्रिय भागीदारी करेंगे।

इस यात्रा के दौरान आम नागरिक- बच्चे, महिलाएं और परिवार- स्वास्थ्य, सेवा और संस्कार जैसे मुख्य सिद्धांतों को अपनाने का संकल्प ले रहे हैं। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचाव और समाज सेवा के महत्व के बारे में सीखा है।

अब तक 2,000 से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान भी किया है, जो समाज के प्रति गहरी जिम्मेदारी और अपनत्व की भावना को दर्शाता है। यह संख्या दिसंबर 23, 2025 को यात्रा के समापन तक और बढ़ने की संभावना है। रूपांतरण यात्रा की सफलता का मूल कारण है आम जनता की सच्ची और स्वप्रेरित भागीदारी। स्वास्थ्य जागरूकता पर केंद्रित इस यात्रा में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायरॉइड और उच्च कोलेस्ट्रॉल जैसी जीवनशैली बीमारियों पर व्यावहारिक सत्रों और चिकित्सा शिविरों के माध्यम से जागरूकता फैलाई जा रही है।

यह 100 दिनों की, 17,000 किलोमीटर लंबी राष्ट्रव्यापी यात्रा 75 शहरों का दौरा करेगी और 25 भव्य समारोहों का आयोजन करेगी। यह अभियान आरसीएम के उस दृष्टिकोण को सशक्त करता है कि कंपनी केवल डायरेक्ट सेलिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि एक जन-केंद्रित और मूल्य-आधारित आंदोलन है।

इजब लोग बिना किसी अपेक्षा के सेवा के लिए आगे आते हैं, तो वह एक आयोजन नहीं बल्कि जागरण होता है,इ रूपांतरण यात्रा के मार्गदर्शक तिलोकचंद छाबड़ा ने कहा। उन्होंने आगे कहा, इयह आंदोलन हमें दिखा रहा है कि सच्चा परिवर्तन तभी शुरू होता है जब नागरिक अपने जीवन में स्वास्थ्य, सेवा और संस्कार को अपनाते हैं। भारत की अग्रणी डायरेक्ट सेलिंग कंपनी आरसीएम ने वर्ष 2000 में अपने संचालन की शुरुआत की थी। आज यह ?2,400 करोड़ के कारोबार वाला प्रतिष्ठान बन चुका है – वह भी बिना किसी वेंचर कैपिटल या बाहरी फंडिंग के। यह इसकी सह-खरीदारों की भागीदारी और उपभोक्ताओं के भरोसे का परिणाम है। आरसीएम के 400 से अधिक उत्पादों के पोर्टफोलियो की विशेषता यह है कि इनमें पाम ऑयल का उपयोग नहीं किया जाता। इसके बजाय राइस ब्रान ऑयल का उपयोग किया जाता है, जिसमें गामा ओरीजनॉल नामक प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट होता है।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित हुई मैराथन दौड़

नई दिल्ली से प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन के सीधे प्रसारण को लोगों ने वर्चुअली देखा और सुना

कटनी। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार 7 नवंबर को कटनी जिले के बस स्टैंड ऑडिटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय स्मरणोत्सव कार्यक्रम में मौजूद छात्र - छात्राओं, नागरिकों और शासकीय कर्मियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नई दिल्ली के सीजीओ कॉम्प्लेक्स में स्थित पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन के मंथन हॉल से दिए गए संबोधन के सीधे प्रसारण को लोगों ने वर्चुअली देखा और सुना। प्रधानमंत्री ने इस दौरान वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त समिति पुस्तिका का भी विमोचन किया। इस मौके पर विधायक मुड़वारा संदीप जायसवाल, महापौर श्रीमती प्रीति सूरी, कलेक्टर आशीष तिवारी, पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ एवं नोडल अधिकारी सुहरसिमरनप्रीत कौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष डेहेरिया, जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल, एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी, डिप्टी कलेक्टर एवं सहायक नोडल अधिकारी ज्योति लिल्हारे एवं डिप्टी कलेक्टर द्वय प्रदीप मिश्रा एवं विंकी सिंहमारे उइके, तहसीलदार आशीष अग्रवाल, नायब तहसीलदार अतुलेश सिंह, जनपद पंचायत कटनी सीईओ प्रदीप सिंह, सहित गणमान्य जन और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। इसके पूर्व देशभक्ति और कृतज्ञता की सामूहिक अभिव्यक्ति के साथ डी. ए. व्ही. स्कूल, तिलक राष्ट्रीय स्कूल एवं सेक्रेटहार्ड स्कूल के कक्षा 10वीं एवं 12वीं की छात्र-छात्रायें, नागरिक और शासकीय कर्मचारी बस स्टैंड आडिटोरियम से जगन्नाथ चौक (चांडक चौक) तक उमंग और उत्साह के साथ मैराथन दौड़ में शामिल हुए। इसके बाद मैराथन दौड़ वापस बस स्टैंड आडिटोरियम पहुंचीं। लोगों ने यहां राष्ट्रीय गौरव और एकता का अलख जगाती कालजयी रचना वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया। यहां के अलावा जिले के स्कूलों, कालेजों और अन्य स्थानों में वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव पूरे हर्षोल्लास से मनाया गया। गौरव, श्रद्धा और साझा पहचान के रूप में एकजुट करने वाले राष्ट्रीय गीत के सम्मान में जिले के लोगों ने भागीदारी की।

ये हुये पुरस्कृत

वंदे मातरम मैराथन दौड़ प्रतियोगिता के बालक वर्ग के विजेता आकाश केवट रहे। जबकि द्वितीय स्थान पर वंश सिंह राजपूत व तृतीय स्थान पर विजय निषाद रहे। इसी प्रकार बालिका वर्ग में प्रथम स्थान पर प्रीति सिंह, द्वितीय स्थान पर आयुषी सिंह और तृतीय स्थान पर विनाली जैन रहीं। इन विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। यहां यह बताते चलें कि वर्ष 2025 में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं। ऐसा माना जाता है कि बंकिमचंद्र चटर्जी ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की रचना अक्षय नवमी के पावन अवसर पर, 7 नवंबर 1875 के दिन की थी।

कलेक्टर ने की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के प्रगति की समीक्षा

कटनी। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (विस्तारित चरण) 3.0 के क्रियान्वयन की कलेक्टर श्री आशीष तिवारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को समीक्षा की गई। बैठक में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में कनेक्शन जारी करने, जारी कनेक्शन की जांच सहित योजना की पात्रता के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर मौजूद रहीं।

इन बिंदुओं पर हुई चर्चा

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से वंचित पात्र उपभोक्ताओं को गैस एजेंसी द्वारा डिप्राइवेशन डिक्लेरेशन (Deprivation Declaration) फॉर्म उपलबध कराये जायें। जांच में सही पाये जाने पर गैस कनेक्शन जारी किये जाने के कलेक्टर ने निर्देश दिए। जारी कनेक्शन में से 5 फीसदी कनेक्शन की जांच जिला स्तरीय कमेटी द्वारा की जायेगी। इसके अतिरिक्त परिवार में किसी भी सदस्य का पूर्व से गैस कनेक्शन होने पर परिवार के अन्य सदस्य को उज्जवला गैस कनेक्शन की पात्रता नहीं होगी। बैठक के दौरान जिला आपूर्ति अधिकारी श्री सज्जन सिंह परिहार, रेनू वर्मा नोडल अधिकारी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना एवं श्री अर्पित शिवहरे सेल्स ऑफिसर आईओसीएल उपस्थित रहे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में अनुपस्थित रहने पर बीएलओ सुपरवाइजर पर होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

कटनी। जिले में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 कार्य के दौरान अपने कर्तव्य से अनुपस्थित रहने पर बीएलओ सुपरवाइजर त्रिभुवन सिंह के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव कलेक्टर आशीष तिवारी को भेज दिया गया है। एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी द्वारा जनपद पंचायत कटनी के उपयंत्री त्रिभुवन सिंह को मतदान केन्द्र क्रमांक 51 से 60 तक के लिए बीएलओ सुपरवाइजर का दायित्व सौंपा गया था, जिसके तहत उन्हें मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कराना था। सिंह 3 नवंबर को आयोजित सुपरवाइजर प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहे। इसके बाद, एसडीएम चतुर्वेदी द्वारा उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया और कार्य प्रारंभ करने के लिए निर्देशित किया गया। जिसके जवाब में सिंह ने दूरभाष पर यह सूचना दी कि वह विगत दिवसों से हड़ताल पर हैं, और उन्होंने अपने सुपरवाइजर के दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ नहीं किया। निदेशों के बावजूद मतदाता सूची पुनरीक्षण जैसे महत्वपूर्ण निर्वाचन कार्य में सिंह के अनुपस्थित रहने के कृत्य को एसडीएम कटनी चतुर्वेदी ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 32 के तहत कदाचरण की श्रेणी में मानते हुये अनुशासनात्मक कार्यवाही का प्रस्ताव कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तिवारी को संप्रेषित कर दिया है।

पंचायतों को जलप्रदाय योजनाओं को हैंडओवर करने में हो नियमों का पालन: कलेक्टर

कलेक्टर तिवारी ने जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक में अधिकारियों को दिये निर्देश

कटनी। ग्राम पंचायतों को जल प्रदाय योजनाओं को हैंड ओवर करने की प्रक्रिया में शासन द्वारा तय मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित हो। साथ ही पूर्ण और दो वर्ष से लंबित जलप्रदाय योजनाओं का संबंधित जनपद पंचायत के सीईओ और पीएचई विभाग द्वारा एक सप्ताह में संयुक्त निरीक्षण कर पूर्ण जल प्रदाय योजनाओं का पंचायतों को हैंडओवर करायें। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने यह निर्देश शुक्रवार को यहां कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक में दिये। इस मौके पर जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर भी मौजूद रहीं।

हर घर जल ग्राम घोषित करायें

कलेक्टर श्री तिवारी ने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रगतिरत नलजल योजनाओं मे शेष बचे हुए कार्यो का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मैदानी अमला एवं कार्य एजेन्सी इन प्रगतिरत ग्रामों को पूर्ण कर शासन द्वारा निर्धारित हस्तांतरण के दिशा-निर्देश के अनुसार जल प्रदाय योजना संबंधित ग्राम पंचायत को हस्तांतरित करते हुए पंचायत को हर-घर जल घोषित एवं प्रमाणीकरण का कार्य किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री तिवारी ने कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देशित किया कि पिछले एक-दो महीने से ट्रायलरन में संचालित योजनाओं की सूची तैयार कर जिला पंचायत सीईओ को उपलब्ध करायें। जिससे हस्तांतरण कार्य में गति आ सके। कलेक्टर श्री तिवारी ने कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देशित किया कि अपने स्तर पर सभी ठेकेदारो को पत्र के माध्यम से निर्धारित समय अवधि में जल जीवन मिशन के अंतर्गत शेष कार्यो को पूर्ण करने हेतु निर्देशित करने की हिदायत दी। कलेक्टर ने कहा कि जिस कार्य एजेन्सी द्वारा इन कार्यो को समय-सीमा में पूर्ण नहीं किया जाता एवं लापरवाही बरती जा रही है, उस कार्य एजेन्सी की रिपोर्ट प्रस्तुत कर आगामी एक महीने में समीक्षा बैठक पुनः बुलाई जाए। और इस बैठक में ठेकेदारो की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री कौर ने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि योजना ग्राम पंचायत को हस्तांतरित हैं एवं संचालन संधारण ग्राम पंचायत द्वारा किया जा रहा है तो अंशदान की राशि एवं पेयजल शुल्क वसूलने की कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें एवं पंचायत दर्पण पोर्टल पर प्रविष्टी कराने के निर्देश सभी ग्राम पंचायतो को देवें।

कूड़न जलाशय से पेयजल का बनायें प्रस्ताव

जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक मे विकासखण्ड बहोरीबन्द के 32 अप्रारम्भ ग्रामों मे पेयजल व्यवस्था हेतु कूड़न जलाशय से जल निगम मर्यादित पन्ना को पेयजल उपलब्ध कराने हेतु कलेक्टर श्री तिवारी ने जल संसाधन विभाग एवं जल निगम मर्यादित पन्ना को आपसी समन्वय बनाते हुए प्रस्ताव तैयार कर राज्य शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए।

पवई-2 समूह जल प्रदाय योजना की समीक्षा

बैठक में जल जीवन मिशन अंतर्गत पवई-2 समूह जल प्रदाय योजना के कार्यों की समीक्षा की गई। योजना अंतर्गत कटनी जिले में लाभान्वित विकासखंड रीठी एवं कटनी के विभिन्न ग्रामों चल रहे कार्यों की वास्तविक प्रगति की विस्तृत जानकारी महाप्रबंधक जल निगम पन्ना शिवम सिन्हा द्वारा प्रस्तुत किया गया। योजना अंतर्गत इंटेक वेल 90 प्रतिशत, जलशोधन संयंत्र 40 प्रतिशत, पाइप लाइन 60 प्रतिशत कार्य पूर्ण होने की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने इस पर और प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में कार्यपालन यंत्री पीएचई पवनसुत गुप्ता, सभी जनपद पंचायतों के सीईओ, पीएचई के सहायक यंत्री व उपयंत्री को जल निगम के अधिकारी मौजूद रहे।

जिले मे 19.9 हजार मीट्रिक टन से अधिक उर्वरक उपलब्ध

जिले के हर किसान को मांग और जरूरत के अनुसार मिलेगा उर्वरक

कटनी। रबी सीजन हेतु किसानों के लिए उर्वरक का पर्याप्त स्टॉक जिले मे उपलब्ध है। जिले की सहकारी समितियों, विपणन संघ, एमपी एग्रो और निजी विक्रेताओं को मिलाकर 19 हजार 936 मीट्रिक टन उर्वरक की उपलब्धता है। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने अधिकारियों को खाद वितरण केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करने, किसानों से संवाद करने और पीओएस मशीन में उर्वरक स्टॉक की उपलब्धता देखकर इसका भौतिक सत्यापन अवश्य करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी है कि उर्वरक वितरण व्यवस्था पर पैनी नजर रखें ताकि किसानों को सहजता से खाद मिल सके। उपसंचालक कृषि डॉ. आर एन पटेल ने जानकारी देते हुये बताया कि जिले के किसान खाद की आपूर्ति के लिए चिंतित न हो। खाद की नियमित आपूर्ति जारी है। वर्तमान में जिले में 3628 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। इसी प्रकार 2712.90 मीट्रिक टन डीएपी खाद उपलब्ध है। इसके साथ-साथ 146.30 मीट्रिक टन एमओपी, 3203.55 मीट्रिक टन एनपीकेएस, 10219.30 मीट्रिक टन एसएसपी तथा 26.58 मीट्रिक टन एफओम खाद उपलब्ध है।

यहां देवें सूचना

कलेक्टर श्री तिवारी ने किसानों से आग्रह किया है कि वे खाद, बीज से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या और शिकायत या खाद, बीज मिलने में असुविधा संबंधी सूचना कलेक्ट्रेट कार्यालय में बने जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के टेलीफोन नम्बर 07622-220071 पर दे सकते हैं।

निगमायुक्त सुश्री परिहार ने उपायुक्त को अवकाश एवं वेतनवृद्धि स्वीकृति हेतु किया अधिकृत

कटनी। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार (आईएएस) ने नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 69(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक आदेश जारी किया है। जारी आदेशानुसार, प्रशासनिक कार्य सुविधा एवं त्वरित निस्तारण की दृष्टि से उपायुक्त (वित्त) श्री शैलेष गुप्ता को नगर पालिक निगम में कार्यरत समस्त विभाग प्रमुख, समस्त यंत्री, नोडल अधिकारी, कार्यालय अधीक्षक एवं आयुक्त स्टेनो को छोड़कर शेष सभी तृतीय श्रेणी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के आकस्मिक, अर्जित एवं चिकित्सा अवकाश स्वीकृत करने तथा नियम एवं पात्रता के अनुसार वेतनवृद्धि स्वीकृत करने हेतु आयुक्त की ओर से कार्यवाही करने के लिए अधिकृत किया गया है। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्राधिकृत अधिकारी, संबंधित विभाग प्रमुख की स्पष्ट अनुशंसा के उपरांत ही अवकाश एवं वेतनवृद्धि स्वीकृत करने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

सक्रिय मैत्री कार्यकताओं को कृत्रिम गभार्धान का दिया जा रहा पांच दिवसीय प्रशिक्षण

कटनी। कृत्रिम गभार्धान में जिले की स्थिति में सुधार लाने हेतु कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर दयोदय पशु सेवा केंद्र गौशाला कैलवाराखुर्द में आंशिक रूप से सक्रिय मैत्री कार्यकताओं को पांच दिवसीय प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस जिले के सभी विकासखंड से आये 25 मैत्री कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया गया। जिले में अभी 74 में से लगभग 25 कार्यकर्ता ही कृत्रिम गभार्धान कार्य में सक्रिय हैं। प्रशिक्षण में प्रत्येक दिवस कम से कम 5 से 7 गायों में एआई पूर्व तैयारी, एआई के दौरान सावधानी, सर्विक्स फीलिंग, एआई गन प्रोपेगेशन सीमेन डिपोजिशन, रिपीट ब्रीडर और एनइस्ट्रस एनीमल ट्रीटमेंट आदि समस्त गतिविधियों के समुचित सम्पादन के लिए जिले के वरिष्ठ एवं अनुभवी चिकित्सकों एवं सहायक स्टाफ द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 25-30 गौवंश पशुओं में दिया जायेगा। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुमंत वर्मा सिविल सर्जन जिला पशु चिकित्सालय, डॉ दीक्षा लाड़े व्हीईओ, डॉ. साकेत मिश्रा, डॉ. रवि सोनी ढीमरखेड़ा, डॉ. जगदंबा मानिक रीठी, एव्हीएफओ अतुल भुजिया, रामजी बर्मन, गौशाला प्रबंधक चतुर्वेदी, संतीलाल, राजकुमार आदि उपस्थित रहे।

सिवनी जिले में माफिया राज! अवैध कारोबारों ने जिले को बना दिया कानून का मजाक, प्रशासन खामोश...

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। सिवनी कभी शांति, संस्कृति और सादगी के लिए पहचाने जाने वाला सिवनी जिला अब अवैध कारोबारों का अड्डा बन चुका है। यहाँ मुरम माफिया, शराब तस्कर और सट्टा कारोबारी इस कदर सक्रिय हैं कि मानो पूरे जिले पर इनका साम्राज्य हो। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि ये सब कुछ प्रशासन और पुलिस की नाक के नीचे हो रहा है – और फिर भी चुप्पी गहरी है, कार्रवाई नदारद है।

मुरम माफियाओं का कब्जा रात-दिन चल रहा रेत का कारोबार.... सिवनी के बाहरी इलाकों, खासकर लखनादौन, केवलारी, बरघाट और धूमा क्षेत्र में अवैध मुरम खनन जोरों पर है। रात के अंधेरे में डंपर और ट्रैक्टर धड़ल्ले से निकलते हैं, पर किसी चौकी या गश्त दल की हिम्मत नहीं कि उन्हें रोके। सरकारी जमीन, नदी किनारे और जंगल – सब कुछ माफियाओं की लूट की चपेट में है। राजस्व को करोड़ों का नुकसान हो रहा है, लेकिन विभाग की फाइलों में सब ठीक बताया जा रहा है। अवैध शराब का जहर – जिले के चारों ओर गांव-गांव में खुली दुकानें, नाबालिग तक पहुंच रही शराब.... सिवनी जिले के ग्रामीण इलाकों में अवैध शराब का कारोबार अब सिस्टम का हिस्सा बन चुका है। गांवों में देसी शराब खुलेआम बिक रही है, जिससे कई लोग बीमार पड़ चुके हैं। नाबालिग लड़कों तक को शराब आसानी से मिल रही है, पर आबकारी विभाग और पुलिस मौन हैं।ऐसा लगता है कि शराब माफियाओं को किसी का संरक्षण प्राप्त है।

शराब, सट्टा, रेत और मुरम माफिया का साम्राज्य, प्रशासन मौन दर्शक...!

जिम्मेदारों के नाक के नीचे खैरा पलारी में अवैध कारोबार की जड़ें और गहरी

रेवांचल टाइम्स

खैरा पलारी क्षेत्र में अवैध कारोबार बेलगाम

क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और राजनेताओं का अवस्था संदिग्ध

क्षेत्र के चारो ओर कच्ची-पक्की शराब का व्यापार जोरों पर, युवा पीढ़ी तबाह

रेत का अवैध खनन - पर्यावरण और कानून दोनों का अपमान......

प्रशासन की चुप्पी सवालों के घेरे में अफसरशाही

क्या शासन अब भी जागेगा?

सट्टा का जाल- 'एक के अस्सी' में डूबते घर

अब मुरम भी नहीं बची – जहां मन किया, वहीं से निकाल ली......

सट्टा और जुए की लत – मोबाइल पर बर्बाद हो रही युवा पीढ़ी... ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टे का जाल सिवनी शहर से लेकर छोटे कस्बों तक फैल चुका है। हर नुक्कड़, पान की दुकान और मोबाइल शॉप के पीछे एक सट्टा सेंटर चल रहा है। कई परिवार इस जुए की आग में बर्बाद हो चुके हैं, पर कार्रवाई सिर्फ. नाम के लिए होती है – क्योंकि बड़े खिलाड़ी कभी पकड़ में नहीं आते।

प्रशासन की चुप्पी झ आखिर क्यों... ?- सवाल सीधा है – जब जनता सब जानती है, तो प्रशासन क्यों नहीं?क्या जिम्मेदार विभागों को इन माफियाओं से डर लगता है, या फिर कोई गहरी सांठगांठ है?जनता पूछ रही है झ

क्या सिवनी में कानून सिर्फ गरीबों के लिए बचा है?- क्या बड़े माफिया प्रशासन की आंखों में धूल झोंक रहे हैं, या फिर साथ बैठे हैं?सिवनी के युवाओं, सामाजिक कार्यकताओं और नागरिक संगठनों ने अब आवाज बुलंद करना शुरू कर दिया है।अब सिवनी को चाहिए एक क्लीन एडमिनिस्ट्रेशन मिशन – ताकि जिले से मुरम, शराब और सट्टा माफियाओं का खात्मा हो सके।अंतिम चेतावनी जनता अब चुप नहीं बैठेगी सिवनी प्रशासन के लिए अब यह टेस्ट टाइम है। या तो वे माफियाओं पर नकेल कसें, या जनता खुद सड़कों पर उतरकर जवाब मांगने को तैयार है।कानून की गरिमा बचाने का वक्त अब है वरना आने वाले दिनों में सिवनी का नाम माफिया जिला बनकर रह जाएगा।

दैनिक रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक
डिंडोरी जिले में जिला ब्यूरो नियुक्त करना है और सभी ब्लॉक स्तर पर एजेंसी देना है पत्रकारिता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले संपर्क करें
संवाददाता भी नियुक्त करना है
प्रबंध संपादक
अतुल कुमार
7415685293
7509202320
प्रधान कार्यालय
आदि प्लाजा की पीछे, फ्लैट न. 03
सी ब्लॉक, शताब्दीपुरम MR-4 रोड उखरी
जबलपुर म.प्र.

क्या आप दाद-खाज़, खुजली से परेशान है?
अब आपके शहर सिवनी में सभी प्रकार के चर्म रोगों का उपचार सुप्रसिद्ध चिकित्सक द्वारा संभव
डॉ. हेमलता चांचरिया
BHMS, PGDCC, Cosmetologist
चर्म, केश, सौन्दर्य चिकित्सक
माह के दूसरे एवं चौथे बुधवार
सुबह 11 बजे से 2 बजे तक
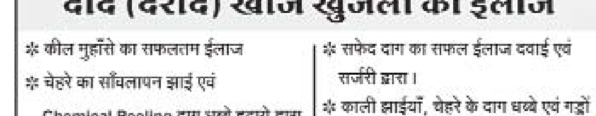
दाद (दराद) खाज खुजली का ईलाज
- कील मुहाँसे का सफलतम ईलाज
- चेहरे का साँवलापन झाई एवं Chemical Peeling दाग धब्बे हटाये द्वारा
- तील एवं मस्सो का स्थाई ईलाज लेजर द्वारा
- चेहरे के अनचाहे बालों को हटाना बालों का झड़ना समय से पहले बाल सफेद होना गंजेपन का ईलाज (पी.आर.पी.) द्वारा
- सफेद दाग का सफल ईलाज दवाई एवं सर्जरी द्वारा।
- काली झाईयाँ, चेहरे के दाग धब्बे एवं गड्ढों का सफलतम ईलाज।
- एलर्जी, एग्जिमा, शरीर पर खुजली एवं सोरायसिस का सफल इलाज
- चेहरे के गड्ढे झुरियां एवं दाग का सफल ईलाज दवाई एवं Dermaroller द्वारा
रेवा फार्मेसी
पता: बरघट रोड़, गणेश चौक, सिवनी
Mob: 96696 52061, 88393 10065

वंदे मातरम @150 अभियान शुरू

भोपाल में सीएम और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हुए शामिल

भोपाल। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के रचित वंदे मातरम गान के 150 साल पूरे होने पर भाजपा देश और प्रदेश में इसे उत्सव के रूप में मना रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के शौर्य स्मारक और भाजपा के प्रदेश कार्यालय में वंदे मातरम के मूल स्वरूप में सामूहिक गायन के एक अभियान की शुरूआत की। भोपाल के शौर्य स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ मंत्री कृष्णा गौर, विश्वास सारंग, सांसद आलोक शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, रामेश्वर शर्मा, महापौर माली श्री राय, अउर अशोक वर्णवाल, प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह, कैलाश मकवाना, भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल और भोपाल की पुलिस कमिश्नर हरि नारायण चारी मिश्रा मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि वंदे मातरम का मूल मंत्र हमेशा से हमें प्रेरित करता रहा है। हर देश में जब स्वतंत्रता की भावना बढ़ती है, तब इन शब्दों से एक नए प्रकार का स्पंदन उत्पन्न होता है, जिसे हम गीतों के रूप में अनुभव कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि "कदम कदम बढ़ाए जा" पुलिस बैंड द्वारा प्रस्तुत किया गया है और यह गीत आजादी के संघर्ष के दौरान रचित गीतों में से एक है। इस गीत की रचना में त्रिदेवियों दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती को जोड़ने की विशेष संरचना है और इसके माध्यम से उनकी पूजा का संदेश भी निहित है। हमारी त्रिदेवियों की कल्पना हजारों वर्षों से चली आ रही है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अतीत के अप्रतिम गीतों ने आजादी की अलख जगाई। 19वीं शताब्दी से शुरू हुई यह यात्रा हमें आज भी प्रेरित करती है। आजादी के हर संघर्ष में, चाहे वह अमेरिका हो या इंग्लैंड, जब आजादी की अलख जगती है, तब शब्दों से नए संकल्प उत्पन्न होते हैं। राष्ट्रभक्ति गीतों के माध्यम से देश अपनी पहचान बनाता है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने अधिकारी-कर्मचारियों के साथ गाया वंदे मातरम

राष्ट्रीय गीत की 150वी वर्षगांठ पर राजभवन में हुआ आयोजन

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल शुक्रवार को राजभवन के बैंक्वेट हॉल में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150 वीं वर्षगांठ कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने राजभवन के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का गायन किया। राज्यपाल श्री पटेल ने आजादी के संघर्ष, बलिदान और प्रेरणा के प्रतीक श्री बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित राष्ट्र गीत वंदे मातरम् की वर्षगांठ की सभी को शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, जनजातीय प्रकोष्ठ की सचिव श्रीमती मीनाक्षी सिंह सहित राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी ने राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन किया।

छिंदवाड़ा में नरवाई जलाने पर किसान पर FIR

कलेक्टर के आदेश का उल्लंघन, मक्के के डंठलों में लगाई थी आग

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में प्रशासन नरवाई जलाने की घटनाओं पर सख्ती से निगरानी कर रहा है। मोहखेड़ तहसील के खैरवाड़ा गांव में एक किसान के मक्का की फसल के डंठलों में आग लगाने का मामला सामने आया। प्रशासन की जांच के बाद किसान के खिलाफ पुलिस ने त्रक्षक्र दर्ज की है। खैरवाड़ा गांव निवासी अशोक कुमार साहू पिता तेजलाल साहू ने मक्का की कटाई के बाद खेत में बचे डंठलों में आग लगाई। इसे कलेक्टर और जिला दंडाधिकारी हरेंद्र नारायन की ओर से जारी प्रतिबंध का उल्लंघन माना गया है। जिले में नरवाई जलाने पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत रोक लागू है। ग्राम कोटवार से सूचना मिलने पर राजस्व निरीक्षक मोहखेड़ और पटवारी हल्का क्रमांक 40 सांवरी ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच में पुष्टि हुई कि खेत में नरवाई जलाई गई है। इसके बाद मौके पर पंचनामा तैयार कर रिपोर्ट मोहखेड़ थाने भेजी गई। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने अशोक कुमार साहू के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 और 287 के तहत अपराध दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

नरवाई से पर्यावरण को नुकसान, दुर्घटना का खतरा : कलेक्टर हरेंद्र नारायन ने आदेश में स्पष्ट किया है कि जिले की संपूर्ण राजस्व सीमा में मक्का, सोयाबीन और धान की कटाई के बाद नरवाई जलाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम होती है, पर्यावरण प्रदूषित होता है और आग फैलने का खतरा भी बढ़ जाता है।

भोपाल आने वाली तीन फ्लाइट एक से डेढ़ घंटे लेट

दिल्ली एयरपोर्ट पर तकनीकी खराबी का असर इंडिगो और एयर इंडिया की उड़ानों पर

भोपाल। दिल्ली एयरपोर्ट पर शुक्रवार सुबह एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम (अळउ) में आई बड़ी तकनीकी खराबी का असर राजधानी भोपाल तक दिखा। दिल्ली से आने वाली कई उड़ानें तय देर से पहुंचीं, जिससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। सुबह 7.45 बजे आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ए602 करीब डेढ़ घंटे की देरी से यानी 9.10 बजे भोपाल पहुंची। वहीं, एयर इंडिया की फ्लाइट अक1723, जिसे 12:05 बजे पहुंचना था, वह 1:05 बजे लैंड कर सकी। एक और इंडिगो फ्लाइट जो 1:05 बजे भोपाल पहुंचने वाली थी, वह अब तक दिल्ली एयरपोर्ट पर ही फंसी हुई बताई जा रही है। भोपाल एयरपोर्ट के डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि सुबह की एक फ्लाइट देर से आई है। बाकी फ्लाइट्स के आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि देरी का असर आगे भी जारी रहेगा या नहीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट पर तकनीकी गड़बड़ी के कारण उड़ानों की लैंडिंग और टेकऑफ के टाइम में बदलाव आ रहा है। भोपाल एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि सभी फ्लाइट्स की रियल-टाइम ट्रैकिंग की जा रही है। डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि फ्लाइट्स के आगमन के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे एयरलाइन की वेबसाइट या कस्टमर केयर से जानकारी लेते रहें।

जबलपुर आने वाली इंडिगो फ्लाइट अभी भी दिल्ली में : दिल्ली से जबलपुर आने वाली इंडिगो फ्लाइट, जो दोपहर 1:30 बजे पहुंचनी थी, वह लगभग 1 घंटे डिले है। फ्लाइट अभी भी दिल्ली एयरपोर्ट पर ही है।

दिल्ली में मैन्युअली फ्लाइट्स ऑपरेट करनी पड़ीं

दिल्ली एयरपोर्ट पर गुरुवार रात से ही ऑटोमैटिक मेसेज स्विच सिस्टम (अटरर) में खराबी आने के कारण एटीसी को मैन्युअली फ्लाइट्स ऑपरेट करनी पड़ीं। इससे न सिर्फ दिल्ली, बल्कि देशभर के कई शहरों के उड़ान शेड्यूल प्रभावित हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार सुबह तक 100 से ज्यादा फ्लाइट्स लेट हुईं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट्स के अनुसार, औसतन उड़ानें 30 से 90 मिनट तक की देरी से रवाना या लैंड हो सकीं।

बरेली-बाड़ी में खुलेंगे खाद के अतिरिक्त केंद्र

कलेक्टर ने किसान संगठनों से चर्चा कर दी सहमति; आसानी से उपलब्ध होगी

रायसेन। रायसेन जिले के बरेली में गुरुवार देर रात कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने किसान संगठनों के साथ खाद वितरण की सुगमता को लेकर चर्चा की। इस बैठक में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बरेली और बाड़ी में डीएमओ के एक-एक अतिरिक्त खाद केंद्र खोलने पर सहमति बनी। इस निर्णय से किसानों को आसानी से खाद मिल सकेगी।

बोवनी और पराली प्रबंधन पर भी हुआ विचार-विमर्श : कलेक्टर ने किसान संघ के पदाधिकारियों के साथ खाद वितरण के अलावा बोवनी और पराली प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया। इस बैठक में डीआरसीएस, जीएमसीसीबी, डीडीए और डीएमओ सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने किया सिविल अस्पताल का निरीक्षण : इस बैठक के अतिरिक्त, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने सिविल अस्पताल बरेली का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों के उपचार और उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली।

वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर बैतूल में आयोजन

कलेक्ट्रेट परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा, केंद्रीय मंत्री उईके मुख्य अतिथि

बैतूल। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में भव्य समारोह आयोजित किया गया। इसमें केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री दुगार्दास उईके मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में उपस्थित जनसमूह ने सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम्' का गायन किया। इस अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया।

सामूहिक गायन से हुआ शुभारंभ : समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद सभी ने मिलकर राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' गाया। इस कार्यक्रम में विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, सुधाकर पवार, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर, कलेक्टर नरेंद्र कुमार

सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन और सीईओ जिला पंचायत अक्षत जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्कूली छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

सालभर चलेगा 'वंदे मातरम' उत्सव

कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी ने बताया कि राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 7 नवंबर 2025 से 7 नवंबर 2026 तक वर्षभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों में सभी तहसील और विकासखंड मुख्यालयों पर भी 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन शामिल होगा।

आयोजन होंगे 4 चरणों में

पहला चरण: 7 से 14 नवंबर 2025 (शुभारंभ सप्ताह)
दूसरा चरण: 19 से 26 जनवरी 2026 (गणतंत्र दिवस सप्ताह)
तीसरा चरण: 7 से 15 अगस्त 2026 (हर घर तिरंगा अभियान के साथ)
चौथा चरण: 1 से 7 नवंबर 2026 (समापन सप्ताह)
कलेक्टर ने इस आयोजन का उद्देश्य स्वतंत्रता आंदोलन में 'वंदे मातरम्' के योगदान को स्मरण करना और नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना जागृत करना बताया।

आजीविका के नये मौके और राजस्व संग्रहण बढ़ा : उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

जीएसटी सुधारों का म.प्र. में हुआ व्यापक प्रभाव : उत्पादों की कीमतें 6 से 10 प्रतिशत तक कम हुई

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में लागू किए गए नए जीएसटी सुधारों का मध्यप्रदेश के व्यापार, उद्योग और एमएसएमई सेक्टर पर व्यापक सकारात्मक प्रभाव नजर आने लगा है। इन सुधारों से राज्य के विभिन्न उत्पादों में 6 से 10 प्रतिशत तक कीमतों की कमी दर्ज की गई है। इससे न केवल उद्योगों की लागत घटी है, बल्कि रोजगार, विकास और आजीविका के नए अवसर भी तेजी से बढ़े हैं। राज्य ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के सितम्बर माह तक निर्धारित लक्ष्य ?8,212 करोड़ के विरुद्ध ?8,293.01 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया, जो लक्ष्य से 0.99 प्रतिशत अधिक है। वर्तमान वर्ष में सितम्बर 2025 तक प्राप्त राजस्व, गत वर्ष की तुलना में 16.88 प्रतिशत अधिक है। यह संकेत है कि जीएसटी सुधारों ने राज्य की आर्थिक गतिविधियों को गति दी है।

उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि- ह्लप्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में किए गए जीएसटी सुधारों ने व्यापार जगत, उद्योगों और कारीगरों के लिए नई ऊर्जा दी है। कर दरों में की गई कमी से उत्पाद सस्ते हुए हैं, जिससे उपभोक्ताओं को राहत और व्यापारियों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिला है। इन सुधारों से आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में मध्यप्रदेश अग्रसर हो रहा है।

उद्योग, हस्तशिल्प और कारीगरी पर जीएसटी सुधारों का प्रभाव

इंदौर नमकीन उद्योग

इंदौर सेंव, लौंग सेंव, मिक्सचर और चिवड़ा जैसे उत्पादों का जीआई टैग प्राप्त केंद्र इंदौर, लगभग 1 लाख प्रत्यक्ष और 2.5 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार देता है। इसका निर्यात मध्य पूर्व, ब्रिटेन और अमेरिका तक होता है। नमकीन पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% करने से उत्पादों में 6-7% तक सस्ती होने की प्रवृत्ति देखी गई है। इससे घरेलू बिक्री में वृद्धि और निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार हुआ है।

कृषि मशीनरी

मध्यप्रदेश, भारत का दूसरा सबसे बड़ा सोयाबीन उत्पादक राज्य होने के साथ कृषि-मशीनीकरण का प्रमुख केंद्र भी है। इंदौर, भोपाल, देवास, ग्वालियर, उज्जैन और विदिशा में एमएसएमई क्लस्टर द्वारा सीड ड्रिल, थ्रेशर, हार्वेस्टर और सिंचाई पंप बनाए जाते हैं। यहां लगभग 25,000 श्रमिक प्रत्यक्ष और 60,000 लोग अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हैं। ट्रैक्टर, पंप और उपकरणों पर जीएसटी 12/18% से घटाकर 5% करने से उपकरणों की लागत में 7-13% तक की गिरावट आने की उम्मीद है।

माहेश्वरी साड़ियां

खरगोन जिले का महेश्वरी हथकरघा क्षेत्र 2,600 करघों पर लगभग 8,000 बुनकरों को रोजगार देता है, जिनमें महिलाएं मुख्य भूमिका निभाती हैं। विशिष्ट उलटी किनारी (बुगड़ी) वाली माहेश्वरी साड़ियां 2010 से जीआई टैग प्राप्त हैं और यूरोप व अमेरिका तक निर्यात होती हैं। वस्त्र उत्पादों पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% करने से ये साड़ियां लगभग 6% सस्ती होने की उम्मीद है, जिससे घरेलू और निर्यात दोनों बाजारों में मांग बढ़ेगी।

गोंड चित्रकलाएं

मंडला, डिंडोरी, उमरिया और सिवनी में बनने वाली गोंड चित्रकलाएं 2015 से जीआई टैग प्राप्त हैं। ये लोककथाओं और पौराणिक कथाओं पर आधारित होती हैं। जीएसटी 12% से घटाकर 5% करने से इन कलाकृतियों में लगभग 6% कीमत कमी आई है, जिससे कलाकारों को ई-कॉमर्स और निर्यात बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिला है।

लकड़ी के लाख के खिलौने

मुख्य रूप से बुधनी (सीहोर), उज्जैन और ग्वालियर में तैयार यह पारंपरिक शिल्प 2,000-2,500 कारीगरों को रोजगार देता है। जीएसटी 12% से घटाकर 5% करने से कीमतों में 6% तक कमी आई है, जिससे ये पर्यावरण-अनुकूल खिलौने प्लास्टिक के विकल्प के रूप में लोकप्रिय हो रहे हैं। जापान और यूरोप जैसे निर्यात बाजारों में इनकी मांग बढ़ी है।

टेराकोटा और मिट्टी के शिल्प

मंडला, बैतूल, उज्जैन और टीकमगढ़ में 5,000-6,000 ग्रामीण कारीगर, ज्यादातर महिलाएं, टेराकोटा खिलौनों और सजावटी वस्तुओं का निर्माण करती हैं। जीएसटी 12% से घटाकर 5% करने से ये उत्पाद लगभग 6% सस्ते हुए हैं, जिससे त्योहारी सीजन में बिक्री में वृद्धि हुई है।

बेल मेटल और डोकरा शिल्प

बैतूल और बालाघाट के आदिवासी क्षेत्रों में 5,000 कारीगर डोकरा कला में कार्यरत हैं। जीएसटी 12% से घटाकर 5% करने से उत्पादों की कीमत में 6% की कमी आई है, जिससे मशीन निर्मित मूर्तियों के मुकाबले यह शिल्प फिर से लोकप्रिय हुआ है।

लाख के बर्तन और बेल धातु शिल्प

टीकमगढ़, झाबुआ और अलीराजपुर में 5,000-6,000 कारीगर लाख के बर्तन और बेल धातु की वस्तुएं बनाते हैं। बेल धातु पर जीएसटी 28% से घटाकर 18% और लाख के बर्तनों पर 12% से घटाकर 5% करने से कीमतों में 6-10% की कमी आई है, जिससे घरेलू मेलों में बिक्री और निर्यात दोनों में बढ़ोतरी हुई है।

बांस और बेंत के हस्तशिल्प

बालाघाट, मंडला और डिंडोरी में हजारों जनजातीय परिवार बांस-बेंत के शिल्प में लगे हैं। लगभग 12,000 प्रत्यक्ष और 25,000 अप्रत्यक्ष महिला कारीगरों को काम मिला है। जीएसटी 12% से घटाकर 5% करने से इन उत्पादों में 6% की कीमत कमी आई है, जिससे इको-फ्रेंडली उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहन मिला है।

पीतल के बर्तन

टीकमगढ़, छतरपुर और बैतूल के पीतल उद्योगों में वंशानुगत कारीगर पारंपरिक बर्तन और दीपक बनाते हैं। जीएसटी 12% से घटाकर 5% करने से कीमतों में लगभग 6% की कमी आई है, जिससे कारीगरों को स्टील और एल्यूमिनियम से प्रतिस्पर्धा में राहत मिली है।

सीमेंट उद्योग

सतना, कटनी, दमोह और रीवा जैसे केंद्रों के कारण मध्यप्रदेश भारत का सबसे बड़ा सीमेंट उत्पादक है। यहां लगभग 50,000 प्रत्यक्ष और 2 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार हैं। जीएसटी 28% से घटाकर 18% करने से प्रति 50 किलो बैग में ?25-30 की कीमत कमी हुई है। इससे निर्माण और आवास क्षेत्र को बढ़ावा मिला है।

बलुआ पत्थर उद्योग

ग्वालियर, शिवपुरी और टीकमगढ़ के केंद्रों में 25,000-30,000 श्रमिक कार्यरत हैं। जीएसटी 28% से घटाकर 18% करने से स्लैब और टाइल्स 8% सस्ती हुई हैं, जिससे निर्माण और निर्यात को बढ़ावा मिला है।

चमड़े के जूते उद्योग

देवास, इंदौर और ग्वालियर के क्लस्टर में 40,000 प्रत्यक्ष और 1.2 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार हैं। ?2,500 तक के जूतों पर जीएसटी 18% से घटाकर 5% करने से 11% कीमत कमी हुई है, जिससे कारीगरों की आमदनी बढ़ी है और जूता उद्योग को नई प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिली है।

जीएसटी सुव्यवस्थीकरण से मध्यप्रदेश को घरेलू स्नैक्स, साड़ियां, आदिवासी शिल्प, सीमेंट, बलुआ पत्थर और जूते-चप्पल तक हर क्षेत्र में व्यापक लाभ हुआ है। लागत घटने से कारीगरों को सहयोग, एमएसएमई को मजबूती और घरेलू व वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार हुआ है। महेश्वर के बुनकरों, मंडला के कलाकारों, सतना के सीमेंट कर्मियों और देवास के जूता निमार्ताओं तक, यह सुधार ग्रामीण और शहरी आजीविका को नई दिशा दे रहा है।

शासकीय कार्यालय के पास खुलेआम बिक रहा मांस

अराजकता: शराबियों की सजती है महफिल : प्रशासन की अंदेखी दे रही अनैतिक गतिविधियों को बढ़ावा

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। सरकार द्वारा मांस ब्रिकी के लिए एकांत क्षेत्र में खोले जाने तथा मांस को ढक कर विक्रय करने का नियम बनाया गया है साथ ही यह भी नियम बनाया गया है कि मांस की दुकान धार्मिक स्थानों से नियत दूरी पर भी होनी चाहिए लेकिन ऐसा ही मामला जिला मुख्यालय में सामने आया जहां पर प्रशासन की नाक के नीचे नियमों को ताक पर रखकर धड़ल्ले से मांस का विक्रय किया जा रहा है तथा प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी अनदेखा कर रहे है। प्रशासन को चाहिए कि ऐसे दुकानदारों पर ठोस कार्यवाई कर दुकानों को हटवाया जाए जिससे नगर का सौहार्द्र बना रहे तथा नियमों का सही ढंग से पालन हो सके।

क्षेत्र में अराजकता का माहौल

नगर में लोक सेवा केन्द्र के सामने रोड पर मांस तथा आनलाइन दुकान संचालित की जा रही है। कार्यालय बंद होते ही आनलाइन दुकान भी लगभग बंद हो जाती है और फिर प्रारंभ होता असली खेल जो देर रात तक अनवरत चलता रहता है। मांस की दुकान के पास लोगों द्वारा शराबखोरी की जाती है तथा मांस खाया जाता है और उसके अवशेष व गंदगी कार्यालय के आसपास फेंकी जाती है। लोक सेवा केन्द्र से लेकर टाकीज क्षेत्र तक शराबियों की महफिल सजी रहती है। वहीं मांस का विक्रय करने वाले दुकानदारों की विक्री भी ज्यादा होती है और क्षेत्र में अराजकता का माहौल बना रहता है जबकि उक्त क्षेत्र में ही सभी शासकीय कार्यालय है तथा अधिकारियों का देर तक आना जाना लगा रहता है। लेकिन उक्त ओर प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

मंदिरों से 50 कदम दूर मांस की दुकान

सरकार द्वारा मांस बिक्री को लेकर नियम लेकिन धरातल पर नियमों का पालन नही हो रहा है। जिसपर प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है। शासकीय रेस्ट हाउस में मंदिर बना हुआ है और ठीक 50 कदम सामने मांस की दुकान है वहीं दूसरी ओर सहकारी बैंक परिसर मे मंदिर तथा तीसरा मंदिर टाकीज के सामने है सभी मंदिरों के सामने महज 50 कदम दूर धड़ल्ले से मांस का विक्रय किया जा रहा है। मांस की दुकान पर अधिकांश शराबियों का आना जाना होता है शराबी नशे मे धुत होते है जिससे महिलाओं को आने जाने में भी परेशानी होती है तथा भय का वातावरण बना रहता है। वही सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार मंदिरों के सामने मांस की दुकान वर्जित है तो प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कार्यवाई कर उन्हे हटाया क्यों नहीं जा रहा है।

ठोस कार्रवाई करे प्रशासन

लोक सेवा केन्द्र से लेकर टाकीज तक लगने वाली मांस की दुकानों पर प्रशासन द्वार जांच कर ठोस कार्रवाई की जानी चाहिए तथा नियम विरूद्ध पाए जाने पर दुकानदारों पद ठोस कार्रवाई कर उन्हे विस्थापित किया जाए। जिससे क्षेत्र मे शांति का माहौल रहे तथा आने जाने वाले सुरक्षित महसूस कर सकें। कई बार राहगीरों के साथ बदसलूकी की घटनाएं भी सामने आई हैं, परंतु पुलिस गश्त न के बराबर है। यदि स्थिति ऐसी ही रही तो यह क्षेत्र जल्द ही असामाजिक गतिविधियों का अड्डा बन सकता है। प्रशासन ठोस कार्रवाई करें। जिससे लोगों को अराजकता के माहौल से छुटकारा मिल सके।

तुलसी शालिगराम विवाह की सुहागले व भंडारा कार्यक्रम सम्पन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। विगत दिवस भगवान शालिगराम तुलसी विवाह का तीन दिवसीय आयोजन आदि शक्ति महिला रामायण मंडल के द्वारा किया गया जिसमें सभी रीति रस्मों से विवाह संपन्न हुआ ढोल धमाके के साथ बारात निकाली गई। यादव कॉलोनी में विगत वर्षो से रामायण पाठ का आयोजन महिला रामायण मंडल द्वारा किया जा रहा है उसी समय से प्रतिवर्ष देवउठनी एकादशी पर बड़े हर्षोल्लास से विवाह का आयोजन किया जाता है संपूर्ण क्षेत्रवासियों की उपस्थिति में यह आयोजन होता है विगत दिवस सभी मातृशक्तियों द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर में सुहागले के साथ भंडारा का आयोजन किया गया। तुलसी विवाह समापन, जिला कायस्थ महिला मंडल द्वारा बधु पक्ष एवं नारी शक्ति मंडल द्वारा वर पक्ष, जिसमें मंजू खरे ने कन्या दान की रस्म अदा की, एवं ज्योति उपाध्याय के भगवान शालीग्राम रहे। दोनों पक्षों के द्वारा अति हर्षोल्लास से पांच दिन का कार्यक्रम मनाया गया तथा भंडारा एवं सुहागले करा कर कार्यक्रम समापन किया गया। कायस्थ समाज की महिला मंडल द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

सरस्वती विद्यालय में गुरूनानक जयंती मनाई गई

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। महान विभूतियों के सद्विचार हमें प्रेरणा प्रदान कर हर चुनौतियों का सामना दृढ़ता पूर्वक करने के लिये प्रेरित करते है ऐसे ही महामानव सिख धर्म संस्थापक गुरूनानक देव के 556 वे प्रकाश पर्व के अवसर पर सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में कक्षा दशम नानक के छात्रों द्वारा गुरूनानक जयंती श्रद्धाभक्ति पूर्वक मनाई गई। संस्था प्राचार्य आनंद मोहन कुर्मी, राजेन्द्र पटैल की अध्यक्षता तथा मुख्यआतिथ्य व वरिष्ठ आचार्य सुनील दुबे कक्षाचार्य सुरेश पटैल की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन माँ सरस्वती, गुरूनानक देव के चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात मोहित सोनी ने अमृत वचन के माध्यम से गुरुवाणी को रखा। कार्यक्रम अध्यक्ष श्री कुर्मी ने मार्गदर्शन करते हुये सिख धर्म गुरूओं की परम्परा हिन्दू धर्म रक्षा तथा त्याग बलिदान के प्रेरक प्रसंगों को रखते हुए उनकी शिक्षाओं को जीवन में अपनाने की बात कहीं। कक्षाचार्य श्री पटैल के मार्गदर्शन समस्त दशम के भैयों ने सहयोग प्रदान किया।

स्कूल व आंगनबाड़ी में बाउंड्रीवाल निर्माण की मांग

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। बचई में स्थित सरकारी प्राथमिक, माध्यमिक एवं हाईस्कूल के साथ ही आंगनबाड़ी में व्याप्त समस्याओं के निराकरण की दिशा में पहला कदम बढ़ा दिया गया है। स्थानीय निवासी एवं करणी सेना के जिला अध्यक्ष भाजपा नेता अर्जुन सिंह राजपूत ने यहां की समस्याएं प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह तक पहुंचाई हैं। अर्जुन राजपूत ने भोपाल में मंत्री उदय प्रताप के निवास पर उनसे मुलाकात कर गांव के प्रायमरी, मिडिल एवं हाईस्कूल समेत आंगनबाड़ी भवन के परिसर में बाउंड्रीवाल के निर्माण की मांग रखी है। श्री राजपूत ने मंत्री को बताया कि बचई की महाकौशल

शुगर मिल इन चारों शासकीय संस्थान के बेहद नजदीक है। जल्द ही आगामी गन्ना सीजन शुरू होने वाला है। गन्ना सत्र के दौरान बहुत बड़ी संख्या में ट्रेक्टर और अन्य वाहन लेकर किसानों के ड्राइवर और स्वयं किसान बचई शुगर मिल पहुंचते हैं। बाउंड्रीवाल न होने की स्थिति में बड़ी संख्या में लोग स्कूलों के सुविधाघरों व शौचालयों का इस्तेमाल करते हैं। साथ ही रात्रि के समय में स्कूल परिसर में बैठकर ही शराबखोरी की जाती है। जिसके चलते सुविधाघरों में भारी गंदगी व स्कूल परिसर में शराब की खाली बोतलें और कचरा फैलता है। इन सभी कारणों से स्कूल में अध्ययनरत छात्रों और खासतौर पर छात्राओं को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। मंत्री उदय प्रताप सिंह ने श्री राजपूत को आश्वासन दिया है कि जल्द ही तीनों स्कूलों समेत आंगनबाड़ी भवन परिसर की सुरक्षा हेतु 8 फिट ऊंची बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जायेगा।

विवेक पटेल युवा कांग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। युवा कांग्रेस चुनाव में पूर्व एनएसयूआई जिला अध्यक्ष विवेक पटेल युवा कांग्रेस के चुनाव में युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गए। ऑनलाइन हुए चुनाव में मतदान के पश्चात बीते दिवस परिणाम आने पर नरसिंहपुर जिले का अध्यक्ष घोषित किया गया उनके अध्यक्ष बनने पर युवा कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने विवेक पटेल का स्वागत किया और जिला कांग्रेस कार्यालय में बड़ी संख्या में एकत्रित युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया। अपने निर्वाचन के पश्चात नव निर्वाचित जिला युवा कांग्रेस विवेक पटेल ने कहा कि युवा कांग्रेस के साथियों ने उन पर जो भरोसा किया है उस विश्वास को बनाए रखेंगे और संगठन की मजबूती के लिए कार्य करेंगे। साथ ही निर्वाचित अन्य पदाधिकारी का भी स्वागत किया गया।

एनडीपीएस एक्ट के आरोपी को सजा

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस न्यायालय विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट नीतिराज सिसोदिया के न्यायालय द्वारा अवैध रूप से गांजे का परिवहन करने वाले आरोपीगण कमल सिंह पटेल आयु 48 वर्ष निवासी ग्राम चिनकी उमरिया थाना कोतवाली एवं प्रहलाद सिंह लोधी उम्र 53 वर्ष निवासी ग्राम मुरलीपौड़ी थाना कोतवाली दोनों को पृथक-पृथक से स्वापक औषधि और मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 की धारा 8 सहपठित धारा 20(बी)(पप)(सी) के तहत दोषसिद्ध पाते हुये दोनों आरोपियों को दस-दस वर्ष का कठोर कारावास एवं एक-एक लाख रुपये का अर्थदंड से दंडित किया गया।

सुयश सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश संयोजक नियुक्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। विगत दिनों म.प्र.भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने

नरसिंहपुर जिले के लोकोपार ग्राम कृषक परिवार से निकले सुयश त्यागी को म.प्र. भाजपा का सोशल मीडिया विभाग का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया गया है सुयश एक विचारशील चिंतक, युवा लेखक व साहित्यकार हैं। वर्ष 2021 में भाजपा मध्यप्रदेश का सोशल मीडिया प्रदेश सह संयोजक बनाया गया था। उसके बाद विधानसभा व लोकसभा चुनावों में प्रदेश स्तरीय चुनाव प्रबन्धन समिति का हिस्सा रहे। उनकी नियुक्ति पर नरसिंहपुर जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपनी शुभकामनाएं दी है।

जनसुनवाई मे आए 230 आवेदन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा हर गुरुवार को विधायक निवास पर आयोजित की जाने वाली

जनसुनवाई में इस सप्ताह कुल 230 आवेदन प्राप्त हुए। अपने-अपने प्रकरण लेकर पहुंचे आमजन की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए श्री पटेल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए और कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद का यह सशक्त मंच ग्रामीण अंचलों के लोगों के लिए बड़ी उम्मीद बन चुका है। लोग अपनी समस्याओं को लेकर बिना किसी हिचक के पहुंचते हैं और उनके त्वरित निराकरण से संतुष्ट होकर वापस लौटते हैं। उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि जनसुनवाई में 230 आवेदनों की प्राप्ति हुई इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी गणमान्य नागरिक सहित अनेक समाजसेवी जन मौजूद रहे।

नर्मदा नदी में डूबे किशोर का 24 घंटे बाद मिला शव

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जिले में नर्मदा नदी के बरमान घाट पर कार्तिक पूर्णिमा पर सागर जिले के केरपानी निवासी 13 वर्षीय राज पिता नारायण गौंड स्नान करने पहुंचे थे, जो गहरे पानी में चले जाने से डूब गया था सूचना

मिलते ही मौके पर पहुंची एसडीआरएफ एवं होमगार्ड की टीम, करेली पुलिस के द्वारा 24 घंटे सर्च ऑपरेशन चलाने पर राज गौड़ को नर्मदा नदी के बरमान घाट के बीच में मृत अवस्था में मिला। शव मिलने के बाद पुलिस ने पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के भेजा गया।

सपरिवार का सन्यास का लिया संकल्प

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। नगर निवासी अनामिका ओसवाल अपने पति और बच्चों के साथ सांसारिक जीवन त्यागकर संन्यास ग्रहण करने जा रही हैं। इसके लिए 9 नवंबर को शहर में दीक्षार्थी अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह समारोह सकल जैन श्वेतांबर संघ द्वारा श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन श्वेतांबर मंदिर, गुदरी बाजार में सुबह 10:30 बजे से होगा। समारोह से पहले दीक्षार्थी परिवार का वरघोड़ा मेन रोड से बाहरी रोड तक निकाला जाएगा। अनामिका ओसवाल स्व. श्री टीकमचंद ओसवाल और

श्रीमती कमलाबाई ओसवाल की बेटी हैं। उनका विवाह महाराष्ट्र के धूलिया निवासी दिनेश कांकरिया से हुआ था। परिवार में उनकी एक बेटी पहले ही 2022 में दीक्षा लेकर साध्वी श्रमण निधि के रूप में आत्म साधना कर रही हैं। अब अनामिका अपने पति दिनेश, डॉक्टर बेटी हर्षिता और चार्टर्ड अकाउंटेंट की पढ़ाई कर रहे बेटे विधान के साथ दीक्षा लेने जा रही हैं। यह दीक्षा आचार्य जिन पीयूष सागर के सानिध्य में ग्रहण की जाएगी। समाजजनों ने बताया कि 9 नवंबर को संत विनम्रसागर महाराज, पुण्यवर्धन महाराज और गुणवर्धनम महाराज के सानिध्य में दीक्षार्थी परिवार का अभिनंदन समारोह होगा।

आमने सामने भिड़े दो ट्रक एक की मौत एक घायल

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस जिले में नेशनल हाइवे पर गुरुवार को एक सड़क हादसे में एक ट्रक चालक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना थाना स्टेशनगंज क्षेत्र में रोपड़ी नर्सरी जैतपुर के पास हुई। पुलिस के अनुसार, नरसिंहपुर की ओर जा रहे ट्रक के चालक प्रदीप साहू की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, छिंदवाड़ा से चोकर भरकर ला रहे दूसरे ट्रक के चालक राजा कहार घायल हो गए। घायल चालक राजा कहार ने बताया कि वह अपनी लेन में ट्रक चला रहे थे। तभी सामने से आ रहा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर गलत दिशा में आ गया। जिससे दोनों ट्रकों में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे के बाद 1033 एम्बुलेंस सेवा की मदद से मृतक और घायल दोनों को नरसिंहपुर जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलते ही सिंहपुर चैकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

खेल/व्यापार

क्या गाबा में होगा धमाका ? भारत के पास सीरीज कब्जाने का शानदार मौका

ब्रिस्बेन। शनिवार को गाबा में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज का आखिरी मैच धमाकेदार होने वाला है, जहां भारत 2-1 की मामूली बढ़त के साथ उतरेगा। दांव आसमान छू रहे हैं और जहां ऑस्ट्रेलिया सीरीज बराबर करने के लिए पूरी ताकत झोंक देगा, वहीं भारत

आत्मविश्वास के साथ इस निर्णायक मैच में सीरीज कब्जाने उतरेगा। ऑस्ट्रेलिया के सामने एक कठिन चुनौती है। ट्रैविस हेड और जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में उनकी आक्रामक क्षमता कमजोर पड़ गई है। मिशेल मार्श को मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड और ग्लेन मैक्सवेल के साथ मिलकर भारत के खिलाफ आक्रमण की कमान संभालनी होगी। गेंदबाजी में, नाथन एलिस और एडम जम्पा पर भारत की मजबूत लाइनअप को ध्वस्त करने की ज़िम्मेदारी होगी। गाबा में यह एक जानी-पहचानी कहानी है झ घरेलू मैदान का फायदा मायने रखता है, लेकिन भारत इस दौरे में किसी भी तरह का समझौता नहीं कर रहा है। इस बीच, भारत लय में है। अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने धमाकेदार प्रदर्शन किया है, जबकि शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव क्रीज पर संयम बनाए हुए हैं। वाशिंगटन सुंदर और जितेश शर्मा जैसे निचले क्रम के बल्लेबाज जरूरत पड़? पर अपनी रणनीति बदल सकते हैं। जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह अगुआ बने हुए हैं और किसी भी साझेदारी को ध्वस्त करने में सक्षम हैं। इतिहास बताता है कि गाबा लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम के पक्ष में है। पिछले पांच घरेलू टी20 मुकाबलों में सभी मैच बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम के नाम रहे हैं और 180-190 के प्रतिस्पर्धी स्कोर के साथ, टॉस निर्णायक हो सकता है झ खासकर जब बादल छाए हों और गरज के साथ बारिश हो सकती हो। उम्मीद है कि कप्तान नई गेंद का इस्तेमाल करेंगे। अगर भारत पावरप्ले में अपनी क्षमता साबित कर सके और ऑस्ट्रेलियाई टीम को बैकफुट पर रख सके, तो उसके पास सीरीज 3-1 से अपने नाम करने का अच्छा मौका है। ऑस्ट्रेलिया को मैच में बने रहने के लिए शुरुआती सफलताओं और मार्श तथा डेविड के दमदार योगदान की जरूरत होगी। दोनों टीमें जीत की भूखी हैं, ऐसे में प्रशंसक ब्रिस्बेन की रोशनी में एक रोमांचक टी20 मैच की उम्मीद कर सकते हैं। निर्णायक मैच एक साझेदारी, तेज गेंदबाजी या बाउंड्री की झड़ी पर निर्भर हो सकता है झ और यही गाबा में क्रिकेट को इतना रोमांचक बनाता है।

रंगराजन आरसीबी महिला टीम के मुख्य कोच, ल्यूक विलियम्स की लेंगे जगह

बंगलुरु। मालोलन रंगराजन को आगामी महिला प्रीमियर लीग सीजन के लिए रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वह ल्यूक विलियम्स का स्थान लेंगे, जो 2024 से इस पद पर कार्यरत हैं। आगामी सीजन के जनवरी की शुरुआत में शुरू होने के साथ, विलियम्स बिग बैश लीग में एडिलेड स्ट्राइकर्स के मुख्य कोच के रूप में अपनी प्रतिबद्धता में व्यस्त रहेंगे। तमिलनाडु के पूर्व खिलाड़ी मालोलन पिछले छह वर्षों में फ्रेंचाइजी के साथ विभिन्न पदों पर रहे हैं। पिछले दो वर्षों से, वह महिला टीम के सहायक कोच के रूप में कार्यरत हैं। उनकी नियुक्ति पर बात करते हुए, कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा, मेरे उनके साथ बहुत अच्छे संबंध हैं और मुझे हमारी क्रिकेट संबंधी चर्चाओं में बहुत मज़ा आया।

कार-बाइक्स पर टूट पड़े लोग, बन गया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। त्योहारी मांग और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में नई पीढ़ी के सुधारों के कारण अक्टूबर में यात्री वाहनों और दुपहिया की खुदरा बिक्री ने नया रिकॉर्ड बनाया। वाहन डीलरों के संगठन फाडा द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि अक्तूबर, 2025 में यात्री वाहनों की बिक्री 11.35 प्रतिशत बढ़कर 5,57,373 इकाई पर पहुंच गई। दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर अक्तूबर में 51.76 प्रतिशत बढ़कर 31,49,846 इकाई दर्ज की गई। फाडा के अध्यक्ष सीएस विग्नेश्वर ने कहा कि वाहनों की खुदरा बिक्री के मामले में अक्तूबर 2025 मील के पत्थर के तौर पर याद किया जाएगा। जीएसटी सुधारों, ग्रामीण मांग बढ़? और त्योहारी मांग रहने से रिकॉर्ड-तोड़ परिणाम सामने आए हैं। यात्री वाहनों और दुपहिया दोनों की बिक्री अब तक के उच्चतम स्तर पर दर्ज की गयी जो उपभोक्ता विश्वास में नयी ऊर्जा और अर्थव्यवस्था में अंदरूनी लहर को दिखाता है। तिपहिया की बिक्री 5.43 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,29,517 इकाई दर्ज की गई, हालांकि इसमें ई-रिक्शा की बिक्री में 15.60 प्रतिशत की गिरावट रही। ट्रैक्टरों की बिक्री 14.22 फीसदी की वृद्धि के साथ 73,577 पर और वाणिज्यिक वाहनों की 17.69 प्रतिशत बढ़कर 1,07,841 पर पहुंच गई। वाहनों की कुल बिक्री में

40.53 फीसदी का जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया और यह 40,23,923 इकाई रही। फाडा ने बताया कि अक्तूबर में ग्रामीण भारत मांग में वृद्धि का नया इंजन बनकर उभरा है। उसने अनुकूल मानसून, कृषि आय में वृद्धि और सार्वजनिक बुनियादी ढांचों में सुधार को इसकी वजह बतायी है। मौजूदा वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में अप्रैल से अक्तूबर तक वाहनों की कुल बिक्री में 10.73 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और यह 1,63,91,421 इकाई पर पहुंच गयी। इसमें दुपहिया की बिक्री 12.63 प्रतिशत बढ़कर 1,19,94,390 इकाई और यात्री वाहनों की 5.76 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 25,19,348 इकाई हो गई। ट्रैक्टरों की बिक्री में 11.17 प्रतिशत और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 5.18 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि तिपहिया की बिक्री 7,47,742 इकाई रही।

शिक्षा विभाग में बढ़ता भ्रष्टाचार

नौनिहालों के हक पर डाला जा रहा है डाका

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। आदिवासी बाहुल्य मंडला में सरकार एक ओर जहाँ शिक्षा के स्तर को सुधारने और हर बच्चे तक शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित करने के लिए लाखों करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। तो वहीं दूसरी ओर शिक्षा विभाग के अंदर बैठे कुछ भ्रष्ट अधिकारी और कर्मचारी इस नेक प्रयास पर पानी फेरने में लगे हुए हैं। हालात ऐसे हैं कि नौनिहालों के हक का धन इनके भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है। और जो अधिकारी ईमानदारी से काम करना चाहते हैं, उन्हें विभाग द्वारा तंग कर बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है। सरकार की मंशा नेक है लेकिन व्यवस्था में ह्यजड़ जमाए अजगर रूपी भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों के द्वारा सरकार की शिक्षा के प्रति नेक मंशा के ऊपर पलीता लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही हैं। राज्य सरकार का दावा है कि वह शिक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह सजग और गंभीर है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों की भर्ती की जा रही है। अध्ययनरत बच्चों को छात्रावासों की सुविधा दी जा रही है। मध्यान्ह भोजन योजना से और बच्चों को स्कूली ड्रेस एवं अन्य माध्यमों के द्वारा सशक्त बनाया जा रहा है,। ताकि कोई बच्चा छूट न पाए हर बच्चा स्कूल जाए और अंतिम छोर तक के बच्चे शिक्षा से वंचित न रहें। लेकिन जमीनी हकीकत सरकार की नीतियों को चुनौती देती नजर आ रही है। आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला में शिक्षा विभाग के अंदर ऐसा भ्रष्टाचार फैल चुका है कि कुछ कर्मचारी ह्यअजगरह्न की तरह एक ही जगह वर्षों से जमे हुए हैं। न वे स्थानांतरण होने देते हैं, न ही किसी नई व्यवस्था को लागू होने देते हैं। सूत्रों से जानकारी अनुसार जिले के कई छात्रावासों में अधीक्षक दस-दस वर्षों से अधिक एक ही स्थान पर डटे हुए हैं। विभाग के अंदर यह कहावत मशहूर हो चुकी है – जो लिफाफा पहुँचाता है, वही टिकता है।

कमीशन का खेल और ईमानदारों की दुर्गति

सूत्रों की मानें तो जिले में नियुक्तियों और तबादलों में खुलेआम कमीशन का खेल चल रहा है। जो अधिकारी या कर्मचारीऊपर तक पहुँच बना लेता है, उसे मनमाफिक पदस्थापना मिल जाती है। वहीं जो लोग ईमानदारी से कार्य करना चाहते हैं, उन्हें या तो हाशिये पर डाल दिया जाता है या स्थानांतरण की धमकी दी जाती है। एक वरिष्ठ शिक्षक ने नाम न बताने की शर्त पर बताया यहाँ पदस्थापना योग्यता से नहीं, जेब से तय होती है। जो जितना देगा, उसे उतना बेहतर स्थान मिलेगा। बाकी को परेशान किया जाएगा।

छात्रावासों में अनियमितताएँ और फजीर्वाड़ा

छात्रावासों का उद्देश्य गरीब और पिछड़े वर्ग के बच्चों को सुरक्षित व बेहतर शिक्षा वातावरण उपलब्ध कराना है। परंतु जिले में यह उद्देश्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। कई छात्रावासों में न तो बच्चों के लिए अधीक्षकों के द्वारा पर्याप्त भोजन की व्यवस्था की जा रही है, न ही साफ-सफाई का ध्यान रखा जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कुछ अधीक्षक हर महीने विभाग के उच्च अधिकारियों तक ह्यनजरानाह्न पहुँचाते हैं, जिसके कारण उन्हें वर्षों से एक ही पद पर टिके रहने की छूट मिली हुई है। बच्चों के नाम पर आने वाला राशन, स्टेशनरी, बिस्तर, कॉपी, किताब, पेंसिल, और यूनिफॉर्म तक में हेराफेरी की जा रही है।

गुणवत्ता रहित निर्माण कार्य और करोड़ों की बंदरबांट

नारायणगंज ब्लॉक में हाल ही में करोड़ों रुपये की लागत से एक छात्रावास भवन का निर्माण कराया गया। सरकार का उद्देश्य था कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को बेहतर आवासीय सुविधा मिले। लेकिन निर्माण कार्य पूरा होते ही इमारत की दोनों मंज़िलों की छतें बारिश में टपकने लगीं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि भवन निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया है। जांच के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है, जबकि असल में निर्माण कार्य की गुणवत्ता बेहद निम्न स्तर की थी।सरकारी धन का खुला दुरुपयोग हो रहा है। रिपेयरिंग और मेंटेनेंस के नाम पर हर साल करोड़ों रुपये का बिल बनाया जाता है, लेकिन हालत जस की तस रहती है। कहीं न कहीं यह पूरा खेल मिलीभगत का परिणाम है।

पुराने मामले अब भी सुलझे नहीं

शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार की यह पहली कहानी नहीं है। पूर्व में जनपद घुघरी में एक शिक्षिका द्वारा छात्रों से जूते साफ करवाने का

मामला सामने आया था। उस वक्त भी प्रशासन ने जांच के नाम पर सिर्फ लीपापोती की थी। आरोपित शिक्षिका पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, बल्कि कुछ समय बाद नजराना की अदायगी के बाद में उसे पुनः पदस्थापित कर दिया गया।बर्तमान में जूनियर आदिवासी कन्या आश्रम गिठार अधीक्षिका शुर्मिला कुशरे पर बच्चियो आए हाथ पैर दबाने और प्रताणित करने के आरोप बच्चो और उनके अभिभावकों के द्वारा लगाए गए थे जो वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा निलंबन की कार्यवाही कर घुघरी में अटैच कर दिया है ऐसे कई मामले हैं जहाँ शिकायतों की फाइलें जांच दफ्तरों में वर्षों से धूल फाँक रही हैं।

नौनिहालों का भविष्य दांव पर

सबसे अधिक नुकसान उन मासूम बच्चों का हो रहा है, जिनके भविष्य को सँवारने का जिम्मा यही विभाग उठाता है। छात्रावासों में रह रहे बच्चों को पौष्टिक भोजन, स्वच्छ पानी और सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए, लेकिन भ्रष्टाचार की वजह से ये सुविधाएँ कागजों में सिमट कर रह गई हैं।बहुत से हॉस्टलों में बच्चों को शासन के मेन्यू के हिसाब से भोजन नही मिलता तो कहीं पर यूनिफॉर्म महीनों की देरी से पहुँचती है। और किताबें समय पर नहीं मिलतीं। ऐसे में सवाल उठता है कि सरकार द्वारा दी जा रही योजनाओं का वास्तविक लाभ आखिर किसे मिल रहा है बच्चों को या भ्रष्ट अधिकारियों को?

प्रशासनिक अमला क्यों मौन है?

सरकार की नीतियाँ स्पष्ट हैं – पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन। बावजूद इसके जब निचले स्तर पर इस तरह की गड़बड़ियाँ हो रही हैं क्या भ्रष्टाचार करने वालों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है या फिर अधिकारियों ने चुप्पी साध ली है क्योंकि ऊपर से भी हिस्सा पहुँचता है नाम न बताने की शर्त पर एक वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता का कहना है – भ्रष्टाचार पर कार्रवाई तभी संभव है जब राजनीतिक इच्छाशक्ति हो। जब तक ऊपर से कड़ा संदेश नहीं जाएगा, तब तक नीचे के अधिकारी मनमानी करते रहेंगे।

ईमानदार अधिकारियों को क्यों नहीं संरक्षण?

कई बार ऐसे अधिकारी कर्मचारियों जो ईमानदारी से काम करना चाहते हैं, उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। उन्हें अनुशासनहीनता या कार्य में असंतोषजनक प्रदर्शन जैसे आरोपों में फँसाकर दूर-दराज क्षेत्रों में ट्रांसफर कर दिया जाता है। यही वजह है कि धीरे-धीरे विभाग में ईमानदार अधिकारियों कर्मचारियों की संख्या कम होती जा रही है, और भ्रष्टाचारियों का नेटवर्क मजबूत होता जा रहा है।

शासन की भूमिका और अपेक्षित कदम

राज्य सरकार को यह समझना होगा कि शिक्षा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार सिर्फ आर्थिक हानि नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध भी है। जब बच्चों का हक छीना जाता है, तो यह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से खिलवाड़ होता है।जरूरत इस बात की है कि लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे अधिकारियों का अनिवार्य तबादला किया जाए।छात्रावासों और विद्यालयों की थर्ड पार्टी से जांच कराई जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आए। भ्रष्टाचार की शिकायतों पर त्वरित और पारदर्शी कार्रवाई की जाए। जनप्रतिनिधियों और नागरिक समाज की निगरानी बढ़ाई जाए, ताकि योजनाओं का लाभ वास्तव में बच्चों तक पहुँच सके। शिक्षा सभ्य समाज की रीढ़ की हड्डी हैं जिस आधार पर एक सभ्य समाज की दिशा और दशा तय होती है। यदि यही व्यवस्था भ्रष्टाचार की जकड़ में आ जाए, तो राष्ट्र का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। सरकार भले ही नई योजनाएँ और नीतियाँ बनाती रहे, लेकिन जब तक जमीनी स्तर पर बैठे भ्रष्टाचारियों पर नकेल नहीं कसी जाती, तब तक नौनिहालों की हालत सुधरने की उम्मीद व्यर्थ है। क्या कोई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि या वरिष्ठ अधिकारी इस भ्रष्टाचार की सड़न को साफ करने की हिम्मत जुटा पाएंगे, या फिर नौनिहालों का हक इसी तरह भ्रष्टाचार की बलि चढ़ता रहेगा।

इनका कहना

गिठार कन्या आश्रम की अधीक्षिका के ऊपर निलंबन की कार्यवाही कर घुघरी में अटैच किया गया है और जो अधिक्षिक एक ही जगह वर्षों से जमे हुए है उन्हें भी हटाने की कार्यवाही की जायेगी ।

वंदना गुप्ता
सहायक आयुक्त मंडला

सिंधी समाज के आराध्य देव पर आपत्तिजनक टिप्पणी पर कार्यवाही को लेकर दिया ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले में विगत दिवस छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के तथाकथित नेता अमित बघेल के द्वारा सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल पर एवं सिंधी समाज पर अपमानजनक टिप्पणी की गई। उक्त आपत्तिजनक टिप्पणी और आपत्तिजनक वीडियो को सोशल मीडिया में प्लेटफार्म पर प्रसारित किया गया। इसे सामाजिक बंधुओ ने देखा, इससे सिंधी समाज की धार्मिक आस्था को गंभीर ठेस पहुंची है।इससे देश के समस्त सिंधी समाज के नागरिक आहत हुए हैं जिससे सिंधी समाज में आक्रोश व्याप्त है।अमित बघेल के द्वारा हल्की ख्याति प्राप्त करने की दुर्भावना से सिंधी समाज की आस्था पर गहरी चोट पहुंची है। इसको लेकर आज सिंधी समाज के द्वारा मर्यादित रैली निकालते हुए माननीय राज्यपाल महोदय छत्तीसगढ़ के नाम कलेक्टर मंडला को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें पूज्य सिंधी पंचायत मंडला के द्वारा सविनय आग्रह किया गया कि छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के नेता अमित बघेल के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत प्रभावी कार्यवाही कर इनकी गिरफ्तारी की जाए। बताया गया कि सिंधी समुदाय में प्रारंभ से ही शासन प्रशासन सहित संविधान और कानून पर पूर्ण विश्वास और अनंत सहजता रही है, किंतु इस व्यक्ति के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही न होने से सिंधी समुदाय खुद को असहाय महसूस कर उग्र आंदोलन के लिए विवश हो रहा है। रैली में बड़ी संख्या में सिंधी समाज के नागरिक उपस्थित रहे।

परिषद की पाठशालाजरूरतमंद बच्चों को देंगे मुफ्त शिक्षा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा परिषद की पाठशाला का शुभारंभ किया गया। बड़ी खैरी कम्पोस्ट कॉलोनी स्तिथ भारत माता मंदिर में परिषद की पाठशाला का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मौके पर उपस्थित सदस्यों एवं बच्चों ने भी स्वामी विवेकानंद जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि किया और माता सरस्वती की पूजा अर्चना की। वही परिषद की पाठशाला के उद्देश्य पर चर्चा करते हुए प्रांत कार्यकारणी सदस्य प्रिंस सिंह ने कहा कि इस पाठशाला के माध्यम से समाज के बच्चों को शिक्षा अधिगम के मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य निःशुल्क किया जाएगा। बच्चों को मुफ्त शिक्षा और उचित मार्गदर्शन के लिए अभाविप कृतसंकल्पित है। परिषद की पाठशाला के शुभारंभ में प्राचार्य पीएम श्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस अनिल गुप्ता, प्रोफेसर टी पी मिश्रा, बीएसवीपी प्रमुख अजय वंशकार, अभाविप प्रांत कार्यसमिति सदस्य वागीश पटेल, प्रिंस सिंह,नयन यादव ,शिवांग मार्को आनंद सिंगरौरे , संदीप परस्ते, मयंक बघेल, यश कछवाहा , कान्हा नामदेव आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनजातीय गौरव दिवस पखवाड़ा पर विशेष
पेसा की पहल से बढ़ेगा जनजातियों का गौरव

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। लगभग तीन दशक पहले भारत की संसद ने आदिवासी इलाकों के लिए एक बेहद जरूरी कानून पेसा पारित किया था। इसमें आदिवासी समाज को उनकी पारंपरिक स्वायत्तता और उसी के मुताबिक आसपास के संसाधनों को वापरने की अनुमति दी गई थी, लेकिन आज के विकासवादी राजनेताओं, पूंजीपतियों और नौकरशाहों को यह कतई मंजूर नहीं था। आखिर क्या है, पेसा की अहमियत? वर्ष 2021 में घोषित 15 नवंबर के जनजातीय गौरव दिवस को इस वर्ष एक से 15 नवंबर के बीच जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा के रूप में मनाने की घोषणा की गई है। यह दिवस भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (15 नवंबर 1875) के अवसर पर मनाया जाता है। यह केवल स्मरण-दिवस नहीं, बल्कि नीति निर्माण में आदिवासी दृष्टिकोण को केंद्र में लाने का अवसर है। समय आ गया है कि आदिवासी दृष्टिकोण को सही मंशा के साथ संवैधानिक प्रावधानों में लागू किया जाए। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने संविधान के भाग-9 के अनुच्छेद-243 से जुड़े पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों का विस्तार) अधिनियम, 1996 अर्थात पेसा कानून बनाया था। 24 दिसंबर 1996 से प्रभावी यह कानून विशेष रूप से अनुसूचित क्षेत्रों के लिए बनाया गया था, जहां सामान्य पंचायती राज व्यवस्था सीधे लागू नहीं की जा सकती थी। 73 वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 में पंचायतों के गठन, शक्तियां और कार्यप्रणाली का उल्लेख तो किया गया है, परंतु प्रावधान किया गया है कि यह भाग अनुसूचित क्षेत्रों और आदिवासी क्षेत्रों पर लागू नहीं होगा। इसलिए इन क्षेत्रों के लिए अलग से कानून बनाने की आवश्यकता हुई। पांचवीं अनुसूची में दिए गए प्रावधान अनुसूचित क्षेत्रों और वहां के जनजातीय समुदायों के प्रशासन से संबंधित हैं। इसी के तहत राष्ट्रपति को अधिकार है कि वे इन क्षेत्रों के लिए विशेष प्रावधान करें। इन्हीं संवैधानिक प्रावधानों के आधार पर भारत सरकार ने पेसा कानून लागू किया था जो आदिवासी क्षेत्रों में स्थानीय स्वायत्त सरकार की सशक्त नींव रखता है। यह संविधान के स्वशासन और आत्मनिर्णय के सिद्धांत को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। राज्य सरकार को अनुसूचित क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदायों को स्वशासन का अधिकार देना है, अर्थात ग्रामसभा को निर्णय लेने की सर्वोच्च इकाई बनाना है। अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सरकार और जिला स्वायत्त परिषदें केवल प्रशासनिक ढांचे नहीं हैं, बल्कि आदिवासी समुदायों के सांस्कृतिक अस्तित्व, आत्मनिर्णय और सतत विकास के संवैधानिक साधन हैं। स्थानीय स्वायत्तता में प्रमुख हैं झ्र ग्रामसभा को भूमि, जल, वन संसाधनों के उपयोग, प्रबंधन और संरक्षण में निर्णय लेने का अधिकार और स्थानीय विकास योजनाओं की स्वीकृति और निगरानी का अधिकार, संसाधनों का प्रबंधन, लघु वनोपज, जलस्रोत, खनिज, चारागाह, ईंधन, मछली पालन आदि पर सामुदायिक नियंत्रण। परंपरागत न्याय व्यवस्था के अनुसार ग्रामसभा विवादों को निपटा सकती है। ग्रामसभा की अनुमति के बिना भूमि हस्तांतरण या अधिग्रहण नहीं किया जा सकता। ग्रामसभा से अनिवार्य परामर्श के बिना कोई विकास परियोजना शुरू नहीं की जा सकती। भारत जन आंदोलन के विजय भाई कहते हैं कि पांचवीं अनुसूची के ढांचे में केन्द्र और राज्य सरकारों तथा राज्यपालों को कृपालु पालनकर्ता जैसा बनाया गया है। उनके मन में आया तो कोई कानून बनाएं, नहीं तो नहीं भी बनाएं, लेकिन संसद ने जो पेसा कानून बनाया है वह पांचवीं अनुसूची के कृपालु पालनकर्ता की बजाए एक स्वशासी, स्वाभिमानी ढांचे को स्थापित करता है। यह राज्य और केन्द्र सरकारों, राज्यपालों के विवेक पर निर्भर नहीं है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पांचवीं अनुसूची के क्षेत्रों में पेसा कानून लागू होने के करीब 29 वर्षों बाद भी कुछ राज्यों ने इसके नियम नहीं बनाए हैं। पेसा कानून का अर्थ है झ्र स्थानीय स्वायत सरकार। संविधान की सातवीं अनुसूची के मुताबिक राज्य विधानमंडल को इस हेतु कानून बनाना पड़ेगा। प्रश्न उठता है कि संसद ने तब नियम क्यों नहीं बनाए? पांचवीं अनुसूची के पैरा-3 के तहत संसद ने जो पेसा कानून बनाया है, वह सिर्फ राज्य को निर्देश है। उससे ज्यादा संविधान इजाजत नहीं देता। संसद ने जो पेसा कानून बनाया है वह केवल अनुसूचित क्षेत्र में संविधान के भाग-9 को विस्तार देते हुए निर्देशित करता है कि राज्य सरकार कानून बनाकर उसे लागू करे।

जनपद कॉम्प्लेक्स बिंझिया में कब्जा बरकरार राजस्व विभाग की कार्रवाई पर उठे सवाल

नोटिस के बाद भी नहीं टूटी नींद, अवैध निर्माण जस का तस

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला।जनपद पंचायत कॉम्प्लेक्स बिंझिया में वर्षों से चले आ रहे अवैध कब्जे पर प्रशासन की लापरवाही साफ झलक रही है। शिकायतों और निर्देशों के बावजूद राजस्व विभाग की कार्रवाई केवल नोटिस तक सीमित रह गई है। इससे न केवल सरकारी संपत्ति पर अतिक्रमण बढ़ा है बल्कि विभागीय कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, कॉम्प्लेक्स की पहली दुकान में दुकानदार द्वारा लंबे समय से अतिरिक्त निर्माण कर लिया गया है। दुकान की सीढ़ी तक पर कब्जा कर वहां वॉशिंग सेंटर संचालित किया जा रहा है। इतना ही नहीं, सेंटर संचालक ने शासकीय हैंडपंप से अपने उपयोग के लिए हरी नेट डालकर सड़क किनारे तक पाइपलाइन खींच दी, जिससे राहगीरों और आसपास के दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।
स्थानीय लोगों ने इस मामले की शिकायत जिला कलेक्टर से की थी। एसडीएम के निर्देश पर तहसीलदार और राजस्व अमला मौके पर पहुंचा, पंचनामा तैयार किया और दुकानदार को नोटिस जारी किया गया। लेकिन इसके बाद न तो निर्माण हटाया गया और न ही वॉशिंग सेंटर का स्टैंड सड़क से उठाया गया। कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित रह गई है। करीब आठ से दस साल से जारी इस अवैध कब्जे पर विभाग अब तक न तो जुमार्ना लगा सका और न ही निर्माण हटवाने की कोई ठोस पहल की।

नागरिकों का कहना है कि जब सरकारी परिसर में ही इस तरह कब्जा बना रहेगा तो आम जनता में गलत संदेश जाएगा। विभागीय उदासीनता से अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं। लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन अब भी सख्त रुख नहीं अपनाता तो कॉम्प्लेक्स की शासकीय भूमि पर कब्जे का सिलसिला आगे और बढ़ेगा। जरूरत है कि नोटिस की औपचारिकता से आगे बढ़कर मौके पर वास्तविक कार्रवाई की जाए, ताकि सरकारी संपत्तियों को अतिक्रमण से बचाया जा सके।

इनका कहना हैं

नोटिस तो कई बार दिए जाते हैं, पर कार्रवाई सिर्फ फाइलों तक सीमित रहती है। कॉम्प्लेक्स की सीढ़ी तक पर कब्जा कर दुकानें बढ़ाई जा रही हैं और अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं।

स्थानीय दुकानदार
जनपद कॉम्प्लेक्स
मंडला

प्रकरण में दुकानदार की पेशी हो चुकी है। सेंटर का स्टैंड हटवाया जाएगा। अतिरिक्त कब्जे के संबंध में कार्रवाई जनपद पंचायत द्वारा की जाएगी।

रामसिंह उलाड़ी,
तहसीलदार, मंडला

विश्व हिन्दू परिषद (बजरंग दल) जिला बिछिया की बैठक आयोजित कर जिले के प्रखंड का पदभार सोपा गया

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। विश्व हिन्दू परिषद (बजरंग दल) जिला बिछिया की बैठक दिनांक 06 नवंबर दिन गुरुवार को संघ कार्यालय बिछिया में जिला अध्यक्ष जगदीश ठाकुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुई, जिसमें संगठन के नए दायित्वों की घोषणा हुई, जिसके तारतम्य में हितेश तिवारी बिछिया प्रखंड अध्यक्ष (विहिप), विश्राम सिंह मार्को प्रखंड उपाध्यक्ष, मयंक मिश्रा प्रखंड उपाध्यक्ष एवं रत्नेश यादव, जिला मठमंदिर एवं अर्चक पुरोहित प्रमुख, इस प्रकार नए दायित्वों की घोषणा जिला मंत्री बलदाऊ राजपूत द्वारा की गई। इसके अतिरिक्त विश्व हिन्दू परिषद के नगर एवं प्रखंड टोली के विस्तार की कार्ययोजना के साथ आगामी शौर्य दिवस कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा हुई। उक्त संपूर्ण कार्यक्रम में विश्व हिन्दू परिषद, जिला उपाध्यक्ष आजाद चौबे, जिला धर्मप्रसार प्रमुख विवेक कुमार पाण्डेय, प्रखंड मंत्री राजू भाषंत, नगर अध्यक्ष सचिन तेकाम, गौ रक्षा प्रमुख बंटी जंघेला, विद्यार्थी प्रमुख मनोज गोस्वामी उपस्थित रहे।

घुघरी में झोलाछाप डॉक्टरों के क्लीनिकों पर संयुक्त टीम का छापा मौके से दवाइयाँ गायब

स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई फर्जी चिकित्सक दिखाने लगे मेडिकल की डिग्री

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। स्वास्थ्य सेवाओं में अनियमितताओं पर नकेल कसने के उद्देश्य से, आज घुघरी में जिला कलेक्टर के सख्त आदेश पर एक बड़ी संयुक्त जांच कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई दोपहर 3 बजे शुरू हुई और इसका निशाना क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे झोलाछाप डॉक्टरों की डिस्पेंसरियाँ थीं।

उच्च अधिकारियों के निर्देशन में संयुक्त टीम:

यह गहन जांच अभियान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (रुव्ट) घुघरी के सीधे निर्देशन में चलाया गया। टीम में ये अधिकारी शामिल थे, तहसीलदार, पटवारी, राजस्व निरीक्षक , खंड चिकित्सा

अधिकारी (बीएमओ) पुलिस स्टाफ के सदस्य

जांच की भनक लगते ही हड़कंप

जांच टीम ने सबसे पहले घुघरी मुख्यालय स्थित क्लीनिकों का रुख किया। इस दौरान यह बात सामने आई कि जो लोग स्वयं को महिला रोग विशेषज्ञ बताकर इलाज कर रहे थे, उन्हें जैसे ही टीम के आने की भनक लगी, वे सकते में आ गए। फर्जी चिकित्सकों ने आनन-फानन में अपनी सभी दवाइयाँ और इंजेक्शन किट मौके से गायब कर दिए। कार्रवाई से बचने के लिए, ये कथित चिकित्सक जांच टीम को अपनी मेडिकल की डिग्री दिखाने लगे और अपने पास रखी दवाओं की स्वयं जांच कराने का दिखावा करने लगे।

ब्लॉक स्तर तक फैली कार्रवाई

यह जांच केवल घुघरी मुख्यालय तक ही सीमित नहीं रही। संयुक्त टीम ने स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार लाने के लिए घुघरी ब्लॉक के अन्य क्षेत्रों में संचालित झोलाछाप डॉक्टरों के क्लीनिकों पर भी सघन जांच की। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अवैध रूप से चिकित्सा करने वालों और लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक, मुकेश श्रीवास द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं सिविल लाईन जवाहर वार्ड मंडला से प्रकाशित। प्रधान संपादक-मुकेश श्रीवास, सिविल लाईन, जवाहर वार्ड मंडला । मो. 9406771592, संपादक - प्रहलाद उइके
RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877 (समाचार पत्र के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार मंडला) Email:- revanchaltimes@gmail.com web-revanchaltimes.in

पुलिस ने 7 नग भैंसा को किया जप्त, पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा 07 नग भैंसा को क्रूरता पूर्वक पैदल हांककर ले जाने वाले आरोपियो से 03 नग भैंस एवं 04 नग पड़ा जप्त किया जाकर 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली अनूपपुर पुलिस को शिव मारूति युवा संगठन अनूपपुर के कार्यकर्ताओ से सूचना प्राप्त हुई कि न्यू सब्जी मण्डी माडल स्कूल रोड होकर तीन चार व्यक्ति मिलकर 06-07 नग भैंस एवं पड़ा लेकर मारते पीटते तथा खींचते हुए क्रूरतापूर्वक ले जा रहे है। जिस पर थाना प्रभारी कोतवाली टी.आई. अरविन्द जैन के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक कमलेश तिवारी, प्रधान आरक्षक राजकुमार साहू, आरक्षक अमित यादव की टीम द्वारा संगठन के सदस्यों की उपस्थिति में कार्यवाही कर न्यू सब्जी मण्डी माडल स्कूल रोड में आरोपी दुर्गा दास महरा पिता लल्ला महरा उम्र 26 वर्ष, कबीरदास महरा पिता चोखेलाल महरा उम्र 26 वर्ष, सागर महरा पिता पुरूषोत्तम महरा उम्र 24 वर्ष एवं रोहित बैगा पिता समयलाल बैगा उम्र 30 वर्ष सभी निवासी ग्राम हथगला थाना बुढार जिला शहडोल के कब्जे से 07 नग मवेशी जिसमें 03 नग भैंस एवं 04 नग पड़ा कुल कीमती 72000 रुपए के जप्त किया जाकर आरोपीगणो के विरूद्ध धारा 11 (1)घ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही कर आरोपीगणो के विरूद्ध अपराध क्रमांक 517/25 धारा 11 (1)घ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम पंजीबद्ध किया जाकर कार्यवाही की जा रही है। पुलिस द्वारा जप्तशुदा पशुओं का पशु चिकित्सक से मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

श्रद्धालुओं ने नर्मदा मंदिर में पूजन-अर्चन, गाजे बाजे के साथ प्रारंभ की पंचकोशी नर्मदा परिक्रमा

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। पवित्र नगरी अमरकंटक में आज गुरुवार, 6 नवंबर 2025 (अगहन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, भरणी नक्षत्र) को पतित पावनी मां नर्मदा की पांच दिवसीय पंचकोशी नर्मदा परिक्रमा का शुभारंभ हुआ। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के करेली से पहुंचे सैकड़ों भक्त श्रद्धालुओं ने नर्मदा मंदिर में विधिवत पूजन-अर्चन के बाद गाजे-बाजे, भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ परिक्रमा यात्रा प्रारंभ की। यह पंचकोशी नर्मदा परिक्रमा 10 नवंबर 2025 (सोमवार, अगहन कृष्ण पक्ष पंचमी-षष्ठी, पुनर्वसु नक्षत्र) को नर्मदा उद्गम मंदिर में हवन, पूजन-अर्चन, आरती और भंडारे के साथ सम्पन्न होगी। परिक्रमा में लगभग 1000 से अधिक महिला-पुरुष श्रद्धालु भाग ले रहे हैं, जो भक्ति और उत्साह से ओत-प्रोत होकर मां नर्मदा के जयघोष करते हुए यात्रा पर निकले हैं। इस धार्मिक यात्रा में मध्य प्रदेश के अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए हैं। यह परिक्रमा परंपरा स्वर्गीय जगदीश प्रसाद तिवारी द्वारा आरंभ की गई थी, जिसे उनके सुपुत्र पंडित शिवकुमार तिवारी पिछले लगभग 25 वर्षों से अनवरत रूप से संचालित कर रहे हैं। परिक्रमा का प्रथम पड़ाव नर्मदा माई की बगिया में हुआ, जहां श्रद्धालुओं ने रात्रि विश्राम और मां नर्मदा का ध्यान-पूजन किया। शुक्रवार को द्वितीय दिवस की शुरूआत स्नान-पूजन और भजन-संकीर्तन से होगी, जिसके उपरांत श्रद्धालु अगले पड़ाव के लिए प्रस्थान करेंगे। श्रद्धालु इस पांच दिवसीय यात्रा में पैदल ही वन क्षेत्र के उबड़-खाबड़ मार्ग, नदी-नालों को पार करते हुए मां नर्मदा के नाम का जाप करते चलते हैं। परिक्रमा स्थलों पर सीमित सुविधाओं के बावजूद भक्तगण श्रद्धा, भक्ति और अनुशासन के साथ मां नर्मदा की आराधना में लीन रहते हैं।

अभाविप द्वारा पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में व्याप्त समस्याओं को लेकर तालाबंदी कर किया घेराव

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शहडोल नगर के कार्यकताओं द्वारा पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में लगातार हो रही अनियमितताओं एवं समस्याओं को लेकर विश्वविद्यालय के गेट पर तालाबंदी कर घेराव किया। नगर मंत्री अमन त्रिपाठी का कहना है कि विश्वविद्यालय में लगातार छात्र अपनी समस्याओं को लेकर परेशान होता रहता है, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन मूक दर्शक बनकर बैठा हुआ है, समस्याओं को लेकर विद्यार्थी परिषद तीन घंटों तक आंदोलन को जारी रखा। विश्वविद्यालय की प्रमुख समस्याओं जैसे- विश्वविद्यालय द्वारा वऋ प्रथम वर्ष की परीक्षाए तो अगस्त माह में संपन्न हुई, परंतु आज तक परीक्षा परिणाम जारी नहीं किया गया, जिसे तत्काल रूप से जारी किया जाए ,विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद बैठक में खेल विभाग के लिए खेल सामग्री एवं विश्वविद्यालय के शहडोल स्थित कैंपस में खेल मैदान के चारों तरफ बाउंड्री वॉल की ऊंचाई बढ़ाने के लिए ओर पुराने छात्रावास के भवन के जीणोद्धार के लिए राशि का आवंटन होने के बाद भी आज तक किसी भी रूप से कार्यवाही नहीं की गई, जिसको संज्ञान में लेते हुए तत्काल कार्यवाही की जाए। विश्वविद्यालय द्वारा कुछ दिन पूर्व पुरुष कबड्डी की टीम इंदौर विश्वविद्यालय से खेलने में गई, जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें न तो ट्रैकशूट दिया गया और न ही टीए (यात्रा भत्ता) दिया गया, जिसमें खिलाड़ियों ने स्वयं के व्यय से अपनी यात्रा की जिसे उन्हें वापस किया जाए और उन्हें ट्रैक शूट प्रदान किया जाए। विश्वविद्यालय के प्रत्येक अंतर विश्वविद्यालय खेलों में विश्वविद्यालय की टीमों का प्रतिनिधित्व पूरी किट और टीम मैनेजर, कोच के साथ हो, यह है कि विश्वविद्यालय का नवीन सत्र प्रारंभ हो चुका है, परंतु आज तक विश्वविद्यालय ने अपना वार्षिक कैलेंडर जारी नहीं किया, जिसे संज्ञान में लेते हुए वार्षिक कैलेंडर जारी किया जाए, जिससे आगामी होने वाले कार्यक्रम की जानकारी विद्यार्थियों तक प्राप्त होती रहे, विश्वविद्यालय में पर्याप्त प्राध्यापक होने के बाद भी नियमित कक्षायें संचालित नहीं होती, जिसे संज्ञान में लेते हुए नियमित कक्षायें प्रारंभ की जाए, एग्रीकल्चर की नियमित कक्षायें व जो परीक्षा एक सेमेस्टर लेट चल रही उसे समय पर कराने का प्रयास किया जाए, विश्वविद्यालय के शहडोल स्थित कैंपस में नियमित सीनियर प्रोफेसर जो कि अपनी मनमर्जी से क्लास लेते है, ऐसे लोगों चिन्हित कर उन पर कार्यवाही हो,वविश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2025-26 में हुए बीए के प्रवेश में प्रवेश फीस में बिना किसी पूर्व सूचना के 550 रुपए की वृद्धि की गई थी। जिसे बीए के नामांकन में समाहित किया जाए, विश्वविद्यालय में लगभग 15000 छात्र छात्राएं अध्यनरत है, और प्रत्येक विद्यार्थी से बस की फीस ली जाती है, जिसको ध्यान में रखते हुए बसों की संख्या में वृद्धि की जाए एवं बसों में सीटों के अनुसार बैठाया जाए। विश्वविद्यालय में स्किल सब्जेक्ट पढ़ाने हेतु प्राध्यापकों की नियुक्ति की जाए। कैंपस के अंदर आए दिन बाहरी असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट गाली गलौज की जाती है जिसमें परिसर प्रभारी का कोई ध्यान नहीं रहता जिसको देखते हुए परिसर प्रभारी को बदला जाए, इन सभी मांगों को लेकर आज विद्यार्थी परिषद शहडोल नगर के कार्यकर्ता एवं विश्वविद्यालय के छात्राओं द्वारा किया गया।

वंदे मातरम् का 150वां स्मरणोत्सव देश के नायकों, एवं बलिदानियों को नमन करने का दिन

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150वें स्मरणोंत्सव के अवसर पर जिला मुख्यालय शहडोल के पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के पुराने कैम्पस के समीप स्थित शहीद स्मारक में देश की आजादी के नायकों एवं बलिदानियों तथा शहडोल नगर के शहीद सैनिक देवेन्द्र सोनी की प्रतिमा पर प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, विधायक जयसिंहनगर मनीषा सिंह, पूर्व विधायक प्रमिला सिंह, जिला योजना समिति की सदस्य अमिता चपरा सहित सैकड़ों कार्यकताओं ने श्रृद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उपस्थित जन समूह द्वारा डॉ. दशमीत कौर अरोरा के स्वर से स्वर मिलाते हुए राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा कि 1857 की क्रांति में अंग्रेजों के दमन के कारण देश में जो शून्यता आई थी उसे बंकिमचन्द्र चटर्जी ने आनन्दमठ उपन्यास में वंदे मातरम् गीत की रचना कर एक बार पुनः स्वतंत्रता सेनानियों में देश की स्वतंत्रता के लिए जोश भर दिया। यह महागीत राष्ट्रप्रेम की जागरूकता का गीत बन गया है। आजादी के दीवानों ने देश को स्वतंत्र कराने के लिए लाठियां खाई, गोली खाई, फांसी पर चढ़े और देश को स्वतंत्र कराकर ही दम लिया। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् देश की आजादी के पूर्व एवं स्वतंत्रता के बाद के सपनों का भारत बनाने का माध्यम बन गया है। हम सबको स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग एवं बलिदान को याद करते हुए उनके सपनों का भारत बनाने के लिए लगातार प्रयास की जरूरत है। राज्य मंत्री ने कहा कि आर्थिक रूप से समृद्ध एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंत्र हर घर स्वदेशी- घर घर स्वदेशी अभियान को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में अमलीजामा पहनाने का कार्य आप सबके सहयोग से ही संभव है। आपने कहा है कि केन्द्र सरकार द्वारा जीएसटी में छूट देने तथा देश वासियों द्वारा स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने के उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। त्यौहारों के दौरान 88 प्रतिशत लोगों द्वारा स्वदेशी वस्तुओं को अपनाया गया है। देश की स्वतंत्रता में भी स्वदेशी आन्दोलन का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। विधायक मनीषा सिंह ने कहा कि राष्ट्रगीत वंदे मातरम के हर शब्द में मां भारती के प्रति श्रृद्धा त्याग और वीरता की भावना निहित है। हम सबको इस गीत की भावना को आत्मसात कर देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए सदैव समर्पित भाव से कार्य करना चाहिए।

खाली मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरी, मेंटिनेंस की कमी के कारण हो रहा है हादसा

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के अमलाई स्थित ओरियंट पेपर मिल में माल अनलोड कर वापस जा रही मालगाड़ी के डिब्बे फिर से डिरेल हो गए। सप्ताह भर के भीतर यह उक्त रेल मार्ग में दूसरी घटना है। यह घटना शुक्रवार तड़के साढ़े 5 बजे उस समय हुई, जब मालगाड़ी ओरियन्ट पेपर मिल से माल अनलोड कर वापस अमलाई रेलवे स्टेशन मेन लाइन की ओर आ रही थी। घटना के बाद लोको पायलट द्वारा इसकी सूचना वारिष्ठ अधिकारियों को दी गई। इस डिरेल में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पता चला है कि मिल के अंदर तक जाने वाली रेल लाइन का रख रखाव व मेंटेनेन्स की जिम्मेदारी मिल प्रबंधन की है, लेकिन एक लम्बे अर्से से उक्त रेल ट्रैक का मेंटेनेन्स नहीं कराया गया है। जिस कारण सप्ताह भर के भीतर यह दूसरी घटना घटित हो गई। रेलवे के एक अधिकारी के अनुसार कभी-कभी तकनीकी खामियों के कारण ऐसी घटना होती हैं। घटना के बाद रेलवे कर्मचारियों ने तुरंत सुधार कार्य शुरू कर दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि उक्त रेल ट्रैक काफी पुराना हो चुका है, जिससे पटरियां काफी घिस चुकी हैं। संभवतः इसी कारण आए दिन यहां ऐसा हादसा हो रहा है। मिल प्रबंधन को चाहिए कि उक्त रेल ट्रैक का शीघ्र मेंटेनेन्स कराएं, ताकि भविष्य में ऐसे हादसे कि पुनरावृत्ति न होने पाए। एक सप्ताह पहले अमलाई स्थित ओरियंट पेपर मिल में माल लेकर जा रही एक मालगाड़ी के डिब्बे के दो पहिए अचानक पटरी से उतर गए थे ।घटना तब घटी जब मालगाड़ी बुढ़ार-अनूपपुर मुख्य मार्ग से गुजर रही थी। घटना के समय फाटक बंद था, जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।घटनास्थल के निकट खड़े राहगीरों ने इस अप्रिय घटना का वीडियो बना लिया था।जो सामने आया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि मिल प्रबंधन सही ढंग से पटरी का रखरखाव नहीं करता है और कई साल पुराने ट्रैक पर माल गाड़ियों का आना-जाना आज भी बरकरार है। जिससे आए दिन ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं। प्रबंधन को इस पर जल्द सही कदम उठाना चाहिए। रेलवे के एक अधिकारी के अनुसार यह ट्रैक मिल प्रबंधन का निजी ट्रैक है।

पटवारियों का वेतन बहाली का आदेश प्रसारित किये जाने के संबंध में कमिश्नर को सौपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर।कलेक्टर अनूपपुर के द्वारा संदर्भित आदेशानुसार लोक सेवा के समय सीमा बाह्य प्रकरणों के निराकरण न होने एवं वांछित प्रगति नही होने का एकमात्र जिम्मेदार केवल पटवारियों को मानते हुए आगामी आदेश तक के लिए कलेक्टर अनूपपुर द्वारा दिनांक 29/09/2025 को वेतन आहरण पर रोक लगा दिया गया था, जिसमें माह सितंबर व अक्टूबर का वेतन अप्राप्त है, जो आज तक लागू है। एक कर्मचारी के वेतन से कर्मचारी का परिवार जिसमें वृद्ध माता-पिता, बच्चे होते है, सभी का भरण-पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य इत्यादि जिम्मेदारी का निर्वहन होता है। सितंबर माह से वेतन न मिलने के कारण हिन्दू धर्मावलंबियों, का प्रमुख त्यौहार दशहरा, करवा चौथ, दीपावली फीका रहा। लोक सेवा के प्रकरणों के समय-सीमा में निराकरण न होने का एकमात्र दोषी जिले के समस्त पटवारियों को मानना व पूरे जिले के पटवारियों का वेतन रोकना किसी भी दृष्टि से विधि सम्मत नही है व प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्त के विपरीत है। यह कि वेतन रोके जाने के उपरांत भी जिला अनूपपुर अंतर्गत पटवारियों द्वारा समस्त विभागीय कार्यों का निर्वहन न्यायालयीन प्रकरणों में प्रतिवेदन प्रेषित करना, जनसुनवाई, जनाकांक्षा, सी.एम. हेल्पलाईन आवेदनों के संबंध में निराकरण करना, निर्वाचन संबंधी कार्य एवं आपदा की स्थिति में सर्वे एवं क्षति प्रकरण तैयार करना आदि कार्य सुचारू रूप से किए जा रहे है। उपरोक्त संबंध में वेतन बहाल किये जाने हेतु जिलाध्यक्ष म.प्र. पटवारी संघ जिला अनूपपुर के द्वारा अनूपपुर कलेक्टर के समक्ष दिनांक 03/11/2025 को अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया था, जिसका निराकरण आज दिनाँक तक नही हो पाया है। संभाग के समस्त पटवारी ने कमिश्नर से उक्त कार्यवाही को संज्ञान में लेते हुए जिला अनूपपुर अंतर्गत 2022 वारियों का माह सितंबर व अक्टूबर 2025 का वेतन बहाली आदेश व भुगतान कराये जाने की मांग की है। उक्त अ के संबंध में तीन दिवस में निराकरण न होने की स्थिति में संभाग शहडोल के समस्त पटवारी आंदोलन हेतु बाध्य होंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

पीआरटी महाविद्यालय में वंदे मातरम्ह के 150 वर्ष पूर्ण होने पर स्मरणोत्सव का हुआ भव्य आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की रचना को 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पीआरटी महाविद्यालय, अनूपपुर में वंदे मातरम्झ150वाँ स्मरणोत्सव कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। यह आयोजन राष्ट्रभक्ति, एकता और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना को पुनः जागृत करने वाला रहा। महाविद्यालय के छात्रझछात्राओं द्वारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का सामूहिक गान किया गया, जिससे पूरा परिसर देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो उठा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर के प्राध्यापक डॉ. नीरज श्रीवास्तव उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में वंदे मातरम् की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और इसके माध्यम से देश की स्वतंत्रता संग्राम में आई चेतना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह भारतवासियों की आत्मा का स्वर है जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को दिशा दी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय के संचालक डॉ. देवेंद्र कुमार तिवारी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह दिन हमें अपने देश, अपनी संस्कृति और अपने राष्ट्रगौरव की पहचान कराता है। वंदे मातरम् जैसी अमर रचनाएँ भारतीयता की आत्मा हैं, जो हर पीढ़ी को देशभक्ति के पथ पर अग्रसर करती हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं — जिनमें देशभक्ति गीत, कविता-पाठ, भाषण और समूह गान प्रमुख रहे। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत भारत माँ के गौरवगान पर आधारित समूह नृत्य को सभी ने सराहा। कार्यक्रम में वंदे मातरम् के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के जीवन और योगदान पर भी विशेष प्रस्तुति दी गई, जिसमें बताया गया कि कैसे 1875 में लिखी गई यह रचना भारत के स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा बनी। इस आयोजन में लगभग 150 विद्यार्थी सम्मिलित हुए। सभी ने अत्यंत उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लिया।

सियार के हमले से मां पुत्र घायल

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिले के जैतहरी तहसील अंतर्गत सुलखारी गांव में शुक्रवार की दोपहर घर के पीछे बांड़ी में खेती का काम कर रही 70 वर्षीया रूक्मणी पति सोनसाय एवं 55 वर्षीय पुत्र समयलाल पर एक जंगली सियार ने अचानक हमला कर घायल कर दिये जाने पर परिजनों द्वारा दोनों घायलो को जिला चिकित्सालय अनुसार लाकर उपचार कराया है,घटना की जानकारी वेंकटनगर वनविभाग को दी गई है।

आम जनता का कार्य प्रभावित होने व लापरवाही परिलक्षित होने पर संबंधितों के विरुद्ध होगी कार्यवाही

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। शासकीय अमले की जवाबदेही तथा पारदर्शिता को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन के निदेर्शानुसार जिले में ई-अटेंडेंस स्वचालित प्रणाली स्थापित की गई है। जिसका विभिन्न विभागों के शासकीय सेवकों द्वारा उपयोग कर सकारात्मक परिणाम भी परिलक्षित किए जा रहे हैं। परंतु जिले के अनेक हल्का पटवारियो द्वारा अपने कर्तव्य के प्रति सजग न रह इस प्रणाली के लागू होने का विरोध जताया जा रहा है। मैदानी अमले की क्षेत्र में अनुपस्थित से कार्य में वृद्धि नहीं देखी जा रही है। जबकि ई-अटेंडेंस प्रणाली का कोतमा तहसील के पटवारी बेहतर उपयोग कर कर्तव्य परायणता से जनता की सेवाओं में वृद्धि व गुणवत्ता परीक्षित कर रहे है। राजस्व विभाग के कोतमा तहसील के पटवारियो द्वारा ई-अटेंडेंस प्रणाली को अपनाया गया है परिणाम स्वरूप कोतमा तहसील के 22 पटवारी के द्वारा निरंतर ई-अटेंडेंस प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है। पटवारी की हल्का में उपस्थित से राज्य शासन की मंशानुरूप कार्यों में बढ़ोतरी के साथ-साथ लक्ष्य पूर्ति के प्रयास परिलक्षित दिखाई पड़ रहे हैं ई-अटेंडेंस लगाने वाले पटवारी के वेतन आहरण किया गया है। कुछ पटवारियो द्वारा ई-अटेंडेंस प्रणाली का विरोध किया जा रहा है। जिसे जिला प्रशासन द्वारा गंभीरता से लिया गया है। राज्य शासन द्वारा लागू की गई ई-अटेंडेंस प्रणाली का निदेर्शानुसार पालन न करने पर संबंधित पटवारी के द्वारा आम जन के कार्यों को प्रभावित करने तथा कार्यों में लापरवाही बरतने पर वेतन आहरण न करने के साथ ही पारदर्शी व जवाब देही के इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले शासकीय सेवकों के प्रति कार्यवाही की जाएगी।

मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक-रामकिशोर कांवरे

भाजपा में हुआ राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन , 150 साल पूरे होने पर स्मरणोत्सव की शुरुआत

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। भारतीय जनता जिला पार्टी कार्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर जिला स्तरीय वंदे मातरम् 150 वां स्मरणोत्सव समारोह का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम भारत माता डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं दीनदयाल उपाध्याय के तैल चित्र पर दीप प्रज्जवलन, माल्यार्पण किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर स्मरणोत्सव की शुरुआत की है। श्रृंखला में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का ससम्मान पूर्ण सामूहिक गायन हुआ। ओतप्रोत भाजपा जिलाध्यक्ष, पूर्व मंत्री रामकिशोर नानो कावरे ने कहा, 150 वर्ष पूर्व बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत आजादी की अलख जगाने वाला और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है। जब एक ओर हम सभी लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती मना रहे हैं, तब दूसरी ओर इसी कालखंड में वंदे मातरम के 150 वर्ष भी हमें अपनी जड़ों से जुड़ने व मां भारती के लिए निरंतर समर्पित रहने की प्रेरणा दे रहे हैं।

भारतीय राष्ट्रवाद की आत्मा - मौसम बिसेन

इसी कड़ी में मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने कहा, आज हम सब एक ऐसे शब्द समूह पर विचार करने के लिए एकत्रित है जो मात्र एक गीत नहीं बल्कि भारतीय राष्ट्रवाद की आत्मा है। स्वतंत्रता संग्राम का मंत्र है और हर भारतीय के हृदय में मातृभूमि के प्रति प्रेम का प्रतीक है वंदे मातरम। भारत माता की जय! आशय की जानकारी देते हुए भाजपा जिला मीडिया प्रभारी हेमेंद्र क्षीरसागर ने कहा, वंदे मातरम् हमारी मातृभूमि, भारत माता, यानी भारत के लोगों की भावना का प्रतीक है और भारत की एकता और विविधता का प्रतीक है।

राष्ट्रसेवा का संकल्प

बेला में भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे, मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन, राजकुमार रायजादा, नपाध्यक्ष भारती ठाकुर, नपा उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, भाजपा जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले, जितेन्द्र मोहारे, गोपाल आडवाणी, अनिल धुवारे, जिला महामंत्री डां नरेंद्र भैरम, संजय मिश्रा, जिला मंत्री कन्हैया चौहान, सुधीर चौधरी, जिला मीडिया प्रभारी हेमेंद्र क्षीरसागर, जिला मीडिया सह प्रभारी जितेंद्र चौधरी, जिला कार्यालय मंत्री सुमित यादव, सह कार्यालय मंत्री चंद्रकांत पिपलेवार, रमाकांत डहाके, राकेश सेवईवार, अजय मिश्रा, कैलाश चौरड़िया, राजेश राहंगडाले, हेमंत राहंगडाले, विकास सोनेकर, संजीव धुवारे, मोनिल जैन, पलाश बिसेन, संजय गौतम, विशाल मंगलानी, गरिमा गौतम, उषा धुवारे, पूनम खोबरागड़े, गौरी लिल्हारे, रक्षा हरिनखेरे, दिपिका बिसेन, सुनिता सेवईवार, ऋतु मोहारे, सरिता सोनेकर, योगिता बोपचे, अर्चना गुप्ता, कृष्णा सिंह, मीना राहंगडाले, गजेन्द्र भारद्वाज, सुरजीत सिंह ठाकुर, गणेश अग्रवाल, खिमेंद्र गौतम, संतोष सिंगारे, राज हरिनखेरे, मनोज हरिनखेरे, जितेन्द्र सिंह राजपूत, आकाश चौहान, संजू वराडे, अजीत वैध, वकील वाधवा, कमलेश पांचे, सौरभ जैन, अमोल मिश्रा, दिपक लिल्हारे, राहुल जेमी, सोनू कसार, विक्की पालेवार, जयगिरी गोस्वामी समेत विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों और बालक व बालिकाओं ने वन्देमातरम् गीत का पूर्ण गायन कर राष्ट्रसेवा का संकल्प लिया।

संगठन सृजन वह नींव है, जिस पर इमारत बहुत सुदृढ़ बनेगी - तिवारी

कांग्रेस के दीपावली मिलन समारोह में पर्यवेक्षक ने पढ़ाया संगठनात्मक एकता का पाठ, आगामी रूपरेखा पर हुई चर्चा

दैनिक रेवांचल टाइम्स कटंगी। संगठन सृजन हमारे नेता राहुल गांधी द्वारा गढ़ी गई एक पुण्य विचारधारा है। यह वह नींव है जिस पर इमारत बहुत सुदृढ़ बनेगी। यह अभियान आने वाले समय फ्लीभूत होता हुआ दिखाई देगा। उक्ताशय के उद्गार कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के बालाघाट पर्यवेक्षक अयोध्या तिवारी ने व्यक्त किए। वे शुक्रवार को स्थानीय श्रीराम भवन में आयोजित कांग्रेस के विधानसभा स्तरीय दीपावली मिलन समारोह कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पूर्व सांसद बोधसिंग भगत, वरिष्ठ नेता बद्रीप्रसाद दुबे, रूपलाल पारधी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सुनील जैन, महावीर मोर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में संगठन पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता यहां एकत्र हुए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा नियुक्त संगठन सृजन अभियान के पर्यवेक्षक दीपावली मिलन समारोह के माध्यम से संगठन की नब्ज टटोलने बालाघाट प्रवास पर है।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पर्यवेक्षक अयोध्या तिवारी ने कहा कि विपक्ष जनता की आन बान शान है। हमें आगामी समय में बड़ी तल्लिनता एवं संजीदगी के साथ संगठन का एक अच्छा स्वरूप बिठाकर इबारत लिखेंगे। हमारा लक्ष्य संगठन को मजबूत करने के साथ ही आने वाला कटंगी विधानसभा चुनाव जीतना है। नगरीय निकाय एवं लोकसभा चुनाव के लिए संगठनात्मक मजबूती की आवश्यकता है। तिवारी ने कहा हमें व्यक्ति व्यवस्था का त्याग कर संगठन की व्यवस्था को सुदृढ़ करना है। संगठन नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता के आपसी समन्वय के साथ मजबूत होगा। संगठन सृजन अभियान की आगामी रूपरेखा का ड्रॉफ्ट तैयार किया जा रहा है। 8 नवम्बर को दोपहर बाद सभी के पास पीडीएफ भेज दी जाएगी। कार्यकर्ता सौंपे गए दायित्व के निर्वहन के लिए अपनी कम कस लें। इस अवसर पर कांग्रेस के जिला महामंत्री नीरज हीरावत, गोविंद बिसेन, दिनेश पटले, ताराचंद बिसेन, ब्लॉक अध्यक्षों में नोखेन्द्र सिंगनदुपे कटंगी, ज्ञानीराम राहंगडाले तिरोड़ी, गंगाराम डहरवाल भौरगढ़, पूर्व सेवादल अध्यक्ष नरेश कटारिया, देवेन्द्र बारेवार, दीपक पुष्पतोड़े, गुनीराम बघेले आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस को परिवार बढ़ाना करने की जरूरत - बोधसिंग

पूर्व सांसद बोधसिंग ने कहा कि हमें अपना परिवार बढ़ाना है। किसी के आने से किसी की अहमियत कम हो जाएगी इस छोटी सोच का त्याग कर कार्यकर्ताओं को पार्टी के लिए मेहनत एवं परिश्रम करना है। प्रत्येक कार्यकर्ता दिन का एक घंटा भी संगठन के लिए दें तो अच्छे परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रतिभाओं की उपेक्षा नहीं करनी है। मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए पूर्व सांसद ने कहा कि बीजेपी चुनाव जीतने के लिए नियम कायदों को ठेंगा दिखा रही है। बिहार में आचार संहिता लागू होने के बावजूद दस हजार रू. मतदाताओं को प्रदान कर प्रलोभन दिया जा रहा है। जो कार्य यूपीए सरकार कर चुकी है उन्हीं को मोडिफाइड कर वाहवाही बटोर रही है। स्व.प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर बांग्लादेश बना दिया। स्व.राजीव गांधी ने अयोध्या में भगवान राम की पूजा शुरू करवायी तो इतना ढिंढोरा नहीं पीटा लेकिन मौजूदा मोदी सरकार इन्हीं चीजों पर जनता को बरगला रही है।

जवाबदारी को जमीनी स्तर पर सिद्ध करेंगे - कटारिया

सेवादल के पूर्व अध्यक्ष नरेश कटारिया ने कहा कि सभी साथियों मान-सम्मान के साथ लेकर जवाबदारी दी जाएगी तो पार्टी मजबूत होगी। कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर सौंपी गई जवाबदारी को सिद्ध करके दिखाएंगे। परिवार की माता बहनों को भी पार्टी से जोड़कर मातृशक्तियों का संगठन मजबूत कर अपनी ताकत दिखानी है।

हम कांग्रेस के हैं, इस भाव से काम करें - हीरावत

जिला महामंत्री नीरज हीरावत ने कहा कि कांग्रेस में संगठन सर्वोपरि है इसके आगे कुछ भी नहीं है। अब तक सिर्फ नेता बनने के लिए कांग्रेस का उपयोग होता हुआ आया है। इस धारणा का त्याग कर दिमाग में एक बात बिठा लें कि हम कांग्रेस के हैं, इस मंशा से काम नहीं करेंगे तब तक कांग्रेस की स्थिति नहीं सुधरने वाली। अंतिम विधानसभा चुनाव में पार्टी ने जो गलतियाँ की उसका बड़ा खामियाजा भी भुगतना पड़ा। पार्टी के तीन फाड़ हो जाने के बावजूद हमारे प्रत्याशी को 65000 वोट मिलें। यदि एकजुटता रहती तो कटंगी विधानसभा सीट हाथ से नहीं जाती। सबकुछ भूलकर आगे अनुशासनात्मक कार्यप्रणाली अपनाकर कार्य करना है। पार्टी जिसे भी टिकिट दें हमें कांग्रेस को केन्द्र में रखकर काम करना है।

सरकार की अनियमितताएं जनता को समझाएं - बघेले

खैरलांजी पदाधिकारी गुनीराम बघेले ने कहा कि देश में एसएससी सीजीएल सहित अन्य परीक्षाओं के माध्यम से भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। प्रदेश में अनपढ़ पटवारी बन गए। इस तरह कुछ भी ठीक नहीं है फिर भी ये बातें हम जनता को समझा नहीं पा रहे हैं। युवाओं को यह बात गांव-गांव तक पहुंचानी है। सरकार की अनियमिताएं बतानी है।

युवक कांग्रेस के नवनियुक्त पदाधिकारियों को किया सम्मानित

विधानसभा युवक कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष आकाश कड़वे का पर्यवेक्षक अयोध्या तिवारी द्वारा पुष्पहार बनने पर स्वागत किया गया। इनके अलावा विधानसभा के तीनों ब्लॉक के नवनियुक्त अध्यक्ष खिलेन्द्र मेश्राम, प्रलय डेकाटे एवं नीतेश उपवंशी का भी स्वागत किया गया।

शासकीय भूमि से अवैध रूप से पलाश लाख निकासी की एसडीएम से की शिकायत

दैनिक रेवांचल टाइम्स किरनापुर।

तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय पहुंचकर ग्राम के पलाश वन से अवैध रूप से पलाश लाख निकासी किए जाने की शिकायत की है। तत्संबंध में ग्रामीणों ने अपनी शिकायत मे बताया कि ग्राम वारा प.ह.नं. 54, रा0नि0मं0 किरनापुर, तहसील किरनापुर जिला बालाघाट में लगभग 05 एकड़ शासकीय भूमि स्थित हैं, जिस पर प्रतिवर्ष पलास वृक्षों में लाख रोपण एवं लाख निकासी की निलामी की जाती हैं, किन्तु इस वर्ष बिना जानकारी के बगैर निलामी एवं ग्रामीणों के बगैर सूचना के अन्य दूसरे ग्राम लवेरी निवासी अनावेदक धनीराम मोहारे द्वारा आज दिनांक 07/011/2025 से लाख निकासी का कार्य किया जा रहा हैं।

हम ग्रामीणों द्वारा पिछले 06 माह पूर्व से तहसील कार्यालय आकर चुमेश मोहारे बाबु से पूछते रहे की ग्राम वारा की लाख निकासी की निलामी कब हो रही हैं, चुमेश मोहारे द्वारा ग्रामीणों को गुमराह करते रहा की जब भी निलामी होगी आपकों सूचना दी जावेगी किन्तु आज चुमेश मोहारे द्वारा बताया गया की 06 माह पूर्व ही निलामी हो चुकी हैं, उक्त लाख निकासी की निलामी अनावेदक धनीराम मोहारे पिता बारीक मोहारे जाति लोधी ग्राम लवेरी को दे दिया गया हैं। अनावेदक चुमेश मोहारे का चाचा हैं। ग्रामीणों द्वारा आज अनावेदक से पूछा गया की आपकों उक्त लाख की निकासी की अनुमति किसने दिया अनावेदक द्वारा कहाँ गया की मुझे उक्त लाख की निकासी की अनुमति न्यायालय से मुझे दी गई हैं, मैं लाख निकालूंगा तुमको जहाँ मेरी शिकायत करना हैं कर दो। ग्राम पंचायत वारा के सरपंच एवं ग्रामीणों ने तत्काल अवैध रूप से की जा रही लाख निकासी पर रोक लगाते हुए इस मामले की जांच कर नियमानुसार प्रक्रिया का पालन करते हुए ग्राम वारा के लोगो को लाख निकासी प्रदान करवाए जाने की मांग की है। शिकायत किए जाने के दौरान ग्राम पंचायत वारा के सरपंच भजनलाल बिसेन, पंच अब्दुल वारिस कुरैशी, प्रमिला गौतम, दशरथ चौधरी, रेखलाल, मुन्नी बाई,धुरपताबाई, सरिता सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

साठगांठ कर निकाल रहे पलाश लाख - सरपंच

ग्राम पंचायत वारा के सरपंच भजनलाल बिसेन ने जानकारी देते हुए बताया कि तहसील कार्यालय से साठगांठ कर गांव के बाहर के अन्य व्यक्ति द्वारा हमारे गांव के पलास वन से लाख निकासी की जा रही है। जबकि इस बारे मे हमारे ग्राम वारा मे किसी प्रकार से कोई मुनादी नहीं करवाई गई, ना ग्राम पंचायत को इस संबंध मे सूचना दी गई और गांव के किसी भी आदमी को कोई भी जानकारी नहीं है। जबकि इस बारे मे नियमानुसार नीलामी प्रक्रिया सम्पन्न कराई जाती हैं,गांव में मुनादी कराई जाती हैं। हमारे गांव के लोग सरपंच द्वारा साठगांठ कर लेने की बात कर रहे है। किन्तु हमें आज जानकारी लगी तो शिकायत करने एसडीएम ऑफिस पहुंचे हैं। यदि हमारी शिकायत पर कोई कार्यवाही नहीं होती है तो हम कलेक्टर महोदय से इस पूरे मामले की शिकायत करेंगे।

एसआईआर की प्रक्रिया में नागरिकों से सहयोग के लिए कलेक्टर ने की अपील

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले में 04 नवम्बर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इस प्रक्रिया के दौरान जिले के 1675 बीएलओ 13 लाख 70 हजार 312 मतदाताओं के घर-घर जाकर सम्प र्क करने लगे हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मृणाल मीना ने जिले के सभी नागरिकों से इस प्रक्रिया में सहयोग करने तथा मतदाताओं का सत्यापन करने उनके घर पहुँचने पर बीएलओ को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की है। कलेक्टर श्री मीना ने अपनी अपील में कहा है कि मतदाता सूची की अधिकतम शुद्धता सुनिश्चित करने प्रारंभ की गई एसआईआर की प्रक्रिया के तहत बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना पत्रक दिये जा रहे हैं। मतदाताओं को इन गणना पत्रक में वांछित जानकारी भरनी होगी तथा भरे हुये गणना प्रपत्र 04 दिसम्बर तक अनिवार्य रूप से बीएलओ को वापस करना होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मीना ने मतदाताओं से अपने दो नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साइज की फोटो तथा 2003 की मतदाता सूची में स्वयं अथवा अपने पिता, दादा अथवा रिश्तेदार का नाम होने के संबंध में जानकारी फिर चाहे वे देश में कहीं के भी मतदाता हों राज्य, विधानसभा क्षेत्र, मतदान केंद्र संख्या, भाग संख्या, सरल क्रमांक आदि और यदि वोटर आईडी कार्ड नंबर यदि उपलब्ध हो तो उसकी जानकारी रखने का आग्रह भी किया है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि एसआईआर की प्रक्रिया के तहत उपलब्ध कराए गये गणना फॉर्म भरकर 04 दिसम्बर तक बीएलओ को वापस नहीं करने की स्थिति में सबंधित मतदाता का नाम 9 दिसम्बर को होने वाले मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन में शामिल नहीं हो सकेगा और बाद में ऐसे मतदाताओं को दावा-आपत्ति की प्रक्रिया में दस्तावेज देने होंगे। कलेक्टर श्री मीना ने जिले के नागरिकों से अपने परिवार एवं आसपास के लोगों तक एसआईआर के बारे में जानकारी पहुंचाने एवं उन्हें जागरूक करने की अपील की है।

मतदाता सूची का शुद्धीकरण ही सशक्त लोकतंत्र की असली नींव-रामकिशोर कांवरे

भाजपा समनापुर और बालाघाट ग्रामीण मंडल की एसआईआर कार्यशाला संपन्न, जितेन्द्र जित्तु चौधरी परसवाड़ा विधानसभा एसआईआर प्रभारी नियुक्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। शुक्रवार को स्थानीय सिंचाई कालोनी में आयोजित विधानसभा परसवाड़ा के भाजपा समनापुर और बालाघाट ग्रामीण मंडल की मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर 2025 की कार्यशाला में उपस्थित मंडलों के पदाधिकारियों, शक्ति केंद्र पालक, सहसंयोजक, बूथ अध्यक्ष, मंत्री, बीएलए को भाजपा जिलाध्यक्ष, पूर्व मंत्री रामकिशोर नानो कावरे ने संबोधित किया। उन्होंने कहा, मतदाता सूची का शुद्धीकरण ही सशक्त लोकतंत्र की असली नींव है।

एक स्वच्छ, मतदाता सूची एक स्वस्थ लोकतंत्र का निर्माण करती है। बदौलत हमें सभी पात्र मतदाताओं का समायोजन करने अपनी महत्ती भूमिका निभानी होगी। इसमें आमजन के सहयोग के साथ भाजपा के कार्यकर्ताओं का समर्पण निर्णायक है। भाजपा जिला अध्यक्ष बताया मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में कार्य में विषय सहयोग देने के लिए परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र भारतीय जनता पार्टी की ओर से जितेंद्र जित्तु चौधरी को बीएलए 1, एसआईआर प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जो इस कार्य में पार्टी के पक्ष रखेंगे। कार्यशाला की शुरुआत भारत माता, डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के पहले चित्र पर दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण कर की गई।

सार्थक और सारगर्भित प्रयास - हेमेन्द्र क्षीरसागर

मुख्य वक्ता भाजपा एसआईआर जिला नियंत्रण कक्ष प्रभारी हेमेंद्र क्षीरसागर ने मतदाता सूची गहन विशेष पुननिरीक्षण कार्य के विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए बीएलए के तौर पर क्या-क्या करना चाहिए उल्लेखित किया। वहीं इस दौरान उपयोगी दस्तावेजों की भी जानकारी प्रमुखता से रखी। हेमेंद्र क्षीरसागर ने कहा, मतदाता सूची का पुननिरीक्षण एक प्रकार से सार्थक और सारगर्भित प्रयास है। जिसके लिए भारत निर्वाचन आयोग प्रशंसा का पात्र है।

नव मतदाताओं को जोड़ने में मदद

कार्यशाला में भाजपा जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले, महामंत्री डॉ नरेंद्र भैरम ने आगामी निर्वाचन के लिए नव मतदाताओं के नाम जोड़ना। त्रुटियों का सुधार करना, अपात्रों को हटाने की पहल। अधिक से अधिक नव मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने में मदद। मतदाता सूची पुनरीक्षण में एक जिम्मेदार नागरिक की भांति सहयोग। प्रत्येक बूथों के लिए बीएलए की नियुक्ति आदि विषयों पर सार्थक परिचर्चा की। साथ ही कार्यशाला के माध्यम से प्रत्येक बूथ की मतदाता सूची की समीक्षा की गई। बूथ स्तर पर किए जाने वाले कार्यों पर भी विचार-विमर्श हुआ। कार्यशाला का सफल संचालन परसवाड़ा विधानसभा एसआईआर प्रभारी जितेंद्र जित्तु चौधरी ने किया।

सहयोग का संकल्प

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी किशोर अमूले, जिला महामंत्री डॉ नरेंद्र भैरम, जिला मीडिया प्रभारी हेमेंद्र क्षीरसागर, सह मीडिया प्रभारी, रजेगांव मंडल प्रभारी जितेंद्र जित्तु चौधरी, बालाघाट ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सतीश लिल्हारे, समनापुर मंडल अध्यक्ष गणेश लिल्हारे, संतोष शुक्ला, जनपद उपाध्यक्ष शंकर बिसेन, जुगल बम्बुरे, हेमंत राणा पवन नगपूरे, रामप्रसाद राउत, जनपद सदस्य महेश शरणागत, दीक्षा मेश्राम, श्वेता राणे, मनोहर पन्द्रे, सद्दू बाहेश्वर, राजेश अग्रवाल, टुंडीलाल बिसेन, निरंक अमूले, दीनदयाल नगपूरे, बलराम जैतवार, स्वप्निल बिसेन, अनिल बनवाले, मुकेश पटले, राकेश नागपुरे, लवकुश जामरे, अशोक सिलेकर, भुवन पटले, सरोज दवनेकर, ओंकार नरबोदे समेत बड़ी संख्या में बूथ अध्यक्ष, बीएलए, बूथ महामंत्री सहित सभी पदाधिकारी गण उपस्थित रहे। जिन्होंने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में सहयोग करने का संकल्प लिया।